@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 13 मई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 188 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नीट पेपर लीक : नासिक से पूरे देश में आउट हुआ पेपर, देशभर में फैला जाल

एजेंसी

नई दिल्ली/जयपुर। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' (NEET) को लेकर एक सनसनीखेज खुलासा हुआ है। खबर है कि परीक्षा का प्रश्नपत्र किसी एक केंद्र से नहीं, बल्कि सीधे नासिक

स्थित प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुआ था। इस खुलासे ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) की सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां उड़ा दी हैं और पूरे देश में हड़कंप मचा दिया है। जांच में सामने आए 'चेन सिस्टम' ने अधिकारियों के होश उड़ा दिए हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि परीक्षा से करीब 15 दिन पहले ही पेपर बाजार में आ चुका था। एक पीजी हॉस्टल संचालक द्वारा किए गए इस बड़े खुलासे के बाद अब व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। यह माना जा रहा है कि इस गिरोह ने लाखों-करोड़ों रुपए लेकर सैकड़ों अभ्यर्थियों तक यह पेपर पहुँचाया।

देशभर के लाखों छात्रों के भविष्य के साथ हुए इस खिलवाड़ को NTA के कामकाज पर एक 'काला धब्बा' माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रिंटिंग प्रेस जैसी उच्च सुरक्षा वाली जगह से पेपर का बाहर आना बिना किसी बड़े अधिकारी या अंदरूनी मिलीभगत के संभव नहीं है। मामले की गंभीरता और इसके कई राज्यों में फैले होने के कारण, केंद्र सरकार ने इसकी जांच CBI को सौंप दी है। सीबीआई अब उन कड़ियों को जोड़ने में जुटी है कि आखिर नासिक से लेकर केरल तक फैले इस सिंडिकेट का असली सरगना कौन है।

सूत्रों के अनुसार, पेपर लीक की कड़ियां कुछ इस प्रकार जुड़ी हैं:

लीक का केंद्र : पेपर सबसे पहले नासिक की प्रिंटिंग प्रेस से बाहर आया। मास्टरमाइंड का ठिकाना : वहां से यह सीधे गुड़गांव के एक डॉक्टर के पास पहुंचा, जिसे इस पूरे गिरोह का अहम हिस्सा माना जा रहा है।
राजस्थान कनेक्शन : गुड़गांव से पेपर जयपुर पहुंचा और फिर वहां से सीकर भेजा गया।
राष्ट्रव्यापी नेटवर्क : सीकर को इस वितरण का मुख्य केंद्र बनाया गया, जहां से प्रश्नपत्र जम्मू-कश्मीर, केरल, बिहार और राजस्थान के विभिन्न जिलों में सक्रिय एजेंटों को भेजा गया।

नीट-यूजी 2026 : दोबारा परीक्षा के लिए नहीं करना होगा रजिस्ट्रेशन, छात्रों की फीस भी होगी वापस

अब तक 45 आरोपी पकड़े

नई दिल्ली/सीकर। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द करने के मामले में जांच एजेंसियों ने 45 लोगों को पकड़ा है और उनसे पूछताछ की जा रही है। इसमें राजस्थान एसओजी ने 13 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें मनीष यादव व अविनाश लांबा के नाम सामने आए हैं। एनटीए ने छात्रों के हित में कई बड़े ऐलान किए हैं।

एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 'री-एग्जाम' कराया जाएगा, जिसके लिए अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की अतिरिक्त परेशानी नहीं उठानी होगी। कोई नया रजिस्ट्रेशन नहीं : दोबारा होने वाली परीक्षा के लिए छात्रों को फिर से फॉर्म भरने या रजिस्ट्रेशन करने की आवश्यकता नहीं होगी।

फीस वापसी : NTA ने घोषणा की है कि जो छात्र 3 मई की परीक्षा में शामिल हुए थे, उनकी फीस वापस की जाएगी।

परीक्षा केंद्र और एडमिट कार्ड : परीक्षा केंद्रों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा, ताकि छात्रों को आवागमन में सुविधा रहे। हालांकि, री-एग्जाम के लिए नए एडमिट कार्ड जारी किए जाएंगे। सीकर से जुड़े 'गेस पेपर' ने खोली पोल : जांच में सामने आया है कि राजस्थान के सीकर में परीक्षा से दो दिन पहले ही एक 'क्वेश्चन बैंक' छात्रों तक पहुंच गया था।

MBBS छात्र का कनेक्शन : बताया जा रहा है कि केरल के एक कॉलेज से एमबीबीएस कर रहे छात्र ने 1 मई को अपने सीकर निवासी दोस्त को एक हाथ से लिखा हुआ गेस पेपर भेजा था।

नीट परीक्षा पेपर लीक के पीछे 'राजनीतिक संरक्षण': अरविंद केजरीवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को नीट-यूजी 2026 के पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की और परीक्षा माफिया के खिलाफ उसकी 'चुप्पी और निष्क्रियता' पर सवाल उठाया।

अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि शीर्ष स्तर पर मिलीभगत और ऐसे अपराधों में शामिल लोगों को राजनीतिक संरक्षण देना ही इस तरह के पेपर लीक के पीछे मुख्य कारण हैं। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा के पेपर लीक होने से लाखों छात्रों का जीवन खतरे में है, लेकिन सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या सरकार इस बात को समझती है कि ऐसे समय में बच्चों और उनके परिवारों को किस हद तक पीड़ा झेलनी पड़ती है। केंद्रीय परीक्षा संचालक संस्था राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को 3 मई को हुई नीट परीक्षा को रद्दा कर दिया। यह फैसला परीक्षा प्रक्रिया में अनियमितताओं के बारे में केंद्रीय एजेंसियों को मिली सूचनाओं के बाद लिया गया। अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर विफलता और लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि यह पहली बार नहीं है जब परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक हुए हैं।

नीट परीक्षा 2026 रद्द होने पर राहुल गांधी का केंद्र सरकार पर तीखा हमला-

अमृत काल अब जहर काल बन गया है

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने NEET 2026 परीक्षा रद्द होने के बाद केंद्र सरकार और भाजपा शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' (X) पर एक भावुक और कड़ा संदेश साझा करते हुए उन्होंने इस स्थिति को युवाओं के भविष्य के खिलाफ एक 'अपराध' करार दिया है। राहुल गांधी ने उन लाखों परिवारों के संघर्ष को रेखांकित किया जो अपने बच्चों को डॉक्टर बनाने का सपना देखते हैं। उन्होंने

लिखा- 'किसी पिता ने कर्ज लिया, तो किसी मां ने अपने गहने बेच दिए ताकि उनका बच्चा पढ़ सके।' कड़ी मेहनत : 22 लाख से अधिक छात्रों की मेहनत, बलिदान और सपनों को इस भ्रष्ट भाजपा शासन ने कुचल दिया है। कांग्रेस नेता ने सीधे तौर पर सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि छात्रों को मेहनत के बदले केवल पेपर लीक, सरकारी लापरवाही और शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार 'पेपर माफिया' साफ बच निकलता है, जबकि सजा ईमानदार छात्रों को भुगतनी पड़ती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'अमृत काल' विजन पर प्रहार करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'प्रधानमंत्री का तथाकथित अमृत काल देश के लिए जहर काल में बदल गया है।' उन्होंने सवाल उठाया कि यदि किसी का भाग्य कड़ी मेहनत के बजाय पैसे और रसूख से तय होगा, तो शिक्षा का क्या अर्थ रह जाएगा?

नीट यूजी 2026 पेपर लीक पर परीक्षार्थियों में भारी आक्रोश, एनएसयूआई का सरकार और सिस्टम के खिलाफ जमकर प्रदर्शन

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा अंडरग्रेजुएट उम्मीदवारों के लिए 3 मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी 2026) रद्द कर दी गई है। यह फैसला परीक्षा से पहले पेपर लीक होने के कारण लिया गया है, जिसके बाद परीक्षार्थियों में सरकार और व्यवस्था की विफलता के खिलाफ नाराजगी है। इसी को लेकर मंगलवार को दिल्ली में नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में नीट यूजी की परीक्षा में शामिल हुए सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल थे। इस दौरान एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'जिस तरीके से नीट यूजी का पेपर लीक हुआ है, उस पर सरकार ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, यह बेहद दुखद है। किस तरीके से 600 अंकों के प्रश्न पत्र छात्रों के बीच गेस पेपर के रूप में पहले ही सर्कुलेट हो गए, चाहे वो टेलीग्राम हो या व्हाट्सएप ग्रुप, यह सोचने का विषय है।' उन्होंने कहा कि देशभर के लाखों नौजवान पिछले 2 साल से नीट यूजी की तैयारी कर रहे थे।

'छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं करने देंगे, दोषियों की होगी गिरफ्तारी'

नई दिल्ली। भारत सरकार की मंजूरी से राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (National Testing Agency) ने NEET (UG) 2026 परीक्षा को रद्द कर दिया है। यह परीक्षा 3 मई को आयोजित की गई थी। पेपर लीक के आरोपों के चलते परीक्षा रद्द किए जाने के बाद ह्ज्ञ के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि '...हमने मामला CBI को सौंप दिया है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा ताकि छात्रों के भविष्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। हम छात्रों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित करेंगे और यह निष्पक्ष तरीके से होगी। हमने यह भी तय किया है कि दोबारा परीक्षा के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा, और पहली परीक्षा में लिया गया शुल्क भी वापस कर दिया जाएगा...' आगे उन्होंने कहा, '7 मई की रात को, हमें एक मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि परीक्षा आयोजित होने से पहले, उस व्यक्ति को एक व्हाट्सएप संदेश मिला था जिसमें कुछ प्रश्न परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों से बिल्कुल मेल खा रहे थे... हमारा काम उन आरोपों की पुष्टि करना और यह भी पता लगाना था कि क्या 3 मई - परीक्षा के दिन - से पहले किसी के पास वे पीडीएफ उपलब्ध थे। जांच करने पर पता चला कि कुछ प्रश्न हमारे प्रश्न पत्र से मेल खाते थे। यह भी पता चला कि 1 और 2 मई को, पीडीएफ कुछ लोगों के फोन पर उपलब्ध थी... यह हमारी शून्य सहनशीलता नीति के खिलाफ था। इससे छात्रों के भविष्य पर बुरा असर पड़ सकता था।'

हरियाणा बोर्ड 12वीं में 84.67फीसदी विद्यार्थी पास

कुल 87.97फीसदी लड़कियां तो 81.45फीसदी लड़के सफल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (BSEH) ने कक्षा 12वीं की नियमित परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए हैं। करीब 2.95 लाख विद्यार्थियों का इंतजार आखिर अब समाप्त हो चुका है। परीक्षा में शामिल हुए विद्यार्थी अपना रिजल्ट बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर चेक कर सकते हैं। इस वर्ष 12वीं बोर्ड का कुल पास प्रतिशत 84.67फीसदी रहा है।

लड़कियों का रहा दबदबा

इस बार भी परिणामों में छात्राओं का प्रदर्शन शानदार रहा। छात्राओं का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 87.79फीसदी रहा। वहीं, छात्रों का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 81.45फीसदी रहा। स्पष्ट है कि छात्राओं ने छात्रों को काफी पीछे छोड़ दिया है। परिणामों के अनुसार, छात्राओं ने लड़कों के मुकाबले 6.52फीसदी अधिक पास प्रतिशतता हासिल की है। 12वीं परीक्षा में 2,42,856 परीक्षार्थी प्रविष्ठ हुए, जिसमें

2,05,618 उत्तीर्ण हुए तथा 10,498 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण रहे। वहीं, छात्रों की पास प्रतिशतता 81.45 एवं छात्राओं की पास प्रतिशतता 87.97 रही। इस प्रकार से छात्राओं ने छात्रों से 6.52 फीसदी ज्यादा पास प्रतिशतता दर्ज की है। वहीं, कला संकाय में पास प्रतिशतता 82.60, विज्ञान संकाय में 90.08 तथा कॉमर्स संकाय में 88.20 रही है। वहीं, पास प्रतिशतता में जिला चरखी दादरी टॉप और नूंह सबसे नीचे पायदान पर रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर में चीन-पाकिस्तान के गठजोड़ का पर्दाफाश

• विदेश मंत्रालय ने कहा- हमारी जानकारी सच साबित हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को मिले चीन के समर्थन पर एक बड़ी जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि हाल ही में आई वे सभी रिपोर्ट बिल्कुल सही हैं, जिनमें 'ऑपरेशन सिंदूर' के समय चीन द्वारा पाकिस्तान की मदद करने का दावा किया गया था। भारत सरकार को यह बात पहले से ही पता थी और नई रिपोर्ट सिर्फ उस पुरानी जानकारी को सच साबित करती हैं। तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री व्यापार के लिए एक बहुत ही संवेदनशील इलाका बना हुआ है। वहां से जुड़ी एक राहत भरी खबर देते हुए विदेश मंत्रालय ने बताया कि 11 भारतीय समुद्री जहाज इस खतरनाक रास्ते से सुरक्षित बाहर निकल चुके हैं। हालांकि, स्थिति अभी भी पूरी तरह

से सामान्य नहीं हुई है। ऐसा इसलिए है क्योंकि 13 अन्य भारतीय जहाज अब भी उसी क्षेत्र यानी फारस की खाड़ी में मौजूद हैं और अपनी आगे की सुरक्षित यात्रा के लिए इंतजार कर रहे हैं।

ब्रिक्स देशों की बड़ी बैठक में क्या-क्या होगा?

भारत 14 और 15 मई 2026 को ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की एक बहुत ही बड़ी और अहम बैठक की मेजबानी करने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर खुद करेंगे। इस बैठक में ब्रिक्स के सभी सदस्य और साझीदार देशों के विदेश मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख हिस्सा लेने के लिए दिल्ली आएंगे। यह भी तय हुआ है कि ये सभी बड़े नेता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी खास मुलाकात करेंगे। बैठक के पहले दिन सभी देशों के विदेश मंत्री दुनिया और अपने क्षेत्र के अहम मुद्दों पर बहुत ही विस्तार से बातचीत करेंगे। इसके बाद दूसरे दिन एक खास सत्र का आयोजन होगा। इस सत्र का विषय ब्रिक्स एट 20, बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी रखा गया है। इसके बाद दुनिया की शासन व्यवस्था में सुधार लाने पर भी चर्चा होगी। बता दें कि इससे पहले ब्रिक्स देशों की आखिरी बैठक 26 सितंबर 2025 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान हुई थी। बांग्लादेश में इन दिनों जो भारी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, उस पर भी भारत सरकार ने अपनी बात रखी है। भारत ने साफ कर दिया है कि दोनों देशों के रिश्ते बहुत ही अच्छी और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

मैं प्रधानमंत्री और खेल मंत्री से निवेदन करती हूं कि विनेश का ट्रायल लिया जाएः साक्षी मलिक

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा विनेश फोगाट को भेजे 'कारण बताओ नोटिस' और उन पर 26 जून तक खेलने को लेकर लगाई गई रोक पर पूर्व महिला रेसलर साक्षी मलिक का बयान सामने आया है। साक्षी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्री से निवेदन किया है कि विनेश को ट्रायल देने से न रोका जाए। साक्षी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'फेसबुक' पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा, 'पिछले कुछ दिनों से विनेश के ट्रायल को लेकर जो भी मामला चल रहा है, उसको लेकर मीडिया मेरी राय जानना चाहती है। मैं दो-तीन दिन से विचार में थी, क्योंकि विनेश एक पार्टी की विधायक है और मेरा किसी भी पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। मैं ऐसे बहुत से उदाहरण दे सकती हूं, जहां दूसरे देश की स्पोर्ट्स फेडरेशन अपने खिलाड़ियों के लिए नियम आसान करती है।

• राजस्थानी भाषा को लेकर सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

अब स्कूलों में पढ़ाई जाएगी राजस्थानी भाषा

एजेंसी

नई दिल्ली /जयपुर । राजस्थान में राजस्थानी भाषा को लेकर लंबे समय से चल रही मांग को अब बड़ी कानूनी मजबूती मिल गई है। सामाजिक कार्यकर्ता पदम मेहता की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि सभी सरकारी और निजी ह्याष्द्धश्शद्यह्य में राजस्थानी भाषा को एक विषय के रूप में शुरू करने की दिशा में जल्द कदम उठाए जाएं। राजस्थान में लंबे समय से चल रही राजस्थानी भाषा को शैक्षणिक मान्यता देने की मांग पर आज सुप्रीम कोर्ट अहम फैसला सुनाने जा रहा है। यह मामला प्रदेश के स्कूलों में राजस्थानी भाषा की पढ़ाई शुरू करने और शिक्षकों की भाषा सूची में राजस्थानी को शामिल करने से जुड़ा हुआ है। फैसले को लेकर प्रदेशभर में साहित्यकारों, शिक्षाविदों, छात्रों और राजस्थानी भाषा प्रेमियों के बीच उत्सुकता बनी हुई है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि मातृभाषा में शिक्षा बच्चों के मानसिक, बौद्धिक

और सांस्कृतिक विकास के लिए बेहद जरूरी है। अदालत ने साफ किया कि संविधान और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी शुरुआती शिक्षा स्थानीय भाषा में देने पर जोर देती है, इसलिए राज्य सरकार इस जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकती। इस पूरे मामले में पदम मेहता की याचिका अहम रही।

श्री मद्महेश्वर मंदिर के कपाट 21 मई को खुलेंगे, ऊखीमठ से 19 को रवाना होगी उत्सव डोली

एजेंसी

देहरादून। रुद्रप्रयाग जिले में स्थित श्री मद्महेश्वर मंदिर के कपाट आगामी 21 मई को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी ने यात्रा कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 17 मई को भगवान मद्महेश्वर की उत्सव मूर्ति ओंकारेश्वर मंदिर के गर्भगृह से बाहर आकर मंदिर स्थित सभामंडप में विराजमान होगी। उन्होंने बताया कि 19 मई को भगवान मद्महेश्वर की उत्सव डोली प्रातः ओंकारेश्वर मंदिर से प्रस्थान कर रात्रि विश्राम के लिए राकेश्वरी मंदिर पहुंचेगी। इसके बाद 20 मई को डोली रांसी से प्रस्थान कर रात्रि विश्राम के गौंडार पहुंचेगी। मुख्य कार्याधिकारी के अनुसार 21 मई को भगवान मद्महेश्वर की उत्सव डोली ग्राम गौंडार से प्रातः प्रस्थान करेगी ।

पंजाब के सरकारी स्कूलों में शिक्षा क्रांति का असर दिखने लगा है, 1688 सरकारी स्कूलों में रिजल्ट 100 फीसद रहा: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 12 मई। भगवंत मान सरकार की 'शिक्षा क्रांति' ने पंजाब के सरकारी स्कूलों में शानदार बदलाव लाया है। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के 10वीं कक्षा के नतीजों ने न सिर्फ प्रभावशाली 94.52 प्रतिशत पास प्रतिशत दर्ज किया, बल्कि मेरिट में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों और लड़कियों के बढ़ते दबदबे को भी दर्शाया है। इस परीक्षा में 2,54,744 विद्यार्थी पास हुए, लड़कियों ने 95.96 प्रतिशत पास प्रतिशत के साथ लड़कों को पीछे छोड़ दिया, जबकि लड़कों का पास प्रतिशत 93.23 रहा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को घोषित 10वीं कक्षा के नतीजों में पहले तीन स्थान हासिल करने वाले तीन विद्यार्थियों को पंजाब की 'शिक्षा क्रांति' का सबूत बताते हुए कहा कि पंजाब के बच्चों में अथाह प्रतिभा है और अब उन्हें देश के सबसे बेहतरीन विद्यार्थियों के साथ मुकाबला करने के लिए जरूरी प्लेटफॉर्म और बुनियादी ढांचा मिल रहा है। विद्यार्थियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, इन विद्यार्थियों, हरलीन शर्मा, मनीमहेश शर्मा और रिया रानी ने क्रमशः 99.38 प्रतिशत, 99.23 प्रतिशत और 99.23 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इन विद्यार्थियों ने मेहनत, लगन और दृढ़ इरादे से यह सफलता हासिल की है। यह हमारे लिए गौरव का और यादगार मौका है। विद्यार्थी, उनके माता-पिता और शिक्षक

इस उपलब्धि के लिए प्रशंसा के हकदार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ये विद्यार्थी अपने साथियों और युवा पीढ़ी के लिए रोल मॉडल बनेंगे। वे अनगिनत अन्य विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेंगे। इन बच्चों ने साबित कर दिया है कि उन्हें उड़ान भरने के लिए पंख दिए जाएं तो वे हर क्षेत्र में ऊंचाइयों को छू सकते हैं। हमारी सरकार राज्य के हर विद्यार्थी को बेहतरीन स्कूली शिक्षा के लिए सबसे अच्छा माहौल उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि तीनों विद्यार्थी अपनी पसंद की किसी भी स्ट्रीम में स्कूल ऑफ एमिनेंस में सीधा प्रवेश ले सकेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को उनकी शानदार उपलब्धि के लिए प्रशंसा स्वरूप 50,000 रुपए के चेक भी सौंपे। शिक्षा क्षेत्र में पंजाब की सफलता के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार के सतत प्रयासों से पंजाब ने प्राइमरी और मिडिल स्कूल शिक्षा में केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल कर लिया है। सरकार ने प्राइमरी और मिडिल स्कूलों को अपग्रेड किया, शिक्षा प्रणाली को मजबूत किया, स्मार्ट क्लासरूम शुरू किए और शिक्षकों को बेहतरीन प्रशिक्षण उपलब्ध कराया। ये सुधार अब प्रत्यक्ष नतीजे दे रहे हैं और पंजाब स्कूली शिक्षा में अग्रणी के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, भारत सरकार के प्रमुख संस्थानों में से एक नीति आयोग ने नए आंकड़े जारी किए हैं, जो दर्शाते हैं कि पंजाब ने प्राइमरी और मिडिल स्कूल शिक्षा में केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल कर लिया है। पिछले चार सालों से पंजाब सरकार ने शिक्षक प्रशिक्षण, आधुनिक शिक्षण विधियों और स्मार्ट क्लासरूमों पर लगातार ध्यान केंद्रित किया है। शेष पृष्ठ 3 पर

अभिषेक बनर्जी हाजिर नहीं हुए तो गिरफ्तारी वारंट : हाईकोर्ट

जबलपुर (एजेंसी)। टीएमसी सांसद और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को हाईकोर्ट ने कड़ी चेतावनी दी है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि अगली सुनवाई में यदि उनकी ओर से बहस नहीं हुई तो गिरफ्तारी पर लगी अंतरिम रोक हटा दी जाएगी। मामला पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय द्वारा दायर मानहानि केस से जुड़ा है। आरोप है कि नवंबर 2020 में कोलकाता की एक सभा में अभिषेक बनर्जी ने आकाश विजयवर्गीय को फगुंडाफ कहा था। इसी बयान को लेकर 2021 में विशेष अदालत में परिवाद दायर किया गया था। सुनवाई के दौरान बनर्जी पक्ष ने सांसद होने और फरार होने की आशंका नहीं होने का तर्क दिया, लेकिन कोर्ट ने लगातार समय मांगने पर नाराजगी जताई। हाईकोर्ट ने साफ कर दिया कि अब मामले में और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यूपी में शुरू हो सकते हैं ऑनलाइन क्लासेस और वर्क फॉम होम

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार शाम अहम बैठक आयोजित की गई। इस उच्चस्तरीय बैठक में बदलते हालात के बीच प्रदेश में नई प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक चर्चा की गई। सूत्रों के अनुसार बैठक में विद्यालयों, महाविद्यालयों और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में ऑनलाइन पढ़ाई शुरू करने की संभावनाओं पर विस्तार से मंथन किया गया। साथ ही सरकारी और निजी कार्यालयों में कर्मचारियों के लिए घर से काम की व्यवस्था लागू करने पर भी गंभीर विचार-विमर्श हुआ। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा डिजिटल शिक्षा और दूरस्थ कार्य व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिए जाने के बाद प्रदेश सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बैठक में सभी विभागों के बीच समन्वय, तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता और आवश्यक दिशा-निर्देशों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों को संभावित व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक निर्देश दिए जा सकते हैं। यदि फैसला लागू होता है तो उत्तर प्रदेश में लाखों विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

भारत-नेपाल सीमा पर थाई देह व्यापार रैकेट का खुलासा, दो विदेशी महिलाएं गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। तीसरे देशों के नागरिकों की संदिग्ध आवाजाही के संबंध में मिली खुफिया सूचना के आधार पर, एसएसबी की 41वीं बटालियन की टीम ने एक विशेष अभियान चलाया। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत रतखोला इलाके में भारतीय सीमा स्तंभ संख्या 88/08 के पास एक संदिग्ध गाड़ी को रोका गया। तलाशी के दौरान, एक अंतरराष्ट्रीय देह व्यापार रैकेट का खुलासा हुआ। एसएसबी ने दो थाई नागरिकों, एक नेपाली नागरिक और एक भारतीय नागरिक सहित कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई थाई महिलाओं की पहचान 43 वर्षीय नुसरा किंगवान और 33 वर्षीय सावनी चलासाई के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये महिलाएं थाई मसाज की आड़ में देह व्यापार के नेटवर्क से जुड़ी थीं और अनधिकृत जमीनी रास्ते से भारत में प्रवेश करने का प्रयास कर रही थीं। अभियान के दौरान, एसएसबी ने एक शेवरले बीट कार, कई मोबाइल फोन, पासपोर्ट, आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्र जब्त किए। सुरक्षा एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन और मानव तस्करी से जुड़े पहलुओं की गहन जांच कर रही हैं। गिरफ्तार सभी आरोपियों और जब्त सामानों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए नक्सलबाड़ी पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस ने पासपोर्ट अधिनियम और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, जबकि एसएसबी सीमा पर निगरानी बढ़ाए हुए है।

मुंबई में गहराया जल संकट : बीएमसी ने 10 प्रतिशत पानी कटौती की घोषणा की

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में गहराते जल संकट के बीच, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने 15 मई से शहर भर में पानी की आपूर्ति में 10 प्रतिशत कटौती की घोषणा की है। यह निर्णय मुंबई को पानी पिलाने वाली झीलों में जल स्तर में भारी गिरावट और इस साल कमजोर मानसून की मौसम विशेषज्ञों की चेतावनी को देखकर लिया गया है। हालांकि, बीएमसी के अधिकारियों ने नागरिकों से घबराने के बजाय सावधानी बरतने की अपील कर आश्वासन दिया है कि आने वाले समय में बड़े संकट से बचने के लिए पानी का वितरण सावधानीपूर्वक किया जा रहा है। बीएमसी के अनुसार, वर्तमान में मुंबई के जलाशयों में उपलब्ध जल भंडार शहर की वार्षिक आवश्यकता का केवल 23.5 प्रतिशत है। कुल मिलाकर, करीब 340,399 मिलियन लीटर पानी बचा है, जबकि शहर को सालाना 14 लाख मिलियन लीटर से अधिक की आवश्यकता होती है। निगम स्थिति पर प्रतिदिन बारीकी से नजर रख रहा है ताकि भविष्य में शहर को गंभीर जल संकट का सामना न करना पड़े। इस कटौती का एक प्रमुख कारण इस वर्ष कम वर्षा की आशंका है, जो अल नीनो और हिंद महासागर द्विध्रुव जैसी मौसम संबंधी स्थितियों से प्रभावित हो सकती है। बीएमसी ने निवासियों से पानी बर्बाद न करने और स्थिति सुधारने तक उसका सावधानीपूर्वक उपयोग करने का आग्रह किया है। संकट से निपटने के लिए, बीएमसी भाटसा और ऊपरी वैतरणा बांधों से अतिरिक्त जल भंडार छोड़ेगी, जिससे क्रमशः लगभग 147,092 मिलियन लीटर और 90,000 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति की जाएगी। मुंबईकरों की चिंताएं इस निर्णय से बढ़ गई हैं।

देश के 19 राज्यों में बिगड़ेगा मौसम का मिजाज, भूस्खलन का खतरा

आंधी-बारिश और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी

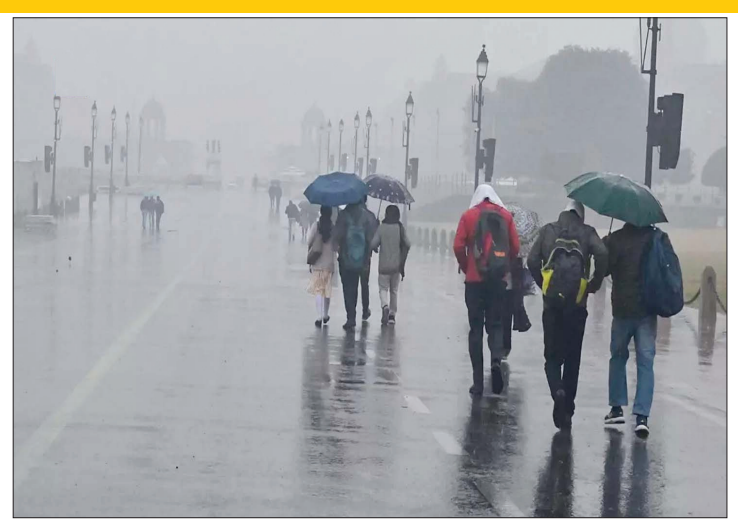

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई के महीने में गर्मी के बीच मौसम एक बार फिर करवट बदलने वाला है। पिछले कुछ दिनों से आसमान साफ रहने के बाद मौसम विभाग ने एक बार फिर देश के कई हिस्सों में तेज आंधी और बारिश की चेतावनी जारी की है। 12 मई को उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और हरियाणा सहित कुल 19 राज्यों में खराब मौसम का अलर्ट है। विभाग ने आगाह किया है कि इस दौरान न केवल बारिश होगी, बल्कि कई स्थानों पर बिजली गिरने (वज्रपात) की भी संभावना है। विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और पर्यटकों को सावधान रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि भारी बारिश के चलते भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में फिलहाल ऊंचाई वाले इलाकों की यात्रा टालना ही बेहतर होगा।

राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में भी मध्यम बारिश के साथ धूलभरी आंधी चलने की आशंका है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण यह बदलाव देखने को मिल रहा है। हालांकि बारिश के आसार हैं, लेकिन दिल्ली का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। वहीं बिहार और झारखंड में मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। बिहार के चंपारण, गोपालगंज, समस्तीपुर और मुजफ्फरपुर जैसे जिलों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है, जो किसानों की फसलों के लिए चिंता का विषय बन सकता है। झारखंड के गिरडीह और बोकारो जैसे जिलों में भी आंधी-बारिश की संभावना जताई गई है। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पौड़ी गढ़वाल में तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में भी मौसम बिगड़ने के आसार हैं। मैदानी इलाकों में पंजाब के अमृतसर, लुधियाना और बठिंडा जैसे शहरों में गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इसके अलावा राजस्थान के बाड़मेर, जोधपुर और अलवर समेत मध्य प्रदेश के इंदौर, छतरपुर और सिंगरौली जिलों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और पेड़ों या जर्जर इमारतों के नीचे शरण लेने से बचें।

पीएम पर अभद्र टिप्पणी मामले में सपा सांसद पर हुई एफआईआर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले से समाजवादी पार्टी के सांसद अजेन्द्र सिंह लोधी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने के मामले में पुलिस ने उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी की तहरीर पर शहर कोतवाली में की गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 132, 189(2), 352 और 196(1) के तहत सांसद और उनके अज्ञात समर्थकों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूरी घटना बीते सोमवार की है, जब सपा सांसद अजेन्द्र सिंह लोधी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता बिजली कटौती, स्मार्ट मीटर और बढ़ती महंगाई जैसे मुद्दों को लेकर जिला कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर रहे थे। राज्यपाल को संबोधित 11 सूत्रीय ज्ञापन सौंपने पहुंचे सांसद ने प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री के खर्चों में कटौती संबंधी अपील को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। इसी दौरान उन्होंने कथित तौर पर प्रधानमंत्री के प्रति अभद्र और असंसदीय भाषा का प्रयोग किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। भाजपा ने इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन बताते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। इस मामले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति एक सांसद द्वारा की गई असंसदीय टिप्पणी न केवल अशोभनीय और अक्षम्य है, बल्कि यह भारतीय लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर भी गंभीर आघात है। मुख्यमंत्री ने सपा सांसद के इस कृत्य को राजनीतिक कुसंस्कार और वैचारिक दिवालियापन का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी 145 करोड़ देशवासियों के जनादेश और विश्वास का अपमान है और देश की जनता ऐसे अमर्यादित आचरण का उत्तर समय आने पर अवश्य देगी।

थलापति को राहत: एआईएडीएमके में टूट से टीवीके को मिला समर्थन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की सियासत में मंगलवार को एक ऐसा मोड़ आया जिसने राज्य के पूरे राजनीतिक समीकरण को बदलकर रख दिया है। अभिनेता से नेता बने थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के लिए यह दिन बड़ी खुशखबरी लेकर आया। विधानसभा में बहुमत के आंकड़े के लिए संघर्ष कर रही टीवीके को अब एआईएडीएमके में हुई बड़ी टूट का सीधा फायदा मिला है। पूर्व मंत्री सीवी शनमुगम के नेतृत्व वाले एआईएडीएमके के एक बड़े गुट ने आधिकारिक तौर पर थलापति विजय को समर्थन देने का ऐलान कर दिया है, जिससे फ्लोर टेस्ट से पहले विजय की सरकार बेहद मजबूत स्थिति में आ गई है।

तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके अब स्पष्ट रूप से दो धड़ों में बंट गई है। आंकड़ों की बात करें तो पूर्व मुख्यमंत्री ई. पलानीस्वामी (ईपीएस) के पास अब केवल 22 विधायकों का समर्थन बचा है, जबकि सीवी शनमुगम के नेतृत्व वाले विद्रोही गुट के पास 24 विधायकों का साथ है। इस विद्रोही गुट ने थलापति विजय के पाले में जाने का फैसला कर राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। सीवी शनमुगम ने मंगलवार सुबह इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि उनकी पार्टी का जन्म ही डीएमके के विरोध में हुआ था और पिछले 53 वर्षों से उनकी राजनीति इसी विचारधारा पर टिकी है। शनमुगम ने खुलासा किया कि पार्टी के भीतर एक प्रस्ताव आया था कि डीएमके के सहयोग से सरकार बनाई जाए, जिसे उनके गुट ने सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि यदि वे डीएमके के साथ गठबंधन करते, तो एआईएडीएमके का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता। अपने स्वाभिमान और विचारधारा को बचाने के लिए उन्होंने थलापति विजय की टीवीके को समर्थन देना बेहतर समझा। इस गुट ने एसपी वेलुमणि को अपना फ्लोर लीडर भी चुन लिया है।थलापति विजय के लिए यह समर्थन किसी संजीवनी से कम नहीं है। चुनाव परिणामों के बाद जहां वे बहुमत के लिए एक-एक विधायक के समर्थन की उम्मीद कर रहे थे, वहीं अब विधायकों का एक पूरा कुनबा उनके साथ खड़ा है। इस घटनाक्रम ने न केवल सत्ताधारी डीएमके को झटका दिया है, बल्कि तमिलनाडु की द्विदलीय राजनीति में एक तीसरे मजबूत विकल्प के उदय पर मुहर लगा दी है। अब सबकी निगाहें विधानसभा में होने वाले फ्लोर टेस्ट पर टिकी हैं, जहां विजय की शक्ति का वास्तविक परीक्षण होगा। यह राजनीतिक घटनाक्रम यह भी दर्शाता है कि तमिलनाडु की जनता और नेता अब पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से इतर नए नेतृत्व की ओर देख रहे हैं।

नीट पेपर लीक पर केजरीवाल का हमला: अगर परीक्षा नहीं करा सकती कैसी सरकार?

नई दिल्ली(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा के कथित पेपर लीक मामले में केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि 3 मई को आयोजित यह परीक्षा, इसके बाद रद्द किया गया, बड़े पैमाने पर मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण का परिणाम है। केजरीवाल ने सवाल उठाया कि अगर सरकार ठीक से परीक्षाएं नहीं करा सकती, तब वह किस काम की है और लाखों छात्रों का भविष्य क्यों दांव पर लगाया जा रहा है।

नई दिल्ली में एक प्रेसवार्ता को संबोधित कर केजरीवाल ने इस बात पर जोर दिया कि यह पहली बार नहीं है जब नीट का पेपर लीक हुआ है। उन्होंने याद दिलाया कि ऐसा 2017, 2021 और 2024 में भी हो चुका है। केजरीवाल ने सवाल उठाया, 2017 और 2021 में परीक्षा का पेपर लीक करने वालों को क्या सजा मिली? 2024 में पेपर लीक करने वाले सभी को जमानत मिली और वे अब बाहर हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसा लगता है जैसे उन्हें अगले पेपर लीक की तैयारी करने को कहा गया था। इस पूरी तरह से मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण का मामला बताकर उन्होंने सरकार की अक्षमता पर सीधा प्रश्नचिह्न लगाया। केजरीवाल ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में छात्रों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और त्याग को भी रेखांकित किया। अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा कर बताया कि कैसे उन्होंने आईआईटी और सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी की थी, और उन कठिनाइयों को समझा जिनके माध्यम से छात्र गुजरते हैं। उन्होंने उन गरीब परिवारों का उल्लेख किया जो अपने बच्चों को कोचिंग दिलाने के लिए अपनी ज़मीनें तक बेच देते हैं। इसतरह पेपर लीक से छात्रों की तपस्या और बलिदान व्यर्थ हो जाता है, जिससे देश के भविष्य पर गहरा असर पड़ता है।

केंद्र सरकार पर सैलजा का निशाना : आर्थिक कुप्रबंधन और पेपर लीक से जनता त्रस्त

चंडीगढ़। कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला कर कहा है कि देश की जनता लगातार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक दबाव से जूझ रही है, लेकिन मोदी सरकार समाधान प्रस्तुत करने के बजाय लोगों से बार-बार त्याग और समझौते की अपील कर रही है। उन्होंने कहा कि कभी पेट्रोल और डीज़ल का कम उपयोग करने की सलाह दी जाती है, तब कभी घरेलू खर्च सीमित रखने की। सैलजा के अनुसार, यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार आर्थिक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में विफल रही है और आने वाले दिनों में जनता पर और आर्थिक बोझ पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का दायित्व जनता को राहत देना, स्थिर आर्थिक वातावरण तैयार करना और रोजगार के अवसर बढ़ाना है, न कि उन्हें और त्याग के लिए कहना। कांग्रेस पार्टी आम जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी।

वहीं नीट पेपर लीक के मुद्दे पर भी कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने एनईईटी पेपर लीक को देश के लाखों युवाओं के भविष्य और उनकी मेहनत पर सीधा हमला बताया। कांग्रेस नेता सैलजा ने कहा कि जब परीक्षाएँ भ्रष्टाचार और पेपर लीक की भेंट चढ़ने लगें, तब सबसे बड़ा नुकसान गरीब और मध्यम वर्ग के उन छात्रों का होता है जो वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। उन्होंने भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने 22 लाख से अधिक छात्रों और उनके परिवारों का भरोसा तोड़ा है। उन्होंने मांग की कि सरकार युवाओं को सुरक्षित, निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था दे। कांग्रेस पार्टी युवाओं के अधिकार और उनके भविष्य की लड़ाई मजबूती से लड़ती रहेगी।

पटना में बजेंगे सायरन होगा ब्लैक आउट, हवाई हमले से बचने होगी मॉकड्रिल

-प्रशासन ने कहा- लोगों को घबराने या पैनिक होने की जरुरत नहीं

पटना (एजेंसी)। पटना में 14 मई शाम 7:15 बजे अचानक सायरन बजें, ब्लैक आउट हो जाए तो घबराना नहीं। ऐसा सिविल डिफेंस ब्लैकआउट यानी मॉकड्रिल के तहत किया जाएगा। दरअसल हवाई हमले से बचाव के लिए नागरिक सुरक्षा अभ्यास किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि यह केवल एक मॉकड्रिल है, इसलिए लोगों को घबराने या पैनिक होने की जरुरत नहीं है।

प्रशासन ने पटना के शहरी क्षेत्रों के लोगों, दुकानदारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे 14 मई को तय 15 मिनट के लिए अपने घरों और दुकानों की लाइटें बंद रखें। इस दौरान हवाई हमले की चेतावनी का सायरन बजाया जाएगा, जो 2 मिनट तक गूंजेगा। सायरन बजते ही पूरे शहर में ब्लैकआउट की स्थिति हो जाएगी। डीएम ने लोगों से अपील है कि वे किसी भी प्रकार के अफवाह पर ध्यान न दें। केवल आधिकारिक सूचना पर ही विश्वास करें।

रिपोर्ट के मुताबिक हवाई हमले की चेतावनी के लिए मॉकड्रिल और ब्लैकआउट निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के मुताबिक की जाएगी। इसमें राहत एवं बचाव कार्यों के लिए तंत्र की क्रियाशीलता की जांच की जाएगी। मॉकड्रिल से लोगों के लिए जरुरी सेवाओं की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। अस्पतालों में काम सुचारू रूप से चलता रहेगा। इसके लिए खिड़कियों पर विशेष प्राइवेसी कर्टेन या काले पर्दों का उपयोग किया जाएगा ताकि बाहर रोशनी न फैले।

डीएम ने कहा कि नागरिक सुरक्षा निदेशालय की ओर से तय मापदंडों के अनुरूप पटना शहरी क्षेत्रों और पटना नगर निगम, नगर परिषदों, दानापुर निजामत, खगौल तथा फुलवारीशरीफ में मॉकड्रिल की जाएगी। मॉकड्रिल पटना में कहां कहां आयोजित की जाए? इसके लिए जगहों का चयन कर लिया गया है। जिला प्रशासन की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक चार जगहों पर मॉकड्रिल की जाएगा। जिनमें पटना समाहरणालय, बिस्कोमान भवन, बांकीपुर बस स्टैण्ड, आईजीआईएमएस। बता दें पटना समेत राज्य के 6 जिलों में हवाई हमला मॉकड्रिल और ब्लैकआउट का आयोजन किया जाना है।

सीमा पर फेसिंग के लिए सुवेंदु ने दिए जमीन सौंपने के आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भाजपा की नई सरकार के गठन के साथ ही सीमा सुरक्षा को लेकर एक कड़ा रुख देखने को मिला है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में हुई पहली कैबिनेट बैठक में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के कार्य में तेजी लाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। सरकार ने आदेश दिया है कि सीमा के जिन हिस्सों में अभी तक बाड़ (फेंसिंग) नहीं लगी है, वहां कांटेदार तार लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को 45 दिनों के भीतर जमीन सौंप दी जाए। इस फैसले ने न केवल राज्य की राजनीति बल्कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में भी हलचल पैदा कर दी है।

सुवेंदु सरकार के इस प्रशासनिक कदम पर बांग्लादेश की ओर से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूँ कबीर ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि बांग्लादेश को कांटेदार तारों से डराया नहीं जा सकता। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चुनावी भाषण देना और वास्तविक शासन चलाना दो अलग बातें हैं। ढाका अब यह देख रहा है कि बंगाल की नई सरकार अपने चुनावी वादों को प्रशासनिक फैसलों में किस हद तक बदलती है। कबीर ने यह भी स्पष्ट किया कि बांग्लादेश का प्राथमिक कूटनीतिक संवाद भारत की केंद्र सरकार के साथ होता है, न कि किसी विशेष राज्य सरकार के साथ।

सीमा पर तनाव की स्थिति को देखते हुए बांग्लादेशी सुरक्षा बल भी अलर्ट मोड पर आ गए हैं। बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने बयान दिया है कि बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश को सीमा पर हाई अलर्ट पर रखा गया है ताकि किसी भी प्रकार की घुसपैठ या पुश-बैक की स्थिति को रोका जा सके। बांग्लादेश ने चेतावनी दी है कि यदि सीमा पर हिंसा या जबरन धकेलने की घटनाएं होती हैं, तो वह चुप नहीं बैठेगा। दरअसल, चुनाव से पहले भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में बंगाल-बांग्लादेश सीमा को पूरी तरह सुरक्षित करने का वादा किया था।

शाह ने कहा था- सीमा पर पुख्ता इंतजाम होंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रचार के दौरान घोषणा की थी कि पहली कैबिनेट बैठक में ही सीमा सुरक्षा पर निर्णायक कदम उठाए जाएंगे। सोमवार का फैसला उसी चुनावी वादे की पूर्ति के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में अवैध घुसपैठ और सीमा सुरक्षा का यह मुद्दा भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों के बीच एक नया मोड़ ला सकता है। जहाँ भाजपा इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य मान रही है, वहीं बांग्लादेश इसे मानवीय और कूटनीतिक दृष्टिकोण से जोड़कर देख रहा है।

विधानसभा चुनाव में लगातार जीत बीजेपी के लिए मरहम, राष्ट्रपति चुनाव में मिलेगा फायदा

-लोकसभा में भले ही बहुमत न मिला हो, दो साल बाद अब मजबूत स्थिति में पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए को मिली कम सीटों के दर्द पर विधानसभा चुनाव में लगातार मिल रही जीत मरहम का काम कर रही है। राज्यसभा में लगातार उसकी संख्या बढ़ रही है। ऐसे में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में बीजेपी को फायदा मिलता नजर आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र, बंगाल और बिहार जैसे बड़े राज्यों की विधानसभाओं पर अपने सहयोगियों के साथ उसका जबरदस्त दबदबा लोकसभा में हुए नुकसान की भरपाई करने में असरदार साबित होगा। यूपी के बाद ये तीनों राज्य राष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में बड़ी जगह रखते हैं। लोकसभा में 2024 में उसकी सीटों की संख्या 303 से घटकर 240 रह गई थी। संसद और विधानसभाओं के सभी चुने हुए सदस्य मिलकर निर्वाचक मंडल बनाते हैं।

संसद और विधानसभाओं का वोटिंग में बराबर हिस्सा होता है, लेकिन जहां हर सांसद के वोट का मूल्य एक जैसा होता है, वहीं एक विधायक के वोट का वजन उस विधानसभा द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली आबादी के आकार के आधार पर अलग-अलग होता है। 2022 में यूपी के एक विधायक के वोट का मूल्य 208 था, जो सिक्किम के एक विधायक के वोट के मूल्य से करीब 30 गुना ज्यादा था। अगले साल भी यह आंकड़ा लगभग वैसा ही रहने की संभावना है, क्योंकि जनगणना के आंकड़े स्थिर रहते हैं और विधानसभा की सदस्य संख्या भी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का अस्तित्व भी एक अहम कारक होगा, हालांकि इसका असर मामूली ही होगा।

बता दें लोकसभा में सीटों की संख्या में गिरावट के कारण निर्वाचक मंडल में बीजेपी के वोटों में 44,100 की कमी आई। 2022 में निर्वाचक मंडल की कुल सदस्य संख्या 10,86,431 थी। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को भले ही बहुमत न मिला हो लेकिन दो साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद वह अब काफी मजबूत स्थिति में है। राष्ट्रपति चुनावों में उत्तर प्रदेश की भूमिका सबसे अहम है, जहां विधायकों के वोटों का कुल भार 83,800 से ज्यादा है। लोकसभा चुनावों के बाद जब बहुमत के लिए 272 का आंकड़ा पार करने के लिए बीजेपी को टीडीपी और जेडीयू पर निर्भर रहना पड़ा तो विपक्ष ने तुरंत इन दोनों क्षेत्रीय पार्टियों को बीजेपी के अस्तित्व के लिए बैसाखी करार दिया।

इसके अलावा, 288 सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में एनडीए की ताकत पिछले राष्ट्रपति चुनावों के समय के 150 से बढ़कर 237 तक पहुंच गई है और 243 सदस्यों वाली बिहार विधानसभा में यह 125 से बढ़कर 202 हो गई है। अब पश्चिम बंगाल में उसके पास 77 के मुकाबले 207 विधायक हैं। अगले साल जुलाई में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों से पहले सबसे ज्यादा अहमियत यूपी की है, क्योंकि निर्वाचक मंडल में उसके वोटों का वजन 83,800 से भी ज्यादा है।

क्या राष्ट्रहित का बोझ सिर्फ स्वर्णकार उठाएँगे ?: कश्मीर सिंह राजपूत

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष कश्मीर सिंह राजपूत ने बताया कि भारत एक ऐसा देश है जहां संकट आने पर सबसे पहले जनता से त्याग की उम्मीद की जाती है। कभी गैस सब्सिडी छोड़ने की अपील होती है, कभी %कम यात्रा करें का संदेश दिया जाता है, तो अब सोने की खरीदारी कम करने की सलाह दी गई है। हर बार राष्ट्रहित का हवाला दिया जाता है। लेकिन अब देश का आम नागरिक, मध्यम वर्ग, छोटे व्यापारी और स्वर्णकार समाज एक बड़ा सवाल पूछ रहा है – क्या राष्ट्रहित का सारा बोझ सिर्फ जनता ही उठाएगी? क्या सत्ता, राजनीति और व्यवस्था चलाने वालों की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती? उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में सोना लग्ज़री नहीं है ज़रूरत के समय काम आता है, 4131 एमएलए, 425 से अधिक एमएलसी, तक़रीबन 788 एमपी, सैकड़ों मन्त्री जिनके पास सैकड़ों लग्ज़री कारे, सैकड़ों गनमैन की फौज, कोठी, यह सभी सेवा के नाम पर चुनाव लड़ते फिर तनख्वाह, पेन्शन, डीऐ टीऐ, देश विदेश की सैर यह सब हमारे देश पर भारी खर्च का बोझ हैं, याद रखे पूरी दुनिया में सोना ही है जिसकी वापसी पर क़ीमत मिलती है, आपकी जानकारी के लिए लग्ज़री वस्तुओं की वापसी पर कुछ नहीं मिलता, जैसे मोबाइल, कार, टी वी, ब्रांड कपड़े जुते ऐनक, होटल इत्यादि टूटने एक्सीडेंट दुर्घटना होने पर सब कुछ खत्म हो जाता हैं, प्रधानमंत्री को इन सब परिस्थितियों पर ध्यान देना चाहिए। यह सवाल इसलिए भी गूंज रहा है क्योंकि देश में आर्थिक चुनौतियों का सामना सबसे पहले वही वर्ग करता है जो पहले से संघर्ष में जी रहा है। वर्ष 2016 में जब सोने पर एक्साइज ड्यूटी लागू की गई थी, तब देशभर में सर्राफा व्यापारियों और स्वर्णकारों ने ऐतिहासिक विरोध किया था। लगभग डेढ़ महीने तक बाजार बंद रहे। हजारों छोटे ज्वेलर्स सड़कों पर उतरे। उनका कहना था कि इस नीति से छोटे दुकानदार और पारंपरिक कारीगर खत्म हो जाएंगे। लेकिन सत्ता के गलियारों में उनकी आवाज उतनी गंभीरता से नहीं सुनी गई जितनी बड़े उद्योगों की सुनी जाती है। उस दौर में हजारों कारीगर बेरोजगार हुए, छोटे कारोबारियों पर कर्ज बढ़ा और कई परिवार आर्थिक संकट में डूब गए। आज फिर वही हालात अलग रूप में सामने हैं। पिछले महीनों में सोने और चांदी की कीमतें लगातार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची हैं। अंतरराष्ट्रीय तनाव, डॉलर की मजबूती, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और आयात आधारित निर्भरता के कारण सोना आम आदमी की पहुंच से दूर होता जा रहा है। ऐसे समय में यदि सरकार या सत्ता प्रतिष्ठान जनता से सोने की खरीद कम करने की अपील करते हैं, तो इसका सीधा असर उस छोटे सर्राफा कारोबारी पर पड़ता है जिसकी दुकान से उसका परिवार चलता है। भारत में सोना केवल धातु नहीं है। यह भारतीय संस्कृति, परंपरा, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक विश्वास का हिस्सा है। गांवों में महिलाएं वर्षों की छोटी बचत से गहने बनवाती हैं। गरीब परिवार बेटी की शादी के लिए थोड़ा-थोड़ा सोना जोड़ते हैं। यह केवल निवेश नहीं बल्कि भविष्य की सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में जब सोने की खरीद को हतोत्साहित किया जाता है, तो यह केवल व्यापार पर नहीं बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान पर भी असर डालता है। आखिल भारतीय स्वर्णकार संघ महा सचिव बिभष चन्द्र मैहती ने कहा कि देश का ज्वेलरी उद्योग करोड़ों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार देता है। छोटे शहरों और कस्बों में हजारों परिवार पीढ़ियों से इसी काम पर निर्भर हैं। बड़े कॉरपोरेट ब्रांड्स के पास पूंजी और संसाधन हैं, लेकिन छोटे सुनार और कारीगरों के पास केवल मेहनत और हुनर है। यदि बाजार कमजोर होगा तो सबसे पहले यही वर्ग टूटेगा। हाल ही में केंद्र सरकार ने सांसदों के वेतन और भत्तों में 24 प्रतिशत वृद्धि की अधिसूचना जारी की। अब सांसदों का मूल वेतन लगभग 1.24 लाख रुपये प्रतिमाह हो गया है। दैनिक भत्ता 2500 रुपये तक बढ़ाया गया और पूर्व सांसदों की पेंशन भी बढ़ाई गई। सवाल यह नहीं है कि सांसदों को वेतन क्यों मिले। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों को सम्मानजनक वेतन मिलना चाहिए। असली सवाल यह है कि जब देश आर्थिक अनुशासन की बात कर रहा हो. तब क्या जनता और नेताओं के लिए अलग-अलग मानदंड होने चाहिए? क्या त्याग केवल गरीब किसान व्यापारी और मध्यम वर्ग के हिस्से में ही आएगा? क्या नेताओं के काफिलों पर सीमा तय नहीं हो सकती? क्या सरकारी आयोजनों में अनावश्यक खर्च कम नहीं हो सकता? क्या विदेश यात्राओं, प्रचार अभियानों रोड शो और सरकारी विज्ञापनों पर खर्च नियंत्रित नहीं किया जा सकता? क्या सांसदों और विधायकों की पेंशन व्यवस्था की समीक्षा नहीं होनी चाहिए-? स्वर्णकार समाज की नाराजगी केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। यह समाज लंबे समय से राजनीतिक प्रतिनिधित्व की कमी का मुद्दा भी उठाता रहा है। कई राज्यों में अच्छी आबादी और प्रभाव होने के बावजूद उन्हें राजनीतिक निर्णयों में पर्याप्त भागीदारी नहीं मिलती। चुनाव के समय समर्थन मांगा जाता है, लेकिन नीतियां बनाते समय छोटे व्यापारियों और कारीगरों का आवाज कमजोर पड़ जाती है। जब जनता देखेगी कि नेता खुद अपने खर्च कम कर रहे हैं, तब वह भी राष्ट्रहित में सहयोग करेगी। लेकिन यदि जनता से त्याग मांगा जाए और सत्ता खुद विलासिता में डूबी दिखे, तो असंतोष स्वाभाविक है। यह भी सच है कि भारत को आर्थिक आत्मनिर्भरता की आवश्यकता है, आयात कम करना, विदेशी मुद्रा बचाना और घरेलू उद्योगों को मजबूत करना जरूरी है, लेकिन इसके लिए संतुलित और न्यायपूर्ण नीति चाहिए, केवल भावनात्मक अपीलों से अर्थव्यवस्था नहीं चलती। अर्थव्यवस्था विश्वास, संवाद और समान जिम्मेदारी से मजबूत होती है। सरकार यदि वास्तव में आर्थिक अनुशासन चाहती है, तो उसे कुछ साहसिक कदम उठाने होंगे – नेताओं के खर्चों में पारदर्शिता गैरजरूरी सरकारी विलासिता पर रोक, जनप्रतिनिधियों की सुविधाओं की समीक्षा होनी चाहिए। सरकार को चाहिए कि वह स्वर्णकार संघ, छोटे व्यापारियों और आम नागरिकों के साथ बैठकर समाधान निकाले। क्योंकि जब तक नीतियों में संतुलन और जिम्मेदारी की समान भावना नहीं आएगी, तब तक यह सवाल लगातार गूंजता रहेगा।

पंजाब के सरकारी स्कूलों में शिक्षा क्राति का असर दिखने लगा है, 1688 सरकारी स्कूलों में रिजल्ट 100 फीसद रहा: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

पहले केरल शीर्ष स्थान पर था, लेकिन आज पंजाब ने बड़े अंतर से पहला स्थान हासिल कर लिया है। इस दौरान तीनों विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। विद्यार्थियों ने कहा कि सरकार द्वारा आईआईटी और जेईई कोचिंग तक मुफ्त पहुंच प्रदान करना उत्साहजनक है, जो आम परिवारों के विद्यार्थियों के लिए नए अवसर खोल रहा है। इस मौके पर शिक्षा सचिव सोनाली गिरी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। बच्चों से मुलाकात के कुछ अंश साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा कल घोषित 10वीं कक्षा के नतीजों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि पंजाब के बच्चों में प्रतिभा या योग्यता की कोई कमी नहीं है। उन्होंने आगे कहा, मैं हरलीन शर्मा को 99.38 प्रतिशत अंकों के साथ पहला स्थान प्राप्त करने और मनीमहेश शर्मा तथा रिया रानी को क्रमश: दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त करने के लिए बधाई देता हूं। इन होनहार विद्यार्थियों की अथक मेहनत, उनके माता-पिता की प्रार्थनाओं और शिक्षकों की सही मार्गदर्शन ने आज पूरे पंजाब को गौरवान्वित किया है। पोस्ट के अंत में कहा गया कि हमारी सरकार शिक्षा के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासशील है ताकि हर बच्चे को, चाहे वह गांव का हो या शहर का, बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए बराबर अवसर मिलें। मैं सभी सफल विद्यार्थियों को सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वे इसी भावना से आगे बढ़ते रहें, देश और दुनिया भर में पंजाब का नाम रोशन करते रहें। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के मार्च 2026 के 10वीं कक्षा के नतीजों ने एक बार फिर भगवंत मान सरकार की 'शिक्षा क्रांति' के परिवर्तनकारी प्रभाव को उजागर किया है, जिससे पंजाब 'आप' सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए व्यापक सुधारों के माध्यम से स्कूली शिक्षा में देश भर के अग्रणी राज्यों में से एक के रूप में उभरा है। नतीजों के अनुसार कुल 2,69,505 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 2,54,744 विद्यार्थी पास हुए, जिससे कुल पास प्रतिशत 94.52 रहा। लड़कियों ने 95.96प्रतिशत पास प्रतिशत के साथ लड़कों को पीछे छोड़ा, जबकि लड़कों का पास प्रतिशत 93.23 रहा।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती सावित्री पत्नी श्री गजेन्द्र शर्मा पुत्री श्री दीप चन्द, निवासी 194, तहसील धौलाना, जिला हापुड़, डूहरी, गाजियाबाद, दुहरी, उत्तर प्रदेश 245304, वर्तमान जिला हापुड़, एक आवासीय खाली प्लॉट संख्या 10, जिसका क्षेत्रफल क्षेत्रफ़ल 105 वर्ग गज, खसरा संख्या 368, स्थित ग्राम डूहरी/दुहरी, परगना डासना, तहसील धौलाना, जिला हापुड़, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज बिक्री विलेख दिनांक 15.02.2018, क्रमांक 1424, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 2457, पेज 181-206, सब रजिस्ट्रार-धौलाना, द्वारा है। उक्त कथित संपत्ति का पीछे का ओरिजिनल बिक्री विलेख दिनांक 03.09.2014, क्रमांक 8504, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 886, पेज संख्या 355-366, सब रजिस्ट्रार धौलाना, कही खो गया, जिसके बावत खोने की ऑनलाइन रिपोर्ट दिनांक 12.05.2026, एल आर नं0 297345/2026 को थाना शाहदरा/इ-पुलिस स्टेशन, जिला शाहदरा/क्राइम ब्रांच, दिल्ली, में दर्ज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। उपरोक्त कथित मुविकल उक्त संपत्ति को श्रीमती मधु पंवार पत्नी श्री प्रदीप सिंह को बेच रहे हैं, जो इंडिया शेल्टर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि0, शाखा दादरी-2, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त दस्तावेज मिले या कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या इंडिया शेल्टर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Amit Goyal & Mr. Manish Goyal is the owner and in possession of a Freehold Residential Property i.d. no. 1B1EP3P1 on Plot no. 127/128 area measuring 425 sq. yds. Out of Khasra no. 32, Killa no. 22/4(0-2), Mu no. 34 Killa no. 1(0-5), 2/4(2-18), 9/1(4-14) & 9/2(0-13), 12/1(3-4), Khewat/Khata no. 205/306, Situated at waka mauja Fatehpur Chandila Distt. Faridabad Haryana. In the chain of documents, the (1) SMC of Late Mrs. Suman Lata died on 10.04.2004, (2) Virasat intkal in favour of legal heirs of late Mrs. Suman Lata are not available; Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold too be Mr. Shubham & Mrs. Preeti and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Pitampura New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Mamta Yadav W/o Mr. Krishna Kumar is the owner and in possession of a Freehold Residential Property ID No.3JNY4LR1, area measuring 144 Sq. Yds., Situated at Waka Moza under Hadud Nagar Parishad Yadav Colony Jhajjar Tehsil and District Jhajjar Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Sale deed dated 16.05.2024, Vide doc No. 1050, Vol No. 903/7504, Book No.1, Pages No. 90.5/43-44 on dated 16.05.2024 in SRO-Jhajjar. In the chain of documents, the Original Transfer Deed (Blood Relation) dated 02.11.2017 executed by Mrs. Asha Devi W/o Mr. Prem Singh in favour of Mr. Prem Singh S/o Mr. Ramphal Vide Doc no. 4046, Book no. 01, Vol no. 566/6222 Page no. 32-33 SR- Jhajjar, is not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Bahadurgarh, Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT ORIGINAL BACK CHAIN OF "ENTIRE FIRST FLOOR AND ENTIRE SECOND FLOOR WITH ITS ROOF RIGHTS HAVING ITS AREA MEASURING 53 SQ. YARDS PART OF PROPERTY BEARING NO. 1/5786 OUT OF KHASRA NO. 2107/249, SITUATED AT VILLAGE SIKDARPUR IN THE ABADI OF BALBIR NAGAR, ILLAQA SHAHDARA, DELHI-110032" I.E. ORIGINAL SALE DEED DT. 20.11.2008 EXECUTED BY MR. ASHWANI KUMAR SHARMA IN FAVOUR OF MR. SURAJ PRAKASH SHARMA AND MRS. SEEMA SHARMA, (DOC. NO. 3504) HAS BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MRS. REENA DEVI W/O MR. MAHENDER SINGH, R/O, 94/4-B, GALI NO. 08, NEAR ROMI BAKERY, EAST AZAD NAGAR, KRISHNA NAGAR, DELHI. AND IN THIS REGARD MRS. REENA DEVI HAD LODGED LOST REPORT VIDE LR NO. 288584/2026 AND SAID OWNER MRS. REENA DEVI PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DT. 15.07.2011. NOW MR. SURAJ PRAKASH SHARMA S/O MR. AMAR NATH SHARMA IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MRS. REENA DEVI, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEED IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री सुरेश गुप्ता, पुत्र स्वर्गीय श्री जगदीश प्रसाद, संपत्ति संख्या 1031 और 1032-A. गली नंबर 9, खसरा संख्या 93 में से 45 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली संपत्ति के तीसरे तल (Third Floor) के बाईं ओर (Left side) के मालिक थे (बिना छत के अधिकारों के), जो गोविंदपुरी, कालकाजी, नई दिल्ली 110019 में स्थित है। यह स्वामित्व 03.02.2026 की विक्रय बिलेख (Sale Deed) के माध्यम से प्राप्त हुआ था, जिसका दस्तावेज़ संख्या (Doc No.) 2026/10/1/1006 है। यह विक्रय विलेख श्री अशोक कुमार शर्मा (पुत्र स्वर्गीय श्री महाबीर प्रसाद शर्मा) और श्रीमती राज बाला (उर्फ राजबाला शर्मा) द्वारा निष्पादित किया गया था। संपत्ति की श्रृंखला (Property Chain) में, 03.02.2026 की विक्रय विलेख का अंतिम पृष्ठ (Page No. 13) खो गया है। यह विक्रय विलेख श्री अशोक कुमार शर्मा और श्रीमती राज बाला (उर्फ राजबाला शर्मा) द्वारा श्री सुरेश गुप्ता (पुत्र स्वर्गीय श्री जगदीश प्रसाद) के पक्ष में निष्पादित किया गया था, जिसका दस्तावेज संख्या 2026/10/1/1006 है। इस संबंध में दिनांक 08.05.2026 को रूक्क संख्या 288606/2026 के तहत एक ऑनलाइन FIR पहले ही दर्ज की जा चुकी है। उक्त संपत्ति अब श्री अभिजीत मंडल और श्रीमती सुनीता मंडल को बेची जा रही है. और इस सीदे के लिए वित्तपोषण (Finance) शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपति में कोई प्रभार (Charge), हित (Interest), स्वामित्व (Title) या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया इस सूचना के जारी होने के 07 दिनों के भीतर, नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी (Undersigned) को सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

I, SURAYYA ARSHAD W/o ARSHAD PARVEZ R/o D-1102, Espire Towers, Tilpat, Palla Road, Sarai, Sector-37, Faridabad, Haryana-121003 have changed my name to SURAYYA BEGAM.

NAME CHANGE

I,Rojaddin Ahmed s/o Shekh Sattar Miya R/o B5 and 6, J J Bandhu Camp, Vasant Kunj, South West Delhi-110070 have changed my name to Rojaddin Ahmad for all future purposes.

NAME CHANGE

I, AKSHAT TRIPATHI son of JC-333129M, Rank-SUB, Name-ARUN KUMAR TRIPATHI Residing at VILL-AURAIN, PO-MUZAHI BAZAR, TEH-PATTI, DIST-PRATAPGARH, UTTAR PRADESH-230135 have changed my name ACHHAT to AKSHAT TRIPATHI for all future purposes vide Affidavit Dated 08/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, AAYSUH TRIPATHI son of JC-333129M, Rank-SUB, Name-ARUN KUMAR TRIPATHI Residing at VILL-AURAIN, PO-MUZAHI BAZAR, TEH-PATTI, DIST-PRATAPGARH, UTTAR PRADESH-230135 have changed my name AYUSH to AAYSUH TRIPATHI for all future purposes vide Affidavit Dated 08/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, HARENDAR MAHTO father of NO- 17025224K Rank- CFN Name-AVINASH KUMAR, residing at VPO-GORIGAMA, TEHSIL & DIST-MUZAFFARPUR, BIHAR-843117 have changed my name HARENDAR MAHTO to HARENDRA MAHATO for all future purposes vide Affidavit Dated 12/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-18017823L, Rank-NK, Name-UPENDRA SINGH Residing at VILL-GOPALPUR, PO-AURIHAR, TEHSIL-SAIDPUR, DIST-GHAZIPUR, UTTAR PRADESH-233221 have changed my mother's name from SUNAINA DEVI to SUNAINA SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 12/05/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री सौरभ शर्मा एवं श्रीमती मीनू शर्मा, संपत्ति संख्या 628, क्षेत्रफल 60 वर्ग मीटर, स्थित ब्लॉक-एफ, सेक्टर-डेल्टा, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, को (1) प्रिया शर्मा, (2) मानव वशिष्ठ एवं (3) अर्नब वशिष्ठ से क्रय करना चाहते हैं। उक्त संपत्ति के प्रारम्भिक मूल आवंटी स्वर्गीय श्री राम कृष्ण शर्मा थे, जिन्होंने उक्त संपत्ति को GNIDA द्वारा जारी आवंटन सूचना पत्र (Allotment Intimation Letter), आवंटन पत्र (Allocation Letter), कब्जा प्रमाण पत्र (Possession Certificate) एवं दिनांक 11.12.2001 की लीज डीड के माध्यम से प्राप्त किया था। दुर्भाग्यवश, श्री राम कृष्ण शर्मा का निधन दिनांक 27.09.2016 को हो गया, जिसके उपरांत उनके निम्नलिखित विधिक उत्तराधिकारी रह गए- (1) प्रिया शर्मा, (2) मानव वशिष्ठ एवं (3) अर्नब वशिष्ठ। उक्त सभी के नाम GNIDA के अभिलेखों में दिनांक 21.07.2025 के म्यूटेशन पत्र (Mutation Letter) के माध्यम से दर्ज कर दिए गए तथा वे उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी बन गए। इसके अतिरिक्त, GNIDA द्वारा दिनांक 24.04.2026 को श्री सौरभ शर्मा एवं श्रीमती मीनू शर्मा के पक्ष में ट्रांसफर मेमोरेंडम भी जारी कर दिया गया है। फलस्वरूप, श्री सौरभ शर्मा एवं श्रीमती मीनू शर्मा उक्त संपत्ति के स्वामी होंगे। उ उक्त संपत्ति सभी प्रकार के वाद-विवाद, भार, बंधक, ग्रहणाधिकार, चार्ज अथवा अन्य किसी दावे से मुक्त बताई गई है। चेन दस्तावेजों में श्री राम कृष्ण शर्मा के नाम का सर्वाइविंग सर्टिफिकेट उपलब्ध नहीं है। कृपया यह भी संज्ञान में लें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण Bajaj Housing Finance Ltd., एनएसपी पीतमपुरा शाखा, नई दिल्ली के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Poonam W/o Mr. Ashok is the owner and in possession of a Freehold Land area measuring 423 Sq. Yards, out of Khasra Mustatil No. 36, Killa No. 3/2, 6/2/1/1, 5/1, 5/2, 6/1/2/1, 7/2, 8/1, 13/1/2, 29//25/2, 36//6/1/1, 29//10/2/2/1, 35//10/2/1, 29//16/2, 25/1, 36//6/2/2, 7/1, 14/2, Mustatil No. 36//4/1, 4/2, Khasra Mustatil no. 23//25, 17, 24, 22// 20/1min, 23//16minjanbu 22//20/1min shumal, 23//16min shumal 22/20/1min janub, 23//4/1, 14/2, 15, 3/2/2, 22, //20/2, 23//3/2/1, 7, 14/1, 29//7minjanub, 7 minshulam, 13/3/1, 18/2/2, 18/2/1/2, 14/2, 17/1, 36//3/1, 23//27, 29//14/1, 17/2, 23/2, 24/2, 24/1, 29//18/2/1/1, 18/1, 29//23/1, Khasra Mustatil no. 106, Mustatil no. 29, Killa no. 13/3/2, situated at Mauja Bhainsrawali, Tehsil Ballabgarh, Distt. Faridabad Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 27.07.2016, Vide Doc. No. 5231, Book no. 1, Vol. No. 0/6, Page No. 49/4-6, SR Ballabgarh. In the chain of documents, the Original Transfer Deed (within Blood Relation) dated 11.07.2016 executed by Mr. Shiv Raj S/o Mr. Pema alias Prem Singh in favour of Mr. Ajay Kumar S/o Mr. Shiv Raj as Doc. No. 4438, Book No. 1, on dated 11.07.2016 in SR-Ballabgarh, is not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Faridabad Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, Meetali alias Meetali Gupta D/O Arun Kumar Gupta W/O Pawan Kumar Manocha R/O Plot No-1093, Second floor, Shakti Khand 4, Indirapuram, PO: Shipra Sun C, Dist: Ghaziabad Uttar Pradesh -201014, have changed my name and shall hereafter be known as Meetali.

PUBLIC NOTICE

To be Known to all that I (Name of the Purchaser) Seema, Sonia Chabra, Renu Juneja, D/o Ramesh Chand R/o A-1/177, DDA, Lawrence Road, Keshav Puram, Delhi-35 has applied for conversion of the aforesaid Flat No. A-1/177, situated in Lawrence Road, Keshav Puram, Delhi-35 from lease hold to free hold in DDA. The original documents i.e Possession Letter & Site Possession Slip in issued by DDA having File No. F-26(1450)73 H.B of the above flat have been lost. An FIR to this effect has been lodged in Police Station Crime Branch Delhi.

Any person (S) Claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents may write contact with above named person at above address within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to Dy. Director (LAB) H or Director (H)-1, D-Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

NAME CHANGE

I ROHIT S/O RAMESH GUPTA R/O C-70 ANOOP NAGAR UTTAM NAGAR,DWARKA DELHI 110059 HAVE CHANGED MY NAME TO ROHIT GUPTA

NAME CHANGE

I, DINESH KUMAR S/O DEVENDER KUMAR residing at HOUSE NO-2137, GALI NO-60, B-BLOCK, -II, MOLARBAND EXTN, DELHI-110044 declare that my name as DINESH CHAUDHARY mentioned in my SON RAHUL CHAUDHARY 10th Certificate and DINESH KUMAR mentioned in my others self-documents that both name are the same person.

NAME CHANGE

I ADITI W/O KSHITIJ SHARMA R/O H.N0-237, SECTOR-29, FARIDABAD -121008 HAVE CHANGE MY NAME TO ADITI NANDRA FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I ANIL KARN S/O GANPATI LAL KARN R/O C-7, KHASRA NO-63,64, AGAR NAGAR, BRIJ VIHAR, PREM NAGAR-3, KIRARI SULEMAN NAGAR, NORTH WEST DELHI-110086 HAVE CHANGED MY NAME TO ANIL KUMAR KARN

NAME CHANGE

It is for general information that I, PRATEEK GOLA S/O AMAR NATH R/O ADD. W A-106, Gali No-16, Shakarpur, East Delhi, Delhi-110092 declare that name of my minor son has been wrongly written as PRATYUSH in my minor son PRATYUSH GOLA aged 16 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of my minor son is PRATYUSH GOLA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I,Deepak S/o Sukhbir Singh R/o Rz-63, Ms Block Roshan Garden Najafgarh New Delhi 110043 Have changed my name to Deepak Chaudhary for all future purposes

NAME CHANGE

I, Chanchala Kumari W/o Kanhai Kumar R/o Bharathpur, Singhara, Vaishali, Bihar-844126 have changed my name to Chanchala Jaiswal.

NAME CHANGE

I, AYAN KHURSHEED S/o KHURSHID KHAN R/o. H NO-K-166/65, GALI NO-8, K-BLOCK, GAUTAM VIHAR, SEELAMPUR, NEW DELHI-110053. have changed my name to AYAN KHURSHID.

NAME CHANGE

I, KAUSHLYA W/o RAJENDER KUMAR R/o. H NO-1013/13, BANK COLONY ISHER HERI RASTA WARD NO-13, CHANDAR VATIKA WALI GALI, BAHADURGARH, HARYANA-124507. have changed my name to KAUSHALYA RANI.

NAME CHANGE

I, POONAM SHRIVASTAVA W/O SUDHANSHU SRIVASTAVA R/O F2-301, GOLF CITY, SEC-75, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201301. HAVE CHANGED THE NAME OF MY MINOR SON FROM REEYANSH SRIVASTAVA TO REYANSH SRIVASTAVA.

NAME CHANGE

I, YOGESH ARORA S/O SURAJ PARKASH R/O 694, SECTOR-7, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO YOGESH KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, BRIJESH KUMAR, S/o BHOLA PRASAD, R/o 34 A, SF 2, Vidhayak Colony Nyay Khand-1, Indirapuram,PO: Shipra Sun City, District: Ghaziabad, State: Uttar Pradesh-201014, have changed the name of my minor daughter ANAYA GUPTA aged 3 years and She shall hereafter be known as VARANYA GUPTA.

NAME CHANGE

I hitherto known as Vibhuti Sharma C/o Karuna Agarwal R/o UGF 102 , Piyush Residency, Shivalik Hospital, Flora Enclave, Gangapuram, Govindpuram PO: Govindpuram , DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201013 have changed my name and shall hereafter be known as Pankti.

NAME CHANGE

I hitherto known as Usha Varma W/o Pankaj Kumar Verma R/o C-127, Near Aichher Village, Sec-36,Greater noida, Kasana, Kasna, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201310, have changed my name and shall hereafter be known as Usha Verma.

NAME CHANGE

I ANIL KARN S/O GANPATI LAL KARN R/O C-7, KHASRA NO-63,64, AGAR NAGAR, BRIJ VIHAR, PREM NAGAR-3, KIRARI SULEMAN NAGAR, NORTH WEST DELHI-110086 HAVE CHANGED MY NAME TO ANIL KUMAR KARN

NAME CHANGE

I MOHAMMAD RASHID & RASHID ANSARI & MD RASHID S/O JAHUR AHMAD R/O 16 -A NEAR AMBEDKAR DHARAMSHALA KHUREJI KHAS KRISHNA NAGAR DELHI-110051 have changed my name to MOHD RASHID Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MOHD SIRAJUDDIN S/O AMJAD ALI R/O H.NO 28 KH NO 38/5, 4th FLOOR STREET NO-5 SANGAM VIHAR WAZIRABAD DELHI-110084,I have changed my name to SIRAJUDDIN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, Shivani W/O Amit Sharma, R/O Nagli Sadharan, Meerut, Sakoti Tanda, Uttar Pradesh, 250223, have changed the name of my minor son Rudra Sharma aged 7 years and he shall hereafter be known as RUDRANSH SHARMA.

NAME CHANGE

I MOHD SIRAJUDDIN S/O AMJAD ALI R/O H.NO 28 KH NO 38/5, 4th FLOOR STREET NO-5 SANGAM VIHAR WAZIRABAD DELHI-110084,I have changed my name to SIRAJUDDIN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, SAURABH NEHRU S/O NEHRU JEE R/O FLORENCE VILLA NO-79,BLOCK-B1,SUSHANT LOK-3, SECTOR-57, GURGAON, HARYANA-122011, HAVE CHANGED MY NAME TO SAURABH N SINGH S/O NEHRU JEE SINGH FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE

I, MOHMAD SOYAB S/O MOHMAD ILYAS residing at H NO-C-11/497, THIRD FLOOR, GALI NO-11, C-BLOCK, BRIJPURI, KARAWAL NAGAR, DELHI-110094 Have changed my name to MOHD SHOAIB KHAN, for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Rachita W/o Pankaj Arora R/o H. No.26, Block No.10, 2nd Floor, Spring Field Colony, Sec-31, Faridabad-121003, Haryana have changed my name to Rachita Vinayak for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD RASHID QURESHI S/O MOHD SHAMIM R/o 7134 GALI TELIYAN AHATA KIDARA SADAR BAZAR DELHI 110006, have changed my name to MOHD RASHID S/O MOHD SHAMIM for all future Purposes.

PUBLIC NOTICE

My Client Madan Mohan S/O Rambabu R/O Seeh, PO Palson, distt. Mathura, U.P.-281502, has severed all relations and disowned his son namely Pawan Kumar from his all movable-immovable properties due to his misconduct. My client shall not be responsible for his acts/deeds in the future.

HIMANSHU Advocate
Ch.No.153,Lawyers Block
Saket Court, New Delhi

NAME CHANGE

I aysha begam alias chhavi sharma d/0 ravi kumar Sharma w/0 rais Ahmed residing at 189, mariam nagar, nandgram road, ghaziabad uttar Pradesh -201001 do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced hinduism and renounced islam with effect from 07-05-2026. Also I have changed my name from aysha begam to chhavi sharma.

NAME CHANGE

I, hitherto Known as BHUMIKA KUMARI D/O ANUJ PRASAD R/O Subhash Park Khoda Colony, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar pradesh-201001 have changed my name and shall hereafter be known as BHUMI KUMARI.

NAME CHANGE

It is for general information that I IMTEYAZ MANSURI S/o MOHD MANNAN, R/o 14/20 A 2 Block , West Sant Nagar Burari , North Delhi , Delhi , 110084 declare that name of mine and my wife have been wrongly written as IMTEEYAZ and SABANA in my minor daughter ALINA NAAZ, aged 14 years in her School Records. The actual name of mine and my wife are IMTEYAZ MANSURI and SHABANA KHATUN respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I,VIPIN PANDAY S/O UDAYVIR PANDAY R/O 1/5674-C, GALI NO 19 KUM MODAL SCHOOL BALBIR NAGAR SHAHDARA DELHI 110032, CHANGED MY NAME TO VIPIN PANDEY.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD SULEMAN S/O MOHD AHSANresiding at 4561 SHEESH MEHALGALI SHAHTARA AJMERI GATE DELHI -110006 Have changed my name to MOHD SULEMAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Mohd Saddiq S/o Hafij Muhar Khan R/o Shedu Patti, Near Bazar Wali Masjid, Ghasera(161), Mewat, Haryana-122103 have changed my name to Mohammad Saddik.

NAME CHANGE

I SAALIM HUSSAIN S/O NAZAKAT HUSSAIN R/O A- 23 G/F KH NO - 334 GALI NO 21 PART -4 SONIA VIHAR DELHI- 110094 have changed my name to SALIM HUSSAIN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SANAULLAH S/O MD JUNED ANSARI R/O WZ -3104 MAHINDRA PARK RANI BAGH DELHI-110034 have changed my name to MD SANAULLAH ANSARI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, Mohammad ARMAN S/o Mohd Nasir R/o 1643 GALI SAYADDAN PAHARI BHOJLA JAMA MASJID Delhi-110006 have changed my name to ARMAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Shivani W/O Amit Sharma, R/O Nagli Sadharan, Meerut, Sakoti Tanda, Uttar Pradesh, 250223, have changed the name of my minor son Rudra Sharma aged 7 years and he shall hereafter be known as RUDRANSH SHARMA.

Public Notice

It is for general information that I Mohammad Naushad S/O: Ishak R/O house no 293, south khalapar, Muzaffarnagar, Muzaffar Nagar City, Uttar Pradesh, 251002, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Noisad and Istak in my Aadhar card no 2177 1649 1299.The actual name of mine and my father are MOHAMMAD NAUSHAD,respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा मुवक्किल श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री कनक राम पता मकान नं0 ए-85, भरत विहार, ककरौला, एन एस आई टी द्वारिका पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली-110078, ने अपनी पुत्रवधु श्रीमती पूनम पत्नी स्व0 श्री घनश्याम आयु करीब 32 वर्ष के अवज्ञाकारी व नियन्त्रण में न होने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और अपने सारे संबध विच्छेद कर लिये है। यदि कोई व्यक्ति मेरे मुवक्किल की पुत्रवधु से किसी भी तरह का लेन देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा इसमें मेरे मुविक्कल व मेरे मुविक्कल के परिवार की कोई जिम्मेदारी नही होगी।

एन. के. तिवारी अधिवक्ता
चैम्बर न0 832 जिला न्यायालय,
द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली 110075

NAME CHANGE

I, APOORV JAIN S/O ANURAG JAIN resident of C-86, C-BLOCK, SURAJMAL VIHAR, DELHI-110092 have changed my minor son name from SAMRAT RAJ JAIN to SAMRAT RAJ for all future purpose.

NAME CHANGE

I, APARNA SAPRA W/O APOORV JAIN resident of C-86, C-BLOCK, SURAJMAL VIHAR, DELHI-110092 have changed my name to APARNA SAPRA JAIN for all future purpose.

NAME CHANGE

I hitherto known as MANIK GOEL S/O PANKAJ GOEL R/O B - 22, Greater Kailash - 1, Greater Kailash, South Delhi , Delhi – 110048 have changed my name and shall hereafter be known as MAANIKH GOEL.

NAME CHANGE

I, GITA MANIK mother of No-14832037M, Rank-HAV/DVR-SPLVEH, Name-SUSANTA MANIK Presently residing at VPO-TURIA, TEHSIL-KHARGPUR, DIST-PASCHIM MEDINIPUR, WEST BENGAL-721160, have changed my name from GITA MANIK to GITARANI MANIK for all future purposes vide Affidavit dated 12/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NITAI CHAND MANIK father No-15516573H, Rank-NK, Name-DESHRAJ residing at VILL-PACHARWALI, PO-BHANGWA, TEHSIL-BHADRA, DIST-HANUMANGARH, RAJASTHAN-335501, have changed my name NITAI CHAND MANIK to NITAI PADA MANIK for all future purposes vide Affidavit Dated 12/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SRAWAN KUMAR SINGH father of No-14839646Y, Rank-HAV/DVR-SPLVEH, Name-ASHUTOSH KUMAR SINGH Presently residing at VILL-SEMARYA, PO-BARAHARA, TEHSIL-ARA, DIST-BHOJPUR, BIHAR-802311, have changed my name SRAWAN KUMAR SINGH to SHRAVAN KUMAR SINGH for all future purposes vide Affidavit Dated 12/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-6945459A, Rank-NK, Name-RAHUL KUMAR residing at VILL-KHORI PAKAR KHARG, PO & TEHSIL-AMNOUR, DIST-SARAN, BIHAR-841401, have changed my father's name from PANCHDEO SINGH to PANCHDEV SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 12/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, SARABJEET KAUR wife of NO-15490301H Rank-DFR Name-RAGVINDER SINGH R/O VILL-MANGHAL, PO-CHAK CHAMMAN, TEH-BISHNAH, DISTT-JAMMU, J&K-181141 have changed my name from SARABJEET KAUR to SARABJEET KOUR for all future purposes vide Affidavit Dated 12/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-14705107F Rank-L/NK Name-PAWAN KUMAR SAROJ Residing at VILL-BOJHWA, PO-DHARAULI, TEHSIL-SADAR, DIST-PRATAPGARH, UTTAR PARDESH-230503, in my service records, my mother's (SAVITRI) date of birth is wrongly written as 15/05/1974, instead of her correct date of birth as 05/12/1953, vide Affidavit dated 12/05/2026 before Notary Public, Delhi.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **पप्पू सिंह पुत्रः** जगमाल सिंह, **पताः** ग्राम अग्रोला, डाकघर लोनी, जिला गाजियाबाद यूपी, ने **FIR No. 157/2016 U/s 279/304 A IPC थानाः मंडावली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **पप्पू सिंह** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **पप्पू सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 157/2016 U/s 279/304 A IPC थानाः मंडावली, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **पप्पू सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन
जेएमएफसी-03, पूर्वी जिला, कमरा नंबर-16
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/6213/ED/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह को चंडीगढ़ की अदालत से राहत

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह को चंडीगढ़ की जिला अदालत से राहत मिली है। सिंह के खिलाफ चल रहे यौन उत्पीड़न मामले में आईपीसी की धारा 376 और 511 जोड़ने संबंधित पुलिस की अर्जी को अदालत ने खारिज कर दिया है।चंडीगढ़ पुलिस ने अदालत में अर्जी दाखिल कर कहा था कि पीड़िता की गवाही के आधार पर यह मामला सिर्फ यौन उत्पीड़न का नहीं, बल्कि दुष्कर्म के प्रयास का बनता है। पुलिस ने अदालत से आईपीसी की धारा 376 और 511 जोड़ने और केस को विशेष अदालत में ट्रांसफर करने की मांग की थी।मामले में संदीप सिंह की ओर से अधिवक्ता सिद्धांत पंडित ने अदालत में पक्ष रखा। बचाव पक्ष ने दलील दी कि मामले में पहले से तय धाराओं के अलावा नई गंभीर धाराएं जोड़ने का कोई आधार नहीं बनता। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद चंडीगढ़ पुलिस की अर्जी को खारिज कर दिया। पूर्व मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ आईपीसी की धारा 354, 354-ए, 354-बी, 342, 506 और 509 के तहत केस चल रहा है। यह मामला हरियाणा खेल विभाग की एक महिला एथलेटिक्स कोच की शिकायत पर दर्ज हुआ था।महिला कोच ने आरोप लगाया था कि एक जुलाई 2022 को संदीप सिंह ने उसे अपने सेक्टर-7 स्थित सरकारी आवास पर बुलाया था।

माध्यमिक शिक्षा और पंचायत विभाग में भर्ती परीक्षाएं 17 मई को

चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) ने माध्यमिक शिक्षा विभाग में कंप्यूटर साइंस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट टीचर और हरियाणा विकास एवं पंचायत विभाग में लेक्चरर पदों के लिए परीक्षाओं का ऐलान कर दिया है। यह परीक्षा 17 मई को सुबह 10 बजे से और दोपहर में एक बजे से आयोजित होगी। अभ्यर्थियों को बताया गया है कि वह आयोग की अधिकृत वेबसाइट से प्रवेश पत्र 11 मई से डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थी प्रवेश पत्र ए-फोर साइज के पेपर पर निकाल लें, जिससे उनकी पहचान आसानी से हो सके। एचपीएससी द्वारा हरियाणा माध्यमिक शिक्षा विभाग में कंप्यूटर साइंस (पीजीटी) के 1672 पदों (1594 रेस्ट ऑफ हरियाणा, 78 मेवात कैडर) पर भर्ती की परीक्षा आयोजित की जा रही है, जिसके एडमिट कार्ड आज से जारी होंगे। इसमें 100 अंक का स्क्रीनिंग टेस्ट (2 घंटे) और 150 अंक का सब्जेक्ट नॉलेज टेस्ट (3 घंटे) शामिल किया गया है।

हरियाणा में बनेगी स्टेट इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स

चंडीगढ़। हरियाणा में बिजली वितरण के ढांचे की मजबूती तथा सुरक्षा के लिए सरकार स्टेट इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स और स्टेट इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी अकादमी स्थापित करने जा रही है। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) लिमिटेड ने संबंधित मुख्य अभियंताओं और अधीक्षण अभियंताओं को अंतिम रिमाइंडर जारी कर तत्काल प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं।हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स के जरिए बिजली विभाग बिजली सब स्टेशनों पर सशस्त्र हेड गार्ड की तैनाती करेगा। इसके अलावा सशस्त्र सुरक्षा गार्ड, हेड गार्ड, और सुरक्षा गार्ड की तैनाती की जाएगी। इन गार्डों को सब डिवीजन कार्यालय, डिवीजन कार्यालय, सर्कल कार्यालय, संवेदनशील 33 केवी सब-स्टेशन पर तैनात किया जाएगा।बिजली निगम के अधिकारियों के अनुसार, सार्वजनिक विरोध, तोड़फोड़ और संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है। राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के गठन से बिजली ढांचे की सुरक्षा व्यवस्था अधिक पेशेवर और सुदृढ़ होने की उम्मीद है।यूएचबीवीएन की प्रशासनिक शाखा द्वारा जारी आदेश में पंचकूला, रोहतक, सोनीपत और झज्जर के अधिकारियों से विभिन्न कार्यालयों और संवेदनशील 33 केवी सब-स्टेशनों की सुरक्षा जरूरतों का विस्तृत ब्यौरा मांगा गया है। आदेश के अनुसार, यह प्रस्ताव ऊर्जा विभाग को भेजा जाएगा ताकि राज्य स्तर पर सुरक्षा बल गठन को अंतिम रूप दिया जा सके। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सुरक्षा के लिए आवश्यक पदों की संख्या तुरंत उपलब्ध कराएं, क्योंकि उच्च अधिकारियों के साथ इस विषय पर बैठक निर्धारित है।

पंचकूला में ईवीएम स्ट्रांग रूम के कैमरे बंद होने पर हंगामा

चंडीगढ़। हरियाणा में स्थानीय निकाय चुनाव के बाद पंचकूला में उस समय विवाद हो गया, जब मेयर पद की कांग्रेस उम्मीदवार ने ईवीएम की सुरक्षा पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि स्ट्रांग रूम के कैमरे काफी समय तक बंद रहे। इसे लेकर सेक्टर-14 कॉलेज में बनाए गए स्ट्रांग रूम में भारी हंगामा भी हुआ।कांग्रेस उम्मीदवार सुधा भारद्वाज के पति संजीव भारद्वाज ने आरोप लगाया कि सुबह 9:21 से 11:10 तक मुख्य कैमरा मिला। सुबह उनका बेटा वहां गया, तो कैमरा बंद मिला। इसके बाद उन्होंने अपनी चिंता प्रशासन के सामने जाहिर की, तो कोई जवाब नहीं मिल रहा है।भारद्वाज ने कहा कि जहां ईवीएम रखी जाती है, वहां सीसीटीवी निगरानी और प्रशासनिक जवाबदेही अनिवार्य होती है। अगर कैमरे बंद हैं तो सवाल उठना स्वाभाविक है।रिटर्निंग अधिकारी संयम गर्ग ने बताया कि कैमरे बंद नहीं हुए, केवल डिस्प्ले पर नहीं दिख रहा था। चुनावी प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के चचेरे भाई भाजपा में शामिल

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में एक तरफ निकाय चुनावों का ऐलान हुआ, तो दूसरी तरफ मुख्यमंत्री भगवंत मान के चचेरे भाई ज्ञान सिंह मान भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने उन्हें पार्टी में शामिल किया।

भाजपा में शामिल होने वाले ज्ञान सिंह मान पूर्व के समय भगवंत मान का चुनाव प्रबंधन संभालते रहे हैं। वह लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव के दौरान भगवंत मान के प्रचार अभियान के इंचार्ज भी रहे हैं। संगरूर के गांव सतौज के रहने वाले ज्ञान सिंह मान ने साल 2012 के विधानसभा चुनाव से अपना सफर शुरू किया। 2013 में आम आदमी पार्टी के गठन के समय से ही संगठन की मजबूती के लिए कार्य किया। वह 2014 से 2022 तक

संगरूर सांसद कार्यालय के प्रभारी रहे। 2022 के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री भगवंत मान के चुनाव क्षेत्र धूरी के कार्यालय प्रभारी के रूप में मुख्य भूमिका निभाई।

इस अवसर पर पंजाब भाजपा प्रधान सुनील जाखड़ ने कहा कि सतौज गांव से आज सीएम के चचेरे भाई ज्ञान सिंह ने भाजपा जॉइन की है। हमने पहले ही कहा था कि ईंट का जवाब पत्थर से देंगे और आज हमने कर दिया। अब भगवंत मान के घर के साथ ही भाजपा का झंडा भी लगेगा। मैं इनका बीजेपी में स्वागत करता हूं। इस मौके पर हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब से बंगाल के चुनाव परिणाम आए हैं, तब से पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बौखला गई है। केजरीवाल ने बंगाल में जाकर ममता बैनर्जी को समर्थन दिया था। पहले केजरीवाल राहुल गांधी के पीछे घूमते थे और उनका सूपड़ा साफ कर दिया। अब पंजाब का भी सूपड़ा साफ करेंगे।

सोमनाथ मंदिर भारत की आस्था, संस्कृति और साहस का प्रतीकः डा. कृष्ण मिड्ढा

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि भगवान शिव का सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माना जाता है और यह केवल एक मंदिर नही बल्कि भारत की संस्कृति, चेतना, आस्था और साहस का जीवंत प्रतीक है। इतिहास में अनेक बार सोमनाथ मंदिर को तोडने और लूटने का प्रयास किया गया लेकिन हर बार यह मंदिर और अधिक दृढ़ता व स्वाभिमान के साथ पुनः खड़ा हुआ। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा जयंती देवी मंदिर परिसर में मनाए गए जिला स्तरीय सोमनाथ स्वाभिमान पर्व कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि लगभग एक हजार वर्ष पूर्व सोमनाथ मंदिर पर हुए आक्रमण केवल एक मंदिर पर नहींए बल्कि भारत की संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना पर हमला था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल तथा महान राष्ट्रवादी चिंतक केएम मुंशी ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का सपना साकार किया। आज सोमनाथ स्वाभिमान पर्व केवल उत्सव नही बल्कि राष्ट्र गौरव और सांस्कृतिक विरासत से जुडने का संदेश देता है। सोमनाथ मंदिर हमें यह सिखाता है कि चाहे कितनी भी चुनौतियां आएं हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति अटूट आस्था बनाए रखें। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे पर्वों के आयोजन से लोगों में अपनी संस्कृति और विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारतीय संस्कृति और आस्था का प्रतीक : गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पलवल के प्राचीन श्री जगेश्वर महादेव मंदिर परिसर में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-1000 वर्ष अखंड आस्था' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक और सांस्कृतिक वातावरण के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान भगवान शिव की लीलाओं पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर हथीन के विधायक मोहम्मद इसराइल, भाजपा जिलाध्यक्ष विपिन बैंसला सहित प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारतीय संस्कृति, आत्मसम्मान और सनातन आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को देश की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत और इतिहास से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की आस्था, संघर्ष और पुनर्निर्माण की जीवंत गाथा है। कार्यक्रम से पूर्व महिलाओं द्वारा प्राचीन पथवारी देवी मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। पारंपरिक वेशभूषा में शामिल महिलाओं का श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर व्यास वासुदेव श्री कृष्ण की महाराज, श्री जगेश्वर महादेव मंदिर समिति के प्रधान राकेश शर्मा (रक्की), उप-प्रधान हरीश सिंगला, सचिव अनिल शर्मा सहित समिति के सभी अन्य पदाधिकारी व सदस्य, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, महिलाओं, युवाओं तथा सामाजिक व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों, गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सोमनाथ मंदिर भारत की सनातन चेतना, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय स्वाभिमान का अमर प्रतीक : सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सोमनाथ मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की सनातन चेतना, अटूट आस्था और राष्ट्रीय स्वाभिमान का अमर प्रतीक है। मंदिर ने हर आक्रमण, हर संघर्ष और हर विपत्ति के बाद राष्ट्र को पुनः खड़े होने की शक्ति दी है। मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र के पिहोवा स्थित श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर अरुणाय में आयोजित 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के राज्यस्तरीय कार्यक्रम में बोल रहे थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री सैनी को मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों और संत समाज ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री और उपस्थित श्रद्धालुओं ने सोमनाथ मंदिर में आयोजित विशेष कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी देखा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विशेष पूजा करते हुए

अपना संबोधन दिया। श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर अरुणाय में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे साधु संतों का मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शॉल ओढ़ा कर सम्मान भी किया।मुख्यमंत्री सैनी ने 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा यह वर्षभर का राष्ट्रीय पर्व भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक जागरण और सभ्यतागत निरंतरता का प्रतीक है। वैदिक नदियों अरुणाय और सरस्वती के पावन संगम स्थल पर इस पर्व का आयोजन इसकी आध्यात्मिक महत्ता को और अधिक दिव्य बना रहा है। उन्होंने कहा कि यहां स्थित प्राचीन संगमेश्वर मंदिर सदियों से इस पवित्र संगम और भारत की समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा का साक्षी रहा है। मुख्यमंत्री ने 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व 11 जनवरी से शुरू होकर 11 जनवरी 2027 तक चलेगा। उन्होंने बताया कि देशभर से श्रद्धालु सोमनाथ मंदिर पहुंच रहे हैं तथा हरियाणा से भी मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए 8 जून को विशेष ट्रेन रवाना की जाएगी।

एसडीएम ने समाधान शिविर में सुनीं जनसमस्याएं, कई मामलों का मौके पर निपटारा

गुरुग्राम में हुआ तीन दिवसीय यज्ञ एवं वार्षिक उत्सव

ज्योति दर्पण

गुरुग्राम। एसडीएम हितेंद्र कुमार ने समाधान शिविर में आमजन की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि लोगों को बिना देरी राहत मिलना प्रशासन की जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिविर केवल औपचारिकता न रह जाए, बल्कि इसका वास्तविक उद्देश्य लोगों की समस्याओं का प्रभावी समाधान करना है। प्रत्येक विभाग अपने स्तर पर पूरी तैयारी के साथ शिविर में पहुंचें। जो भी शिकायत आए, उसका ठोस और संतोषजनक

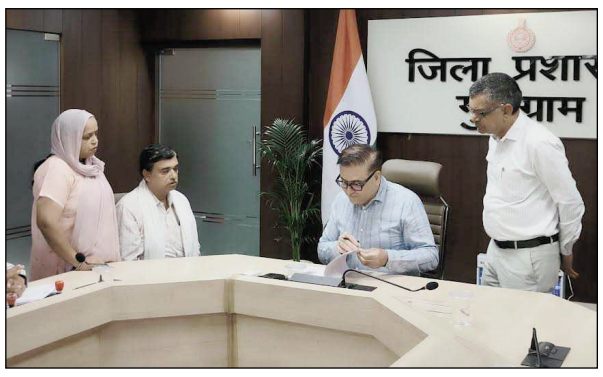

समाधान सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि लंबित मामलों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और प्रत्येक शिकायत का तय समयसीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए। एसडीएम हितेंद्र कुमार ने कहा कि इस प्रकार के शिविर प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम हैं। इससे न केवल समस्याओं का जल्दी समाधान होता है, बल्कि लोगों का प्रशासन पर विश्वास भी मजबूत होता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतकर्ताओं से फीडबैक भी लें, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि समाधान से व्यक्ति संतुष्ट है। उन्होंने यह भी कहा कि जिन मामलों का समाधान तुरंत संभव नहीं है, उनमें नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा की जाए और शिकायतकर्ता को उसकी स्थिति की जानकारी दी जाए। पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर ज्वाइंट कमिश्नर प्रीतपाल सिंह, एसीपी मुकेश कुमार, एई रविंद्र सिंह, एसडीई अजमेर सिंह, एटीपी कुलदीप, मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रियंका, इंस्पेक्टर यक्ष, एसडीओ राजेश कौशिक, डिप्टी डीओ गीतारिया, डिप्टी डीओ दीप्ति बोकन, लेबर इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार, बीएओ रामपाल, एलडीएम विनोद कुमार, बजाज के जेई निशांत भारद्वाज तथा आरएफओ संजय यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अनियंत्रित बस रेस्ट हाउस की दीवार तोड़कर पलटी, 35 यात्री चोटिल

एजेंसी

जींद। पंचकूला से हिसार जा रही किलोमीटर स्कीम की बस नरवाना के हरियल चौक पर अनियत्रित होकर डिवाइडर पार रेस्ट हाउस की दीवार तोड़कर पलट गई। जिसमें चालक समेत लगभग 35 यात्री घायल हो गए। जिसमें चालक समेत आठ यात्रियो को नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। शहर थाना नरवाना पुलिस मामले की जाच कर रही है। पंचकूला डिपो की किलोमीटर स्कीम की बस हिसार के लिए रवाना हुई थी। जब बस नरवाना के हरियल चौक पर बस अड्डे की तरफ जा रही थी तो आगे अचानक स्कूटी सवार आ गया। जिसको बचाने के फेर में चालक ने कट मारा तो बस अनियंत्रित हो कर डिवाइडर को पार करते हुए रेस्ट हाउस की दिवार को तोड़ते हुए पलट गई। जिसके बाद चीख पुकार मच गई। घटना के दौरान बस मे 35 यात्री सवार थे। जिसमें सभी यात्रियो को चोटें आई। जो आठ यात्री अस्पताल मे भर्ती हुए उनमें बस चालक गांव सुलेहड़ा निवासी अनिल, गांव काकडौद निवासी बाला, भाणा निवासी संजय, लाडवा निवासी प्रिंस, नरवाना निवासी कमलेश, राजेंद्र, हिसार

निवासी आर्यन, चुरू राजस्थान निवासी अविनाश शामिल है। प्रिंस को जिला मुख्यालय अस्पताल रैफर किया गया है। शहर थाना नरवाना प्रभारी पूर्णदास ने बताया कि सूचना के साथ पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। डीएसपी कमलदीप राणा मौके पर बने रहे। उन्होंने अस्पताल पहुंच कर घायल यात्रियों को हालचाल जाना। गंभीर चोट किसी यात्री को नही आई है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

स्पीकर के नोटिस पर हुड्डा का जवाब, केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र वाले विषय पर नहीं बुला सकते विशेष सत्र

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंद्र कल्याण द्वारा जारी किए नोटिस का जवाब देते हुए नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आने वाले विषय पर विशेष सत्र नहीं बुलाया जा सकता।

स्पीकर ने हुड्डा से पूछा था कि 27 अप्रैल को विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र को किस नियम के तहत उन्होंने असंवैधानिक बताया था और किस अधिकार अथवा नियम के तहत विधानसभा परिसर में विधायकों को इकट्ठा करते हुए समानांतर सदन की कार्यवाही का संचालन किया था। हरियाणा सरकार ने इस दिन नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा के लिए एक दिवसीय सत्र बुलाया था, जिसका कांग्रेस ने यह कहते हुए बहिष्कार किया था कि लोकसभा में यह बिल गिर चुका है और इस पर अब विधानसभा में चर्चा नहीं की जा सकती। हुड्डा ने अपने जवाब में कहा कि भाजपा सरकार संवैधानिक संस्थाओं का स्वयं मजाक उड़ा रही है। महिला आरक्षण का मुद्दा केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र का विषय है, राज्य सरकार का नहीं। इसलिए राज्य सरकार द्वारा सत्र बुलाना पूरी तरह से असंवैधानिक था।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में उसी दिन कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा परिसर में समानांतर सदन चलाते हुए हरियाणा की भाजपा सरकार पर जनता के हितों की अनदेखी करने के आरोप लगाए थे। विधानसभा स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करने के लिए विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा को नोटिस भेजा था, जिसके बाद हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक राज्यपाल से मिलने गए थे।

भूपेंद्र हुड्डा ने स्पीकर से कहा कि समनिंग और प्रोसेडिंग दोनों में जमीन-आसमान का अंतर है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा के अधिकार क्षेत्र का विषय है। यह बिल लोकसभा में गिर चुका था। ऐसे में उस पर चर्चा के लिए हरियाणा विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाना पूरी तरह से असंवैधानिक था। उन्होंने कहा कि विधानसभा की समानांतर कार्यवाही का संचालन हमारा प्रिवेलज है। इस पर रोक नहीं लगाई जा सकती। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीयत ठीक होती तो मौजूदा 543 सांसदों में ही आरक्षण देकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू किया जा सकता था।

हुड्डा ने अपने जवाब में कहा कि महिलाओं को राजनीति में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून सितंबर 2023 में संसद के दोनों सदनों ने सर्वसम्मति से पास कर दिया था। इस पर राष्ट्रपति से भी मुहर लग चुकी है। यह कानून संविधान का अभिन्न अंग बन चुका है। बावजूद इसके तीन साल बाद भी भाजपा ने इसे लागू नहीं किया। यहां तक आरक्षण विधेयक को 30 महीने के बाद अधिसूचित किया गया। आरक्षण को अधिक लटकाने के मकसद से सरकार ने जानबूझकर संसद में परिसीमन बिल पेश किया और उसमें साजिश के तहत महिला आरक्षण को जोड़ दिया, जो कि न्यायोचित नहीं था।

निगम गेट पर कूड़ा डाल सफाईकर्मियों ने प्रदर्शन किया

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत नगर निगम कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने सफाई कर्मचारियों ने कूड़े के ढेर डालकर प्रशासन और सरकार के खिलाफ विरोध जताया। पिछले कई दिनों से शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित है और गली-मोहल्लों में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी न होने पर सरकारी कार्यालयों के बाहर इसी तरह कूड़ा डालकर विरोध जारी रहेगा। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर प्रदेश के सफाई कर्मचारी एक मई से हड़ताल पर हैं। इसी क्रम में नगर निगम कार्यालय के सामने रेलवे रोड पर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और अन्य वाहनों से भारी मात्रा में कूड़ा डाल दिया गया। सड़क पर फैले कचरे के कारण यातायात प्रभावित रहा। राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ी। दुर्गंध के कारण लोगों को मुंह ढककर निकलना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने नगर निगम चुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा की। उनका कहना है कि लंबे समय से मांगों को अनदेखा किया जा रहा है। कई बार बैठकों के बावजूद कोई ठोस समाधान नहीं निकला।

कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि सरकार बार-बार आश्वासन देती है लेकिन उन्हें पूरा नहीं करती। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। महिला प्रधान कमलेश ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। धरने पर बैठे कर्मचारियों ने ठेका प्रथा समाप्त कर कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने की मांग दोहराई। समान काम के लिए समान वेतन लागू करने की भी मांग रखी गई।

हरियाणा के स्कूल-कॉलेज करेंगे इंडिया स्पेस लैब के समर इंटर्नशिप कार्यक्रम में भागीदारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान, उभरती तकनीकों और नवाचार आधारित शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। सरकार ने विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों और शिक्षकों का पंजीकरण इंडिया स्पेस लैब-समर इंटर्नशिप एवं टेक्निकल ट्रेनिंग प्रोग्राम-2026 में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा राज्य के सभी प्रशासनिक सचिवों को जारी पत्र में कहा गया है कि नई दिल्ली स्थित इंडिया स्पेस लैब द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को अंतरिक्ष विज्ञान एवं अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में व्यावहारिक और तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। राज्य सरकार ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि इस कार्यक्रम का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए तथा इसकी जानकारी विभागीय वेबसाइट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य आधिकारिक माध्यमों पर भी उपलब्ध करवाई जाए, ताकि अधिक से अधिक युवा इसका लाभ उठा सकें।

इंडिया स्पेस लैब द्वारा जारी कार्यक्रम विवरण के अनुसार समर इंटर्नशिप एवं टेक्निकल ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत प्रतिभागियों को एडवांस ड्रोन टेक्नोलॉजी, कैनसैट एवं क्यूबसैट (स्टूडेंट सैटेलाइट), रॉकेट्री ट्रेनिंग, रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस, डिजास्टर मैनेजमेंट और अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित अन्य आधुनिक विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञों द्वारा लाइव सेशन लिए जाएंगे। प्रतिभागियों को विभिन्न अंतरिक्ष परियोजनाओं, तकनीकी प्रयोगों, उपग्रह प्रणालियों तथा आधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी भी दी जाएगी। कार्यक्रम के सफल समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।कार्यक्रम में स्नातक, स्नातकोत्तर विद्यार्थी तथा शोधार्थी भाग ले सकेंगे। इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं को केवल सैद्धांतिक शिक्षा तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि उन्हें भविष्य की प्रौद्योगिकियों और वैश्विक स्तर के वैज्ञानिक नवाचारों से सीधे जोड़ेंगे। समर इंटर्नशिप कार्यक्रम को दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दूसरे बैच के लिए 10 जून तक आवेदन किए जा सकेंगे, जबकि कक्षाएं 17 जून से 4 जुलाई तक संचालित होंगी। कार्यक्रम में कुल 2315 सीटें उपलब्ध हैं, जिनमें पहले बैच के लिए 1270 थीं, जबकि दूसरे बैच के लिए 1045 सीटें निर्धारित की गई हैं। प्रतिभागियों के लिए 950 रुपये पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप के लिए अलग से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। हालांकि, कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार का स्टाइपेंड प्रदान नहीं किया जाएगा।

गुरुग्राम सहित हरियाणा के शहरों में फैली गंदगी, सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का समाधान निकाले सरकार : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। सिरसा सांसद सदस्य कुमारी सैलजा ने गुरुग्राम सहित हरियाणा के विभिन्न शहरों में पिछले कई दिनों से फैले कचरे और सफाई व्यवस्था के चरमराने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। सरकार सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर जरा भी गंभीर नहीं है जिस शहर में देखों सड़को पर कूडा फैला हुआ है या ढेर लगे हुए है। शहरों में फैली गंदगी के कारण डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है, लेकिन सरकार अभी तक संवेदनशीलता के साथ समाधान निकालने में असफल रही है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश के अनेक शहरों में पिछले लगभग 11 दिनों से सफाई कार्य प्रभावित होने के कारण बाजारों, कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थलों पर कचरे के ढेर लग चुके हैं, जिससे आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है और बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि गुरुग्राम जैसे अंतरराष्ट्रीय पहचान वाले शहर में हजारों टन कचरा सड़कों पर पड़ा होना सरकार और प्रशासन की विफलता को उजागर करता है। भारी टैक्स देने वाले नागरिकों को यदि साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधा भी न मिले, तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। उन्होंने कहा कि शहरों में फैली गंदगी के कारण डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है, लेकिन सरकार अभी तक संवेदनशीलता के साथ समाधान निकालने में असफल रही है। सांसद ने कहा कि सफाई कर्मचारी शहरों को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनकी जायज मांगों को लगातार अनदेखा करना उचित नहीं है। ठेका प्रथा, नियमितीकरण, बकाया वेतन तथा स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे मुद्दों पर सरकार को गंभीरता से बातचीत करनी चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद ही समाधान का। रास्ता होता है, लेकिन सरकार की ओर से अब तक ठोस पहल दिखाई नहीं दे रही। कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार से मांग की कि वह तुरंत सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से वार्ता कर समाधान निकाले ताकि आम जनता को राहत मिल सके और शहरों में सफाई व्यवस्था सामान्य हो।

डाकघर की एमआईएस, पति-पत्नी मिलकर पाएं हर महीने 9,250 की निश्चित आय

सुरक्षित सरकारी स्कीम, 7.4 फीसदी वार्षिक ब्याज और 5 साल में पूरा मूलधन वापस

नई दिल्ली ।

डाकघर मासिक आय योजना (एमआईएस) केंद्र सरकार द्वारा समर्थित एक विश्वसनीय बचत योजना है, जो निवेशकों को एकमुश्त जमा पर हर महीने तय आय प्रदान करती है। यह योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो नियमित मासिक आय चाहते हैं, जैसे सेवानिवृत्त व्यक्ति, गृहिणियां या सुरक्षित निवेश की तलाश कर रहे परिवार। इसमें निवेश की गई पूरी रकम मैच्योरिटी पर वापस मिल जाती है। फिलहाल, इस स्कीम पर 7.4 प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जा रहा है, जिसकी राशि हर महीने सीधे आपके पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट में जमा हो जाती है। यह योजना कम जोखिम के साथ एक स्थिर आय का स्रोत प्रदान करती है। इसमें न्यूनतम 1,000 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है। अधिकतम निवेश सीमा सिंगल अकाउंट के लिए 9 लाख रुपए और जॉइंट अकाउंट के लिए 15 लाख रुपए तय की गई है। पति-पत्नी मिलकर जॉइंट अकाउंट खोलकर इस योजना का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि पति-पत्नी मिलकर जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपए जमा करते हैं, तो मौजूदा 7.4 फीसदी ब्याज दर के हिसाब से उन्हें हर महीने लगभग 9,250 रुपए की निश्चित आय प्राप्त होगी। इस तरह निवेशक को हर महीने बिना किसी जोखिम के तय इनकम मिलती रहेगी। पोस्ट ऑफिस एमआईएस स्कीम की मैच्योरिटी अवधि 5 साल होती है, जिसके बाद निवेश की गई पूरी रकम वापस मिल जाती है। इस योजना में निवेश के लिए पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट का होना अनिवार्य है।

भारत वैश्विक पहचान के लिए मेड इन इंडिया ब्रांडिंग योजना लॉन्च करेगा

स्टील सेक्टर में सफल पायलट के बाद व्यापक योजना तैयार

नई दिल्ली ।

भारतीय उत्पादों को वैश्विक मंच पर सशक्त पहचान दिलाने के लिए सरकार जल्द ही एक व्यापक 'मेड इन इंडिया' ब्रांडिंग योजना शुरू करने जा रही है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के एक अे धिकारी बताया कि स्टील क्षेत्र में प्रायोगिक परियोजना की सफलता के बाद यह पहल की जा रही है, जिसके परिणाम उत्साहजनक रहे हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक सम्मेलन में भाटिया ने कहा कि यह योजना लंबे समय से लंबित थी और अब इसे आखिरकार लॉन्च किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस्पात क्षेत्र में चलाई गई प्रायोगिक परियोजना के परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं। सरकार अब उद्योग के साथ उन क्षेत्रों पर चर्चा करेगी जहां इसे लागू किया जा सकता है, लेकिन इसका ढांचा तैयार है। इसी कार्यक्रम में एक अलग सत्र में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने भारत की औद्योगिक नीति को व्यापार नीति का पूरक बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक ऐसी औद्योगिक नीति की आवश्यकता है जो कुछ आयातों को घरेलू उत्पादों से प्रतिस्थापित करे और देश में आर्थिक विकास को गति दे। यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नागरिकों से आयातित वस्तुओं की खपत कम करने के आग्रह के एक दिन बाद आई है, जिसका उद्देश्य पश्चिम एशिया युद्ध के कारण उत्पन्न व्यवधानों के बीच विदेशी मुद्रा की मांग को कम करना है।

हुंडई मोटर इंडिया का शेयर 3 फीसदी बढ़कर 1,907 पर पहुंचा

30 फीसदी तक अपसाइड के साथ कई नई एसयूवी-ईवीएस पाइपलाइन में

नई दिल्ली ।

हुंडई मोटर इंडिया (एचएमआईएल) का शेयर करीब 3 फीसदी उछलकर 1,907 पर पहुंच गया। कंपनी के मजबूत एसयूवी पोर्टफोलियो और आगामी मॉडल लॉन्च योजनाओं को देखते हुए ब्रोकरेज हाउसेज ने इसमें जोरदार तेजी की उम्मीद जताई है। मार्च तिमाही में एचएमआईएल की आय 5 फीसदी बढ़कर 189.2 रुपए अरब रही, जिसमें घरेलू बिक्री और निर्यात दोनों में करीब 9 फीसदी की वृद्धि हुई। कच्चे माल व नए प्लांट की शुरुआती लागत से मार्जिन दबाव में रहा, लेकिन अन्य आय ने मुनाफे को अनुमान से बेहतर बनाए रखा। कंपनी अगले कुछ सालों में एक नई मिड-साइज एसयूवी और कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी समेत कई मॉडल लॉन्च करेगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1,456, निफ्टी 436 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भी गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,456.04 अंक गिरकर 74,559.24 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 436.30 अंक टूटकर 23,379.55 पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आ रही तेजी से आई है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी से भी बाजार टूटा है। आज सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर गिरे जबकि केवल स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर में ही तेजी रही। जानकारों के अनुसार पश्चिम एशिया में संघर्ष के बढ़ने और तेल एवं गैस आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंकाओं से बाजार धारणा प्रभावित हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के शांति प्रस्ताव को खारिज किये जाने से भी बाजार में अनिश्चितता आई है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला । सुबह के कारोबार में निफ्टी 0.45 फीसदी की गिरावट के साथ 23,716.25 पर पहुंच

गया, जबकि सेंसेक्स 0.53 फीसदी टूटकर 75,614.93 के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का एसएसई कम्पोजिट गिरावट में जबकि जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंग बढ़त में रहे।

रुपया डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 95.63 पर

मुंबई ।

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 35 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 95.63 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव एवं समझौते की उम्मीदें धूमिल होने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.57 पर खुला और फिर टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर 95.63 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 35 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को 79 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने रिकॉर्ड निचले स्तर 95.28 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.14 पर रहा।

एलपीजी का उत्पादन 54,000 टन प्रतिदिन तक बढ़ाया गया- पुरी

प्रधानमंत्री ने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी

नई दिल्ली।

तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को पश्चिम एशिया संघर्ष के बावजूद देश में ईंधन की कोई कमी न होने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि सरकार ने एलपीजी उत्पादन को 35,000-36,000 टन प्रतिदिन से बढ़ाकर 54,000 टन प्रतिदिन कर दिया है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से मितव्ययिता बरतने और आर्थिक दबाव कम करने के लिए सावधानी बरतने की अपील की है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक सम्मेलन में पुरी ने कहा कि देश के पास 69 दिन का कच्चे तेल एवं एलएनजी तथा 45 दिन का एलपीजी भंडार मौजूद है। उन्होंने प्रधानमंत्री की मितव्ययिता की अपील को पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न राजकोषीय दबाव को कम करने के उपायों पर विचार करने का संकेत बताया। रविवार को प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से पश्चिम एशिया संकट के प्रतिकूल प्रभावों से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए मितव्ययिता बरतने का आग्रह किया था। उन्होंने पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों की वकालत की। इसके अतिरिक्त, विदेशी मुद्रा बचाने के लिए एक वर्ष के लिए सोने की खरीद और विदेश यात्राओं को टालने की सलाह भी दी गई।

भारत 2030 तक 1500 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य रखे अमिताभ कांत

ऊर्जा स्वतंत्रता और वैश्विक हरित केंद्र के लिए आह्वान

नई दिल्ली ।

पूर्व जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने भारत को स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि देश को वर्ष 2030 तक अपनी स्वच्छ ऊर्जा क्षमता को मौजूदा 500 गीगावाट से बढ़ाकर 1,500 गीगावाट करना चाहिए। कांत ने इस कदम को भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता सुनिश्चित करने और उसे वैश्विक हरित ऊर्जा का एक प्रमुख केंद्र बनाने के लिए आवश्यक बताया। कांत ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक परिचर्चा सत्र में कहा कि भारत का ऊर्जा बदलाव अब केवल जलवायु उद्देश्य नहीं रहा, बल्कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और आपूर्ति व्यवधानों के बीच एक रणनीतिक और भू-राजनीतिक अनिवार्यता बन गया है। उन्होंने देश की 85 फीसदी जीवाश्म ईंधन और लगभग 50 फीसदी गैस मांग के लिए आयात पर निर्भरता पर प्रकाश डालते हुए मौजूदा लक्ष्यों को महत्त्वाकांक्षा की कमी वाला बताया। कांत ने देश को पेट्रोल राज्य से एक इलेक्ट्रिक राज्य में बदलने का आह्वान करते हुए पेट्रोल-डीजल इंजन वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए आक्रामक समय-सीमा का प्रस्ताव रखा। इसके तहत 2027 के बाद दोपहिया व तिपहिया वाहनों, 2030 के बाद बसों व ट्रकों और 2032 के बाद चारपहिया वाहनों के पंजीकरण को

बंद करने का सुझाव दिया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि अपर्याप्त पारेषण बुनियादी ढांचा ऊर्जा परिवर्तन में बड़ी बाधा है, जिससे लगभग 31 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता ठप पड़ी है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग बढ़ने से पहले वितरण कंपनियों के साथ मिलकर पारेषण लाइनें, ग्रिड और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने का आग्रह किया

निजी अस्पतालों में इलाज करवाना हुआ 10 गुना महंगा रिपोर्ट

सरकारी अस्पतालों में भी तीन गुना बढ़ा खर्च, ग्रामीण मरीजों पर भारी पड़ा इलाज का बोझ

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसएसओ) की स्वास्थ्य पर घरेलू सामाजिक खपत पर आधारित एक ताजा सर्वेक्षण रिपोर्ट ने चिंताजनक आंकड़े पेश किए हैं। बीते तीन दशकों में देश के निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लगभग दस गुना तक बढ़ गया है, जो 1995-96 में 4,822 रुपये से बढ़कर 2025 तक 50,508 रुपये हो गया है। यह भारी वृद्धि न केवल निजी बल्कि सरकारी अस्पतालों में भी देखी गई है, जहां इलाज का खर्च 2,138 रुपये से बढ़कर 6,631 रुपये हो गया है, जो तीन गुना इजाफे को दर्शाता है। इस रिपोर्ट के अनुसार, निजी और सरकारी अस्पतालों के बीच इलाज के खर्च का अंतर अब काफी बढ़ गया है; जो पहले दोगुना था, अब मरीजों को निजी अस्पतालों में सरकारी के मुकाबले सात गुना से अधिक पैसा अपनी जेब से खर्च करना पड़ रहा है। सर्वेक्षण में एक और महत्वपूर्ण बदलाव की ओर इशारा किया गया है। इन तीन दशकों में पहली बार सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने वाले ग्रामीण मरीजों का अपनी जेब से होने वाला खर्च शहरी मरीजों से अधिक पाया गया है। विशेषकर, ग्रामीण परिवारों में सबसे निचले 20 प्रतिशत आय वर्ग में अस्पताल में भर्ती होने की लागत शहरी समकक्षों से ज्यादा है। रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि राज्यों में यह खर्च अलग-अलग हो रहा है, जहां

सबसे अधिक और सबसे कम खर्च वाले राज्यों के बीच लगभग तीन गुना का अंतर दर्ज किया गया है।

फैक्टल एनालिटिक्स का चौथी तिमाही में मुनाफा बढ़कर 116 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी फ्रैक्टल एनालिटिक्स का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मुनाफा दोगुना से अधिक होकर 116 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 55.5 करोड़ रुपये था।फ्रैक्टल एनालिटिक्स के एक अे धिकारी ने कहा कि इस वृद्धि का नेतृत्व स्वास्थ्य देखभाल और जीवन विज्ञान खंड ने किया, जिसमें चौथी तिमाही में 82 प्रतिशत और समूचे वर्ष में 66 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। इसके बाद बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा खंड में पूरे वर्ष में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 17 प्रतिशत बढ़कर 886 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 757.5 करोड़ रुपये थी। अमेरिका क्षेत्र का कंपनी के कुल राजस्व में 68 प्रतिशत योगदान है। इस तिमाही के दौरान इसमें सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यूरोप का योगदान कंपनी के कुल राजस्व में 18 प्रतिशत रहा और जनवरी-मार्च तिमाही में इसमें सालाना आधार पर 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

मूडीज ने घटाया भारत की आर्थिक वृद्धि दर अनुमान, 2026-27 के लिए 6 फीसदी पर स्थिर

निजी खपत और औद्योगिक सुस्ती, उच्च ऊर्जा लागत बनी मुख्य वजह

नई दिल्ली ।

मूडीज रेटिंग्स ने मंगलवार को भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान में कटौती की घोषणा की है। एजेंसी ने 2026 और 2027 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर को 6 प्रतिशत पर संशोधित किया है, जिसका मुख्य कारण निजी खपत और औद्योगिक गतिविधियों में कमी के साथ-साथ बढ़ती ऊर्जा लागत है। वैश्विक साख निर्धारण एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने अपनी ग्लोबल मैक्रो आउटलुक के मई संस्करण में 2026 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 0.8 प्रतिशत अंक घटाकर छह प्रतिशत कर दिया है। इसके अतिरिक्त, कैलेंडर वर्ष 2027 के लिए भी जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान में 0.5 प्रतिशत अंक की कटौती करते हुए इसे छह प्रतिशत पर ला दिया गया है।मूडीज ने इस संशोधन के पीछे निजी खपत में सुस्ती, औद्योगिक गतिविधियों में नरमी और लगातार ऊंची बनी हुई ऊर्जा लागत को प्रमुख कारण बताया है। एजेंसी ने यह भी चेताया कि अगले छह महीनों में ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी तथा ईंधन एवं उर्वरक की कमी का असर विभिन्न देशों पर उनकी निर्भरता और लचीलेपन के आधार पर अलग-अलग होगा। एजेंसी के अनुसार वैश्विक परिदृश्य अत्यधिक अनिश्चित बना हुआ है। मूडीज ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि भारत ऊंची तेल कीमतों

के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है, क्योंकि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 90 प्रतिशत आयात करता है। हालांकि, एजेंसी ने यह भी उम्मीद जताई है कि ऊर्जा आपूर्ति में सुधार और शिपिंग प्रवाह के सामान्य होने के साथ ये दबाव धीरे-धीरे कम होंगे, जिससे आर्थिक गतिविधियों में सुधार आएगा।

गोवा सरकार का श्रमिक कल्याण पैकेज उद्योग और संगठन ने सराहा

मुख्यमंत्री सावंत की घोषणाएं; मृत व घायल श्रमिकों को सहायता, बच्चों की शिक्षा

पणजी ।

गोवा सरकार द्वारा श्रमिक वर्ग के लिए घोषित व्यापक कल्याणकारी योजनाओं का राज्य के श्रमिक संगठनों, उद्योग प्रतिनिधियों और स्वयं श्रमिकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया है। इन पहलों को कार्यबल को सशक्त बनाने और उनके जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने 1 मई को गोवा की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले श्रमिक वर्ग के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री सावंत द्वारा घोषित योजनाओं में मृत श्रमिकों के परिवारों को 50,000 रुपये और कार्यस्थल पर घायल श्रमिकों को 25,000 रुपये की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण, बुजुर्ग माता-पिता के लिए चिकित्सकीय सहायता, बच्चों की प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग और ट्यूशन फीस प्रतिपूर्ति जैसे कदम भी उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत दुर्घटना बीमा भी सुनिश्चित किया गया है। राज्य ने 20 श्रमिकों को श्रम गौरव श्रमिक मित्र पुरस्कार से सम्मानित भी किया। दीर्घकालिक सेवा को प्रोत्साहित करते हुए, 20 वर्ष से अधिक की सेवा वाले श्रमिक 15,000 रुपये की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिससे अब तक 1.4 लाख से अधिक श्रमिक लाभान्वित हुए हैं। एक उद्योग प्रतिनिधि ने इन पहलों को सरकार की श्रमिक सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि डिजिटल कौशल आज की दुनिया में आवश्यक हैं और प्रशिक्षण शुल्क की पूर्ण प्रतिपूर्ति से श्रमिकों की रोजगार क्षमता बढ़ेगी। श्रमिक नेताओं ने भी इन कदमों का स्वागत करते हुए विशेष रूप से 15,000 रुपये के प्रोत्साहन, गंभीर बीमारी के दौरान वित्तीय सहायता और एमबीबीएस-इंजीनियरिंग जैसे पेशेवर पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे बच्चों के लिए शैक्षिक सहायता जैसे लाभों को सराहा। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं श्रमिकों का चिकित्सा खर्च के लिए भविष्य निधि ऋण पर निर्भरता कम करेंगी। विभिन्न क्षेत्रों के श्रमिकों ने भी इन उपायों पर खुशी व्यक्त की है।

भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के मापन पर जोर, मोस्पी लाएगा नया इंडेक्स

डिजिटल और रचनात्मक क्षेत्र बन रहे विकास के नए इंजन

नई दिल्ली ।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (मोस्पी) के एक अे धिकारी ने भारत की तेजी से बढ़ती रचनात्मक अर्थव्यवस्था के भविष्य के विकास को बढ़ावा देने के लिए इसके मापन और औपचारीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल और रचनात्मक क्षेत्र अब कृषि और विनिर्माण के बराबर आर्थिक वृद्धि के केंद्र में आ गए हैं।

उन्होंने रचनात्मक अर्थव्यवस्था को सेवा क्षेत्र का अभिन्न अंग बताया, जिसके लिए समर्पित मापन प्रणाली जरूरी है। इस बढ़ते महत्व को देखते हुए, मंत्रालय इस महत्वपूर्ण खंड को मापने के लिए एक इंडेक्स ऑफ सर्विस प्रोडक्शन बनाने की कवायद कर रहा है।

गर्ग ने स्पष्ट कहा, हमें जो हम करते हैं, उसके मापन की जरूरत है।

उन्होंने रचनात्मकता को 2025 में नॉलेज इकॉनमी पर गठित विशेषज्ञों के समूह से जोड़ा, जहां अनुसंधान, विकास, सॉफ्टवेयर और कलात्मक/मनोरंजन जैसे बौद्धिक संपदा (आईपी) महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूपीओ) का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि अमूर्त वृद्धि के मामले में भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में 6.6 प्रतिशत की सबसे तेज गति से बढ़ रहा है।

ग्लोबल इनोवेशन रैंकिंग में भी भारत 2015 के 81वें स्थान से 2025 में 38वें स्थान पर पहुंच गया है, लेकिन इसके बावजूद आईपी फाइलिंग में अभी भी पीछे है।

गर्ग ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान आंकड़े हमारी अर्थव्यवस्था के वास्तविक पैमाने से काफी कम हैं।

नासिक में प्याज किसान आक्रोशित, नंदगांव मंडी समिति भंग करने की मांग

ट्रैक्टर भर प्याज फेंककर जताया विरोध, समिति पर निष्क्रियता का आरोप

नासिक ।

महाराष्ट्र के नासिक जिले में प्याज की कीमतों में भारी गिरावट के चलते किसानों का गुस्सा भड़क उठा है। मंगलवार को किसानों के एक संगठन ने नंदगांव कृषि उपज मंडी समिति (एपीएमसी) को तत्काल भंग करने की मांग की, आरोप लगाया कि यह समिति प्याज की नीलामी कराने में बुरी तरह विफल रही है। उत्पादकों का कहना है कि उन्हें लागत और परिवहन खर्च भी नहीं मिल पा रहा है। इसी विरोध के तहत, सोमवार को किसानों ने नंदगांव एपीएमसी परिसर के बाहर ट्रैक्टर-भर प्याज फेंककर प्रशासन और व्यापारियों के खिलाफ नारेबाजी की थी। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ ने आरोप लगाया कि बाजार समिति निष्क्रिय हो चुकी है और संचालन पर कोई प्रशासनिक नियंत्रण नहीं है। औसत प्याज 800-1,000 रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा है, जबकि कुछ किस्मों की कीमत 1 से 4 रुपये प्रति किलोग्राम तक गिर गई है। संघ ने कहा, यदि समिति किसानों की उपज की नीलामी नहीं कर सकती, तो उसे भंग कर प्रशासक नियुक्त किया जाए और लापरवाह अधिकारियों को निलंबित किया जाए।

किसानों का कहना है कि नीलामी प्रक्रिया में बाधा से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। संघ ने जल्द राहत न मिलने पर आंदोलन तेज करने की धमकी दी है।

वैश्विक संकट के दौर में दूरगामी सोच का परिणाम है प्रधानमंत्री की अपील

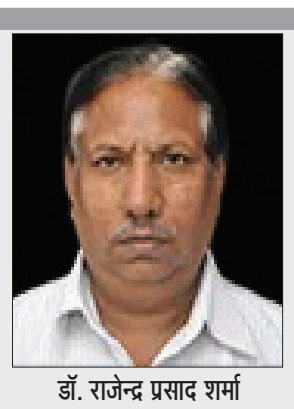

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

वैश्विक संकट के चलते देश-दुनिया की इकोनोमी पर पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से दूरदृष्टियुक्त अपील से कोरोना काल की याद ताजा हो रही है तो पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की तत्कालीन अन्न संकट के दौरान सप्ताह में एक दिन के उपवास के आग्रह की और चला जाता है।

ऐसा नहीं है कि भारत विदेशी मुद्रा के मामलें में संकट में हो बल्कि वास्तविकता तो यह है कि 10 अप्रेल, 2026 के आंकड़ों की ही बात करें तो भारत का विदेशी मुद्रा भण्डार आज उच्चतम स्तर पर है। 700 बिलियन अमेरिकी डालर से अधिक का विदेशी मुद्रा भण्डार भारत के पास है। एक मोटे अनमुन के अनुसार आगामी 11 माह से अधिक समय तक आयात मांग की पूर्ति इस राशि से आसानी से हो सकती है। विदेशी मुद्रा भण्डार से एफसीए यानी कि विदेशी मुद्रा संपत्ति, स्वर्ण भण्डार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में आरक्षित राशि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। पर इसके सबके बावजूद भविष्य के संभावित संकट के हालातों से निपटने की आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाती है तो यही दूरदृष्टि कहलाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भविष्य के वैश्विक हालात साफ दिखाई दे रहे हैं। हालातों में सुधार की संभावना निकट भविष्य में दिखाई भी नहीं दे रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केवल एक वर्ष के लिए अनावश्यक खर्चों में कटौती का आग्रह देशवासियों से किया है। इसमें ईंधन बचाना, सोना नहीं खरीदने, विदेशी यात्राओं व विदेशों में शादी नहीं करने, खाने के तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत तक की कटौती व खेती में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक की कटौती करने का सुझाव प्रमुख है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देशवासियों से आग्रह को लेकर आलोचक भले ही मृद्दा बनाने का प्रयास करें पर वैश्विक हालात आज सबके सामने हैं। देशवासियों को मालूम है कि पेट्रोलियम उत्पादों इनमें कच्चे तेल से लेकर गैस आदि आदि शामिल है आदि के लिए आयात पर निर्भरता अधिक है। देश में 979 अरब अमेरिकी डॉलर का सालाना आयात होता है जिसमें से करीब 38 प्रतिशत आयात केवल और केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही हो रहा है। सोना-चांदी और इलेक्ट्रोनिक्स के साथ ही फर्टिलाइजरों के मामलें में भी विदेशों पर निर्भरता अधिक है। करीब 10 प्रतिशत राशि सोने के आयात पर खर्च होती है। यदि समग्र रुप से देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के सिकन्दराबाद से देशवासियों से जो आग्रह किया है वह ऐसा नहीं है जो किसी भी तरह से देशवासियों के लिए दुबिधाजनक हो।

वैश्विक संकट के चलते देश-दुनिया की इकोनोमी पर पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से दूरदृष्टियुक्त अपील से कोरोना काल की याद ताजा हो रही है तो पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की तत्कालीन अन्न संकट के दौरान सप्ताह में एक दिन के उपवास के आग्रह की और चला जाता है। अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध सीजफायर के आसार अभी दिखाई नहीं दे रहे हैं तो दूसरी और दोनों ही देशों की हठधर्मिता के कारण हार्मुज जलडमरुमध्य से परिवहन बाधित होने का परिणाम दुनिया के देशों के सामने हैं। दुनिया के देशों को यह समझ लेना होगा कि अमेरिका-ईरान युद्ध केवल दो या तीन देशों के बीच युद्ध तक सीमित ना होकर इसके असर से आज कोई देश दूर दूर तक अछूता नहीं दिखाई दे रहा है। यह दो देशों की अहम् की लड़ाई ना होकर समूची मानवता को प्रभावित करने वाले हालात है। आज दुनिया के देशों की एक दूसरे पर निर्भरता बढ़ी है। बिना किसी अन्य देश के सहयोग के कोई भी देश अपने स्तर पर अपने देशवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने की स्थिति में नहीं है। आर्थिक उदारीकरण के बाद से आज विश्व विश्व ग्राम में परिवर्तित हो गया है। एक बात यह भी साफ हो जानी चाहिए कि आज अमेरिका-इजरायल और ईरान संकट का हल निकल भी आता है तब भी वैश्विक हालात सामान्य होने में लंबा समय लग जाएगा। युद्धरत देश यह समझने की कोशिश नहीं कर रहे कि उनके अहम् के चलते दुनिया आज सालों पीछे जा रही है। विकास बाधित हो रहा है, आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो रही है और हालात दिन प्रतिदिन बिगड़ते ही जा रहे हैं।

आज सबको मालूम है कि अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते रास्ता अवरुद्ध होने के कारण कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का आयात प्रभावित हो रहा है। हार्मुज का रास्ता अवरुद्ध है। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि ईरान को प्रतिदिन 2800 करोड़ रुपए के कच्चे तेल को समुद्र में बहाना पड़ रहा है। तेल उत्पादक अन्य देश भी संकट के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में जीवाश्म ईंधन के उपयोग में कमी लाने, सार्वजनिक परिवहन वाहनों के उपयोग और वाहन पूलिंग का एक साल का सुझाव या आग्रह दूरदृष्टिपूर्ण व देशहित में ही माना जाना चाहिए। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग का बढ़ावा देना भविष्य के पर्यावरण संकट से बचाव और हरित उर्जा को बढ़ावा देने में ही सहायक हो सकेगा। इसी तरह से हमारे देश में सोने के खरीद के प्रति खास मोह रहता आया है पर हालातों को देखते हुए व्यापक राष्ट्रहित में एक साल के लिए सोना नहीं खरीदे तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। इसी तरह से केवल शानों शोकत के लिए विदेशी यात्राएं करने से बचने की सलाह और विदेशों में शादी करने के स्थान पर स्थानीय पर्यटन और देश में ही एक से एक बेहतरीन वेडिंग डेस्टिनेशंस पर शादी करने से जहां खर्च कम होगा, देश के डेस्टिनेशनों की वैश्विक पहचान के साथ ही विदेशी पूंजी भी बचेगी। इसी तरह से रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से खेती और खेतों की उर्वरा शक्ति प्रभावित होने से आज देश दो चार हो रहा है। जैविक खाद और जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने का आग्रह निश्चित रुप से सकारात्मक ही है। जहां तक मीटिंग्स का प्रश्न है कोविड़ के बाद से सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर अधिकांष मीटिंग्स अब हाईब्रीड मोड पर ही होने लगी है। वर्कफ्राम होम को अवश्य प्रोत्साहित किया जा सकता है।

लब्बो-लबाब यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो देशवासियों से आग्रह किया है उनमें से एक भी ऐसा आग्रह नहीं है जिससे हमारे दैनिक जीवन चर्या प्रभावित हो रही हो। एक भी ऐसा बिन्दु नहीं है जिससे आमजन प्रभावित हो रहा हो। सीधे सीधे एक साल के लिए अपनी आदत व आवश्यकताओं में जरुरी बदलाव के लिए कहा जा रहा है ताकि वैश्विक संकट का असर देश की अर्थव्यवस्था व देश के आमलोगों को प्रभावित ही ना कर सकें। एक साल सोना नहीं खरीदने या ईवी वाहन या सार्वजनिक वाहन का उपयोग या विदेशों में शादी आदि कार्यक्रम आयोजित ना करने या विदेश घूमने नहीं जाने से कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला हैं। इसलिए इन सबसे बचने से देश वैश्विक हालातों का अधिक कुशलता से मुकाबला कर सकेगा और सबसे बड़ी बात की स्वदेशी को बढ़ावा मिलेगा। इसलिए आलोचना प्रत्यालोचना से ऊपर उठना होगा। यह देश नेता की एक आवाज पर आगे आना वाला देश है कोविड का समय और स्व. लालबहादुर शास्त्री के एक दिन के उपवास का आग्रह इसके प्रत्यक्ष उदाहरण है।

संपादकीय

सोने व ईंधन का संयम

खाड़ी युद्ध से उपजे हालात व बाधित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के बीच प्रधानमंत्री का ईंधन के उपयोग व सोने की खरीद में संयम बरतने का आह्वान निस्संदेह, वक्त की जरूरत है। लेकिन तेलंगाना के बाद बडोदरा से दूसरी बार उनके राष्ट्र को संबोधन व इसके समय को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, हालात काफी दिनों से चुनौतीपूर्ण बने हैं, रुपये में तेज गिरावट व महंगे कच्चे तेल के आयात की वजह से हमारा विदेशी मुद्रा भंडार काफी दबाव में रहा है। आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि इस घोषणा के लिये विधानसभा चुनाव परिणामों का इंतजार क्यों किया गया। कुछ लोगों का मानना है कि सत्ता शीर्ष से किया गया आह्वान कई बार देश में असुरक्षाबोध पैदा करता है, जिसका नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। दरअसल, इससे कृत्रिम संकट पैदा करने वाले तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। इससे चीजों की जमाखोरी और कालाबाजारी को भी बढ़ावा मिलता है। इसमें दो राय नहीं कि देश बड़ी मात्रा में कच्चा तेल व सोना आयात करता है। जाहिर बात है जब इनकी वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो इन दोनों के कारण भारी दबाव देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है। निस्संदेह, विषम वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन की बचत, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना चुनौतियों से मुकाबले के लिये समझदारी भरे उपाय हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि पिछले डेढ़ माह में सरकार विधानसभा चुनावों में व्यस्त रही। इस दौरान आर्थिक प्रबंधन का मुद्दा हाशिये पर चला गया। अब इन चुनौतियों से मुकाबले के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन लोगों से विदेशों में शादियां टालने, सोना खरीदने से बचने के लिये कहना बताता है कि रुपये में तेज गिरावट से सरकार चिंतित है। कहा जा रहा है कि बार-बार अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का दावा करने वाली सरकार को जनता से व्यवहार में संयम बरतने का आग्रह करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी।

दरअसल, आशंका यह भी है कि इन कदमों के ऐसे भी नतीजे निकल सकते हैं,जिनकी उम्मीद न की गई हो। निर्विवाद रूप से सोना भारतीय संस्कारों में है। वहीं भारत में आभूषण उद्योग लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया है। ऐसे में सोने की खरीद में गिरावट से संपन्न निवेशकों के मुकाबले श्रमिकों को ज्यादा नुकसान पहुंच सकता है। वहीं दूसरी ओर वर्क-फ्रॉम होम की नीति, काम करने वालों के बड़े तबके के लिए व्यावहारिक नहीं है। निस्संदेह, किसी भी आसन्न संकट में नागरिकों की जिम्मेदारी मायने रखती है। यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। लेकिन सवाल यह है कि मंत्रियों के कारों के काफिलों पर भी अंकुश लगेगा.. क्या शासन प्रशासन की शाहखर्ची पर लगाम लगेगी....। यदि ऐसा नहीं होता तो जनता की स्वतःस्फूर्त पहल प्रभावित होगी। वैसे भी नागरिक जिम्मेदारी एक हद तक तो प्रभावी हो सकती है,लेकिन वह किसी आपातकालीन योजना का विकल्प नहीं हो सकती। सरकार को भी अपनी आर्थिक नीतियों पर पुनर्विचार की जरूरत है। जहां तक सोने की खरीद पर संयम का सवाल है तो उससे देश में गहरा भावनात्मक लगाव जुड़ा रहा है। सोना हमारी संस्कृति, परंपरा, बचत और पारिवारिक समारोहों में गहरे तक शामिल रहा है। लेकिन सदियों से सम्मोहित करते सोने का आयात विदेशी मुद्रा भंडार पर गहरा असर डालता है।

चिंतन-मनन

श्रम रहित परिश्रम

महर्षि वेदव्यास किसी नगर से गुजर रहे थे। उन्होंने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। मन में सवाल उठा- एक छोटा सा कीड़ा इतनी तेजी से क्यों भागा जा रहा है? उन्होंने कीड़े से पूछा- ऐ क्षुद्र जंतु! तुम इतनी तेजी से कहां जा रहे हो? कीड़ा बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं, यहां क्षुद्र कौन और महान कौन? क्या इनकी सही-सही परिभाषा संभव है? महर्षि सकपकाए। फिर सवाल किया- अच्छा बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहां भागे जा रहे हो? इस पर कीड़े ने कहा-अरे! मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे कि पीछे कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है।

कीडे के उत्तर ने महर्षि को फिर चौंकाया। वह बोले- पर तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और अच्छा शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला- महर्षि! मैं तो कीड़े की योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, पर ऐसे प्राणी बहुत हैं जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझ कीड़े से भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। महर्षि उस नन्हे से जीव के कथन पर सोचते रहे, फिर उन्होंने उससे कहा- चलो, हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़े ने पूछा- किस तरह की सहायता? महर्षि बोले-तुम्हें उठाकर मैं आने वाली बैलगाड़ी से दूर पहुंचा देता हूं। इस पर कीड़े ने कहा- धन्यवाद! श्रम रहित पराश्रित जीवन विकास के सारे द्वार बंद कर देता है। मुझे स्वयं ही संघर्ष करने दीजिए। महर्षि को कोई जवाब न सूझा।

बढ़ते अपराध और अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

ललित गर्ग

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है।

विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चैथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार 'पकड़वा विवाह' के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबरन गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है। यह विडंबना ही है कि एक ओर हम 'नारी शक्ति' और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े भयावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह 'सॉफ्टवेयर क्राइम' का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियार और बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है।

हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्रवंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन-सभी को मिलकर काम करना होगा। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है। जब समाज में ईमानदारी, संयम, करुणा और नैतिकता की जगह छल, लालच और प्रतिस्पर्धा ले लेते हैं, तब अपराध स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है, संस्कार कमजोर हुए हैं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना घटती जा रही है। सोशल मीडिया और मनोरंजन के अनेक माध्यमों ने भी हिंसा, अश्लीलता और त्वरित लाभ की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। ऐसे में नई पीढ़ी का भटकना स्वाभाविक हो जाता है।

यह भी सच है कि कई बार अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, राजनीतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार और कमजोर जांच व्यवस्था अपराधियों के मनोबल को बढ़ाते हैं। यदि अपराधी यह महसूस करने लगें कि वे आसानी से बच सकते हैं, तो अपराधों पर नियंत्रण कठिन हो जाता है। इसलिए न्याय व्यवस्था को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। कानून का भय तभी स्थापित होगा, जब अपराधी को शीघ्र और निष्पक्ष दंड मिलेगा। लेकिन केवल सरकार और पुलिस को दोष देकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अपराधमुक्त समाज का निर्माण सामूहिक चेतना और सामाजिक सहभागिता से ही संभव है। समाज सुधारकों, शिक्षकों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और परिवारों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों और युवाओं में नैतिक शिक्षा, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करना होगा। समाज को ऐसी सकारात्मक दिशा देनी होगी, जहां व्यक्ति केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी चिंता करे। आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है। गरीबी, बेरोजगारी, नशाखोरी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन और मानसिक तनाव जैसी स्थितियां अपराध की जमीन तैयार करती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो अपराधों की संख्या घटाना कठिन होगा। इसलिए विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें समाज सुरक्षित, संतुलित और मानवीय बने।

भारतीय दर्शनों में आत्मा का स्वरूप

संजय गोस्वामी

जीव अर्थात् जीता है, जीवत्व और आयुष्य कर्म का अनुभव करता है, इससे प्राणी का नाम जीव है-जाहा जीवेति, जीवत्तं, आउयं, च कम्मं उपजीवति तम्हा 'जीवे' त्ति वत्तव्वं सिया भगवती सूत्र में जीव के तेईस नाम बताये गए हैं1-1. जीव, 2. जीवास्तिकाय, 3. प्राण,4. भूत, 5. सत्व, 6. विज्ञ, 7. वेद, 8. चेता 9. जेता, 10. आत्मा,11. रंगण, 12. हिंडुक, 13. पुद्गल, 14. मानव, 15. कत्ता, 16. विकर्ता, 17. जगत, 18. जन्तु, 19. योनि, 20. स्वयंभूत, 21. सशरीरी, 22. नायक और 23. अन्तरात्मा।

जीव-जीने का अर्थ है-'प्राणों का धारण करना'। जीवत्व का अर्थ है-उपयोग, ज्ञान और दर्शन सहित होना। आयुष्य कर्म के अनुभव का अर्थ है-निश्चित जीवन अवधि का उपयोग। जितने भी संसारी जीव हैं, सब प्राण सहित हैं। ज्ञान और दर्शन जो जीव मात्र के स्वाभाविक गुण हैं। हर एक प्राणी की अपनी-अपनी आयुष्य होती है। इस तरह जीते रहने से प्राणी जीव कहलाता है। जीव अपने कमार्नुसार अनेक देह धारण करता है। परन्तु छोटे से छोटे और बड़े से बड़े शरीर में भी उसके असंख्यात प्रदेशीपन में कमी या अधिकता नहीं होती। चींटी और हाथी दोनों के जीव असंख्यात प्रदेशी हैं। आत्मा-चैतन्य लक्षण, चैतन्य स्वरूप या चैतन्य गुण पदार्थ का नाम आत्मा है। ऐसी आत्माएँ अनन्त है। उनकी सत्ता स्वतंत्र है। वे किसी दूसरी आत्मा या परमात्मा के अंश नहीं हैं। प्रत्येक आत्मा की चेतना अनन्त होती है, अनन्त प्रमेयों को जानने में सक्षम होती है। चैतन्य स्वरूप की दृष्टि से सब आत्माएँ समान होती हैं, किन्तु चेतना का विकास सबमें समान नहीं होता।चैतन्य विकास के तारतम्य का निमित्त कर्म है। प्राण-जीव श्वास निःश्वास करता है, इससे वह प्राणी है। आत्मा ही कत्ता है। कत्ता का अर्थ है-कर्मों का कत्ता-कत्त ति कत्ता कर्मणाम्। 'आत्मसिद्धि' नामक पुस्तक में कहा गया है-जड़ में चेतना नहीं होती, केवल जीव में ही चेतना होती है। बिना चेतन प्रेरणा के कर्म, कर्म का बंधन कैसे होगा? अतः जीव ही कर्म का बंधन करता है, क्योंकि चेतन प्रेरणा जीव के ही होती है। जब तक जीव कर्म बंधन करता है, तभी कर्म बंध होते हैं। कर्म करना जीव की इच्छा पर रहने से यह भी नहीं कहा जा सकता कि आत्मा सहज स्वभाव से ही कर्मों का कत्ता है। इससे यह सिद्ध हुआ कि कर्म करना जीव का आत्म-धर्म नहीं है, क्योंकि ऐसे होने से कर्म का बंधन उसकी इच्छा पर निर्भर नहीं करता, यह भी कहना ठीक नहीं है कि जीव असंग है और केवल कर्म प्रवृत्तियां ही कर्म-बंध करती हैं, ऐसा होता तो जीव का असली स्वरूप कभी का मालूम हो जाता। कर्म करने में ईश्वर की भी कोई प्रेरणा नहीं हो सकती, क्योंकि ईश्वर सम्पूर्ण शुद्ध स्वभाव का होता है। उसमें इस प्रेरणा का आरोपण करने से तो उसे ही सदोष ठहरा देना होगा। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 'आत्मा ही कर्मों का बंधन करता है। जब जीव अपने चैतन्य स्वभाव में रमण करता है तो वह अपने शुद्ध स्वभाव का कत्ता होता है और जब विभाव भाव में रमण करता है तो कर्मों का कत्ता कहलाता है।' प्रागैतिहासिक काल की घटना है। जैन धर्म के आदि तीर्थंकर भगवान् ऋषभ इसधरती पर थे। एक दिन उनके अट्ठानवे पुत्र मिलकर आये। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की-'भरत ने हम सबके राज्य छीन लिये हैं। हम अपना राज्य पाने की इच्छा लिए आपकी शरण में आये हैं।' भगवान् ने कहा-'मैं तुम्हें वह राज्य तो नहीं दे सकता किन्तु ऐसा राज्य दे सकता हूँ, जिसे कोई छीन न सके।' पुत्रों ने पूछा-'वह राज्य क्या है?' भगवान् ने कहा-'वह राज्य है-आत्मा की उपलब्धि'। पुत्रों ने पूछा-वह कैसे हो सकती है तब भगवान् ने कहा-

संबुज्झह किं न बुज्झह, सेवोहि खलु पेच्च दुल्लहा।
नो हू वणमंति राइयो, णो सुलभं पुणराति जीवियं।।

'संबोधि को प्राप्त करो। तुम संबोधि को प्राप्त क्यों नहीं कर रहे हो। बीती रात लौटकर नहीं आती। यह मनुष्य जीवन भी बार-बार सुलभ नहीं है।'

जैन धर्म के साथ सम्बोधि का प्रागैतिहासिक सम्बन्ध है। संबोधि क्या है? वह है आत्म-मुक्ति का मार्ग। सब मार्ग जो हमें आत्मा की सम्पूर्ण स्वाधीनता की ओर ले जाते हैं, एक शब्द में संबोधि कहलाते हैं। बोधि के तीन प्रकार हैं-ज्ञान बोधि, दर्शन बोधि, चारित्र बोधि। जैन दर्शन का यह अभिमत है कि हम कोरे ज्ञान से मुक्ति को नहीं पा सकते, कोरे दर्शन और चारित्र से भी उसे नहीं पा सकते।उसकी प्राप्ति तीनों के समवाय से अर्थात अविकल सम्बोधि से हो सकती है। जैन धर्म के मुख्य सिद्धान्त हैं-1. आत्मा है।2. उसका पुनर्जन्म होता है।3. वह कर्मों की कत्ता है।4. वह कृत कर्म के फल का भोक्ता है।

संक्षिप्त समाचार

मोरक्को में लापता अमेरिकी सैनिक का शव बरामद, दूसरे की तलाश जारी

मोरक्को , एजेंसी। मोरक्को में सैन्य अभ्यास के दौरान लापता हुए अमेरिकी सेना के अधिकारी फर्स्ट लेफ्टिनेंट केंड्रिक लेमोंट की तलाश का दुखद अंत हुआ है। उनका शव अटलांटिक महासागर के किनारे मिला। बताया जा रहा है कि केंड्रिक और उनके एक अन्य साथी छुट्टी के दौरान पहाड़ियों पर घूमने गए थे, जहां पैर फिसलने के कारण वे समुद्र में गिर गए थे। मोरक्को और अमेरिका की टीमें अभी भी लापता दूसरे सैनिक की तलाश में जुटी हैं। इस बड़े बचाव अभियान में 600 से अधिक जवान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन लगाए गए हैं। हालांकि अफ्रीकन लायन सैन्य अभ्यास खत्म हो चुका है, लेकिन अमेरिकी सेना की एक टुकड़ी अभी भी मोरक्को में तैनात है ताकि दूसरे सैनिक का पता लगाया जा सके।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों की केन्या यात्रा, नए संबंधों की शुरुआत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपनी केन्या यात्रा शुरू कर दी है, जहां वह अफ्रीका फॉरवर्ड समिट में भाग लेंगे। इस शिखर सम्मेलन के जरिए फ्रांस अफ्रीका के साथ अपने पुराने औपनिवेशिक संबंधों को पीछे छोड़कर एक बराबरी की दोस्ती का संदेश देना चाहता है। पहली बार यह सम्मेलन किसी अंग्रेजी भाषी देश में आयोजित किया जा रहा है। इस दौरे के दौरान फ्रांस और केन्या ने परमाणु ऊर्जा, परिवहन और कृषि जैसे क्षेत्रों में 11 बड़े निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। दूसरी ओर, केन्या के विपक्षी नेताओं ने इस आयोजन की आलोचना की है। उनका कहना है कि केन्या में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की स्थिति खराब है और यह सम्मेलन केवल एक दिखावा है।

भारतीय मूल के क्यू मणिवन्नन स्कॉटिश संसद सदस्य निर्वाचित

एडिनबर्ग , एजेंसी। स्कॉटलैंड के संसदीय चुनाव में भारत में जन्मे मानवविज्ञानी क्यू मणिवन्नन ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। खुद को नॉन-बाइनरी (लैंगिक पहचान में भ्रम) बताने वाले मणिवन्नन ने स्कॉटिश ग्रीन्स पार्टी के टिकट पर एडिनबर्ग और लोथियन ईस्ट से जीत हासिल की। तमिलनाडु के रहने वाले मणिवन्नन एक छात्र हैं। स्कॉटलैंड ने कम अवधि के वीजा वाले विदेशियों को भी चुनाव लड़ने की अनुमति दी है।

हथियार तस्करी में पाकिस्तानी नागरिक समेत तीन गिरफ्तार

ओटावा, एजेंसी। अमेरिका से कनाडा में 89 हथियार तस्करी करने के आरोप में एक पाकिस्तानी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद हथियारों में से 17 हथियार चोरी के हैं। न्यूयॉर्क राज्य पुलिस ने राजमार्ग पर चेकिंग के दौरान संदिग्ध जवाब मिलने पर संदिग्धों की तलाशी ली, जिसमें हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ। आरोपियों की पहचान फैजान (पाकिस्तान), मलिक ब्रोमफील्ड (कनाडा) और कमल (जॉर्डन) के रूप में हुई है। फैजान के पास एक अन्य व्यक्ति का अवधि समाप्त ड्राइविंग परमिट भी मिला।

सिंगापुर के सांस्कृतिक उत्सव में भारतीय आमों की धमक

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर में आयोजित थ्रेड्स ऑफ इंडियन ट्रेडिशन उत्सव में भारतीय आमों के जरिये अनूठी ब्रांडिंग की गई। कार्यक्रम में प्रदर्शन करने वाले गायकों और नर्तकों को पुरस्कार के रूप में भारतीय आमों के डिब्बे भेंट किए गए। भारतीय उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले ने कहा कि उच्चायोग की ओर से इस महीने का यह दूसरा मैंगो प्रमोशन इवेंट है। इससे पहले ईस्ट कोस्ट में आयोजित उत्सव में 6,000 से अधिक लोगों ने भारतीय आमों की 10 किस्मों का स्वाद चखा था।

जेल से अस्पताल पहुंचीं नोबेल विजेता नरगिस

तेहरान, एजेंसी। जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तेहरान के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जेल में बेहोश होकर गिरने के बाद उनके परिवार ने लगातार उन्हें बेहतर इलाज दिलाने की मांग की थी, जिसके बाद प्रशासन ने जमानत पर उनकी सजा को अस्थायी रूप से रोकने का फैसला किया है। मोहम्मदी के फाउंडेशन का कहना है कि उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए केवल सजा का निलंबन काफी नहीं है, बल्कि उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख की जरूरत है। फाउंडेशन ने मांग की है कि उनकी 18 साल की बाकी सजा और सभी आरोपों को पूरी तरह से खत्म किया जाए ताकि उन्हें दोबारा जेल न लौटना पड़े।

त्रिनिदाद में बोले जयशंकर: गिरमिटिया को मिलेगा भारत का साथ

पोर्ट ऑफ स्पेन, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कैरेबियाई देश त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय मूल के लोगों के साथ भारत के गहरे होते संबंधों को रेखांकित किया। जयशंकर ने कहा कि ओवरसीज सिटिजनशिप ऑफ इंडिया (ओसीआई) योजना के प्रति विदेश में रह रहे भारतीय मूल के लोगों की रुचि लगातार बढ़ रही है और भारतीय उच्चायोग को बड़ी संख्या में आवेदन मिल रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिन लोगों के पास जरूरी दस्तावेज नहीं हैं, उनकी मदद के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। जयशंकर ने त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के साथ ऐतिहासिक नेल्सन द्वीप का दौरा किया, जहां कभी गिरमिटिया भारतीय पहली बार पहुंचे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने 180 वर्ष पहले त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे पहले भारतीय मजदूरों को याद किया। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में नया जीवन बसाने वाले भारतीय प्रवासियों की दृढ़ता, संकल्प और साहस को श्रद्धांजलि दी। जयशंकर ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भारतीय प्रवासी समुदाय की छठी पीढ़ी तक ओसीआई कार्ड देने की घोषणा ने दोनों देशों के सांस्कृतिक और पारिवारिक रिश्तों को नई मजबूती दी है। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत की सहायता से नेल्सन द्वीप पर शुरू की गई क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट साझा विरासत और ऐतिहासिक यात्रा को संरक्षित करने में मदद करेगी। जयशंकर 2 मई से 10 मई तक तीन देशों की यात्रा पर थे। दौरे के अंतिम दिन उन्होंने त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की और दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों की सराहना की।

गिरमिटिया समुदाय की विरासत संरक्षित करने का लगातार किया जा रहा प्रयास : जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच हुआ अभिलेखीय सहयोग समझौता भारतीय मूल के लोगों को अपनी पैतृक जड़ों की पहचान करने और भारत में अपने परिवारों से दोबारा जुड़ने में मदद करेगा। भारत सरकार गिरमिटिया समुदाय की विरासत को संरक्षित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। विदेश मंत्री ने कहा, ये प्रवासी अपने साथ भारतीय परंपराएं, आस्था और जीवन शैली लेकर आए थे, इसलिए इस इतिहास को विरासत स्थल के रूप में संरक्षित किया जाना महत्वपूर्ण है। समझौते से भारतीय मूल के लोगों को अपने पूर्वजों और भारत स्थित रिश्तेदारों की जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

भारत की मदद से हुई कई परियोजनाओं की शुरुआत : जयशंकर ने अपनी यात्रा के दौरान कृषि प्रसंस्करण केंद्र की शुरुआत की और स्थायी कृत्रिम अंग केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के साथ दक्षिण त्रिनिदाद में भारत की सीड्स पहल से संचालित एग्रो-प्रोसेसिंग सुविधा का संयुक्त रूप से लोकार्पण किया। जयशंकर ने कहा कि यह परियोजना लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को मजबूती देगी और कृषि क्षेत्र को नई गति प्रदान करेगी।

जुलाई, 2025 में पीएम मोदी ने की थी यात्रा : पिछले साल जुलाई में पीएम मोदी ने त्रिनिदाद व टोबैगो की यात्रा के दौरान वहां के भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी तक ओसीआई कार्ड की घोषणा की थी। इसे भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ संबंध मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। बता दें कि 1845 से 1917 के बीच भारतीय उपमहाद्वीप से करीब 1.43 लाख मजदूर त्रिनिदाद पहुंचे थे, जिनमें अधिकांश उत्तर भारत व बिहार से थे। आज उनकी पांचवीं व छठी पीढ़ी देश की कुल आबादी का लगभग 40-45 प्रतिशत हिस्सा है।

भारत-त्रिनिदाद के बीच 8 समझौते : जयशंकर के दौरे पर भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो ने पर्यटन, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और आयुर्वेद समेत विभिन्न क्षेत्रों में आठ समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौतों में पर्यटन सहयोग, त्रिनिदाद एवं टोबैगो के विदेश व कैरिकॉम मामलों के मंत्रालय भवन का सौर ऊर्जा से संचालन, वेक्टर नियंत्रण, नेल्सन द्वीप के बुनियादी ढांचे के उन्नयन व यूनिवर्सिटी ऑफ द वेस्ट इंडीज में आयुर्वेद पर भारतीय चेयर स्थापित करना शामिल है। जयशंकर ने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर की मौजूदगी में स्कूली बच्चों को 2,000 लैपटॉप की पहली खेप सौंपी।

ब्रह्मांड की एक और गुत्थी सुलझी: ब्लैक होल की टक्करों से हो रहा पिंडों का जन्म, सितारों की टक्कर से बने जोड़

टोक्यो, एजेंसी। ब्रह्मांड के सबसे विशालकाय ब्लैक होल के निर्माण की एक बड़ी गुत्थी को सुलझा लिया गया है। हालिया एक शोध में वैज्ञानिकों का दावा है कि कॉस्मिक जायंट्स यानी विशालकाय खगोल पिंड घने तारा समूहों में होने वाली हिंसक टक्करों के परिणामस्वरूप बन रहे हैं। नेचर एस्ट्रोनॉमी जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया कि गुरुत्वाकर्षण तरंगों ने इन ब्लैक होल के पिंडों के निर्माण के रहस्य से पर्दा उठाया है। कार्डिफ यूनिवर्सिटी के फैबियो एंटोनिनी के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने एलआईजीओ, केएजीआरए और वर्गो डिटेक्टरों की मदद से दर्ज किए गए 153 ब्लैक होल विलय का विश्लेषण किया। ये तरंगें, जिन्हें पहली बार 1915 में अल्बर्ट आइंस्टीन ने जनरल रिलेटिविटी के सिद्धांत के तहत प्रस्तावित किया था। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह समझना था कि क्या भारी ब्लैक होल सीधे बड़े सितारों के ढहने से बनते हैं या छोटे ब्लैक होल के बार-बार आपस में जुड़ने से। अध्ययन में ब्लैक होल्स की दो स्पष्ट श्रेणियां देखी गईं इसमें पहली कम द्रव्यमान वाले ब्लैक होल और दूसरी वो जो सुपरनोवा विस्फोट के बाद सितारों के कोर के ढहने से बने थे। शोधकर्ताओं ने पाया कि भारी ब्लैक होल की स्पिन तेज और विभिन्न दिशाओं में थी। टीम की सदस्य इसाबेल रोमेरो-शॉ के अनुसार, यह तेज और घूमने उल्टी-पुल्टी दिशा बताती है कि ये ब्लैक होल घने तारा समूहों के भीतर बार-बार हुई टक्करों से पैदा हुए हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, सूर्य के द्रव्यमान से 45 गुना बड़े सितारे मरने पर ब्लैक होल बनने के बजाय पूरी तरह से फट जाते हैं, 45 ब्लैक होल पहले से मौजूद ब्लैक होल के आपस में मिलने से बने। वैज्ञानिकों के मुताबिक, 45 सौर द्रव्यमान से बड़े ब्लैक होल का अस्तित्व केवल तभी संभव है जब वे पहले से मौजूद ब्लैक होल के आपस में मिलने से बने हों। यह खोज न केवल ब्लैक होल के बढ़ने की प्रक्रिया को स्पष्ट करती है।

ट्रंप की चीन यात्रा के दौरान गर्मजोशी की संभावना नहीं

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन की अपनी यात्रा से कुछ सप्ताह पहले से ही सोशल मीडिया पर यह भविष्यवाणी कर रहे थे कि उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग वहां पहुंचने पर मुझे गले लगाएंगे। हालांकि,माना जा रहा है कि ईरान के साथ चीन के प्रगाढ़ आर्थिक संबंध, साथ ही ट्रंप के पहले कार्यकाल से चले आ रहे टैरिफ की धमकियों को लेकर व्यापारिक तनाव, इस सप्ताह ट्रंप की बीजिंग यात्रा के दौरान माहौल को धूमिल कर सकते हैं। इस्राइल से दो विदेशी नागरिक निर्वासित इस्राइल ने रविवार को दो विदेशी कार्यकर्ताओं सैफ अबू केशेक (स्पेन) और थियागो अविला (ब्राजील) को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में गाजा जा रहे एक जहाजी बेड़े में गिरफ्तार करने के बाद निर्वासित कर दिया। ये 12 अप्रैल को स्पेन से शुरू दूसरे ग्लोबल सुमुद बेड़े का हिस्सा थे। इसका उद्देश्य गाजा में सहायता सामग्री पहुंचाकर इस्राइल द्वारा गाजा की नाकाबंदी को तोड़ना था। इन्हें 29 अप्रैल को इस्राइली अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। गाजा पर इस्राइल के हमले में तीन की मौत इस्राइल की तरफ से गाजा पर किए गए हमले में तीन फलस्तीनियों की मौत हो गई। इनमें हमास के पुलिस बल प्रमुख समेत दो लोग शामिल हैं। चिकित्साकर्मियों ने बताया कि रविवार को हवाई हमले में मगाजी शरणार्थी शिविर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। गाजा के हमास-नियंत्रित आंतरिक मंत्रालय के अनुसार, एक अन्य हमले में खान यूनिस में पुलिस बल के प्रमुख वेसम अब्देल-हादी और उनके सहयोगी की मौत हो गई। गाजा में युद्धविराम उल्लंघन का यह ताजा मामला है।

किम जोंग की हत्या हुई तो नॉर्थ-कोरिया न्यूक्लियर अटैक करेगा:संविधान में नया प्रावधान जोड़ा

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अपने संविधान और परमाणु नीति में बड़ा बदलाव करते हुए नया प्रावधान जोड़ा है। अब अगर देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग-उन की हत्या हो जाती है या किसी विदेशी हमले के दौरान वे लीडरशिप करने की हालात में नहीं रहते, तो उत्तर कोरिया तुरंत परमाणु हमला करेगा। ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बदलाव मार्च में तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद किया गया। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के मुताबिक, इन हमलों ने प्योंगयांग को सोचने पर मजबूर कर दिया और उत्तर कोरिया को डर सताने लगा कि भविष्य में ऐसा 'डिकैपिटेशन स्ट्राइक' यानी टॉप लीडरशिप को खत्म करने वाला हमला उसके खिलाफ भी हो सकता है। यह नया प्रावधान 22 मार्च को प्योंगयांग में शुरू हुए 15वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली के पहले सत्र के दौरान अपनाया गया। बाद में दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने सीनियर सरकारी अधिकारियों को इस बदलाव की जानकारी दी।

क्यों बदली गई उत्तर कोरिया की परमाणु नीति : डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान पर हुए हमलों ने उत्तर कोरिया की लीडरशिप को झकझोर दिया। हमलों की तेजी और सटीकता देखकर प्योंगयांग को लगा कि विदेशी शक्तियां किम जोंग-उन और उत्तर कोरियाई मिलिट्री लीडरशिप के खिलाफ भी इसी तरह का ऑपरेशन कर सकती हैं। सियोल स्थित कूकमिन यूनिवर्सिटी में इतिहास और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर आंद्रेई लांकोव ने मीडिया से कहा कि ईरान पर हुआ ऑपरेशन उत्तर कोरिया के लिए एक बड़ा चेतावनी संकेत बन गया। लांकोव ने कहा कि ईरान एक वेक-अप कॉल था। उत्तर कोरिया ने देखा कि अमेरिका और इजराइल के डिकैपिटेशन हमले कितने प्रभावी थे, जिन्होंने तुरंत ईरानी लीडरशिप के बड़े हिस्से को खत्म कर दिया। अब उत्तर कोरिया बेहद डरा हुआ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि संभव है ऐसी नीति पहले अनौपचारिक रूप से मौजूद रही हो, लेकिन अब इसे संविधान का हिस्सा बना दिया गया है।

उत्तर कोरिया में हमला करना मुश्किल : एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ईरान के मुकाबले उत्तर कोरिया में ऐसा हमला करना कहीं ज्यादा मुश्किल होगा। उत्तर कोरिया दुनिया के सबसे बंद देशों में से एक है। वहां विदेशी डिप्लोमैट्स, सहायता कर्मियों और कारोबारियों पर कड़ी निगरानी रखी जाती है, जिससे खुफिया जानकारी जुटाना बेहद मुश्किल हो जाता है। लोकल ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजराइली खुफिया एजेंसियों ने ईरानी नेताओं पर नजर रखने के लिए हैक किए गए ट्रैफिक कैमरों और डिजिटल सर्विलांस सिस्टम का इस्तेमाल किया था। हालांकि प्योंगयांग में ऐसा करना बहुत कठिन होगा।

भारतीय दवाओं पर अड़ंगे से नेपाल में गंभीर संकट, जीवन रक्षक औषधियों की घोर कमी का खतरा

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल सरकार की नीतियों में बदलाव व शुल्क बाधाओं से देश में जीवन रक्षक दवाओं का संकट पैदा होने लगा है। नेपाल औषधि आयातकर्ता संघ ने चेताया है कि मूल्य समायोजन में दिखाई गई उदासीनता के कारण निकट भविष्य में इन दवाओं का गंभीर संकट पैदा हो सकता है। नेपाल अपनी जरूरत की 70% दवा आयात करता है। इसमें 90% दवाएं भारत से आती हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष व आर्थिक दबाव के कारण दवाओं के कच्चे माल व उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है। भारत व अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दवाओं की कीमतें बढ़ चुकी हैं, लेकिन नेपाल ने 117 प्रकार की मूल्य नियंत्रित दवाओं के संबंध में अब तक कोई निर्णय नहीं किया है। नेपाल औषधि आयातकर्ता संघ के अध्यक्ष पवन आचार्य के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस अनुपात में कीमतें बढ़ी हैं, नेपाल में भी उसी के अनुसार समायोजन होना चाहिए। यदि कीमतें समायोजित नहीं की गईं, तो आयात करना संभव नहीं होगा। बाजार में इन दवाओं का भारी अभाव हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में डिपार्टमेंट ऑफ ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को औपचारिक जानकारी दी जा चुकी है।

भारतीय उत्पादकों की घटती रुचि, सुरक्षा चिंताजनक : नेपाल की ओर से 93 प्रकार की दवाओं के आयात पर रोक और आयात संबंधी बाधाएं खड़ी करने की नीति से भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों की रूचि घटने लगी है। आचार्य के अनुसार, यदि भारत से नेपाल होने वाला निर्यात घटता गया, तो उनका हित भी कम हो जाएगा।

सीमा शुल्क व नीतिगत बाधाएं : आयातकों ने सीमा शुल्क विभाग से पैदा की जा रही परेशानियों की भी शिकायत की है। आचार्य के अनुसार, प्रावधान 5% सीमा शुल्क का है, पर बिलों की प्रामाणिकता पर सवाल उठाकर 28% तक जुर्माना वसूला जा रहा है। सिटी स्कैन व एमआरआई में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन पर भी अतिरिक्त कर वसूला जा रहा है।

श्रीलंका में नाबालिग से रेप के आरोप में 71 वर्षीय बौद्ध भिक्षु गिरफ्तार; युवती की मां भी हिरासत में

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के वरिष्ठ बौद्ध भिक्षु पल्लेगामा हेमारथाना थेरो को नाबालिग लड़की से कथित रेप और यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। 71 साल के भिक्षु को कोलंबो के एक निजी अस्पताल से हिरासत में लिया गया।

हेमारथाना थेरो श्रीलंका के आठ पवित्र बौद्ध स्थलों के प्रमुख संरक्षक में रखने का आदेश दिया।

2 महीने पहले शिकायत दर्ज हुई थी : इस मामले की शिकायत मार्च में दर्ज कराई गई थी

Public Notice

I,Monika Shishodia W/o Shreyandra Singh R/o H. no. 139, Yamaha Vihar Colony, Sector 49, Barola, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh 201301, have changed the name of my minor Son Rudra Parth aged 11 years and he shall hereafter be known as Parth Singh. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I Santosh Kumar S/O Durga Prasad Sharma R/o A-126 SF Block A New Moti Nagar- 110015 have changed my name to Santosh kumar Sharma for all future purpose

NAME CHANGE

I ARUN KUMAR BANSAL S/O ANAND PRAKASH BANSAL R/o C - 603, Shri Sai baba Apartment Near Rohini East Metro station plot No 4, Sector 9 Rohini North west Delhi - 110085 have changed my name to Arun Bansal for all future purpose

NAME CHANGE

I Urmila W/o Lt Mahender Pal, R/o Plot No D-109/7 Kh No -26/9 1st Floor Blk -D Rama Vihar Mohammad Pur Majri po Karala Dist North West Delhi 110081 have changed my name to Urmila Devi for all future purpose

NAME CHANGE

I KAVITA PAL W/o Amit kumar R/o B-90 Arjun Park Najafgarh Dist South West Delhi - 110043have changed my name to Kavita for all future purpose

NAME CHANGE

i Girish S/o Ram Gopal Goel R/O Plot No 37 SECOT 9 Rohini Raja pur Kalan North west Delhi - 110085 have changed my name to Girish kumar Goel for all future purpose

NAME CHANGE

I sunita W/o Amar Singh Solanki R/o U1,204 Kingsbury TDI City Rasoi (42) Sonipat, Haryana - 131029 have changed my name to Sunita Solanki

NAME CHANGE

i Jyoti Vashisth W/o Mukesh kumar Singh R/o b 122/1 kh No 293 B Block Gali No 8 Sushila Garden Mandoli Saboli Delhi - 110093 have my name to Pooja Kumari for all future purpose

NAME CHANGE

I, BILAL MOHAMMAD S/o ABDUL GANI R/o D-421, NEAR JAMA MASJID, JAITPUR EXTN., PART-2, BADARPUR, DELHI-110044, have changed my name to MOHD BILAL for all purposess.

NAME CHANGE

I hitherto known as Mohammad Sahil Saifi alias Sahil Saifi S/O Mohammad Idrish Saifi, C-6/39, Sector-5, Rohini, 2nd Floor, Rohini Sector 5, North West Delhi, Delhi - 110085, have changed my name and shall hereafter be known as Mohammad Sahil Saifi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Sarswati: W/O: Ram Avtar, R/O Shafipur(139), Jhajjar, Achhej, Haryana, 124106, have changed my name and shall hereafter be known as SARASWATI.

ईरान ने अमेरिका को फिर भेजा शांति प्रस्ताव, डोनाल्ड ट्रंप ने देखते ही किया खारिज

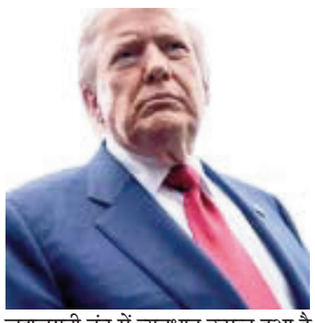

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने की तमाम कोशिशें नाकाम ही होती नजर आ रही हैं। उधर होर्मुज बंद होने और अमेरिका की नाकेबंदी की वजह से दुनियाभर में तेल और गैस का संकट गहराता हीचला जा रहा है। ईरान ने अमेरिका को एक और शांति का प्रस्ताव भेजा था लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने उसे स्वीकार करने से सीधे तौर पर इनकार करद या। रविवार को ईरान ने अमेरिका के सामने एक नया प्रस्ताव रखा था। इसके मुताबिक हर मोर्चे पर युद्धविराम करने की मांग की गई थी। खास तौर पर लेबनान में संघर्ष रोका जाना और होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित आवाजाही पर जोर दिया गया था।

क्या थीं ईरान की शर्तें : ईरान का कहना था कि युद्ध में जो उसे नुकसान हुआ है उसकी अमेरिका भरपाई करे और मुआवजा दे। इसके अलावा ईरान की शर्त थी कि अमेरिका अपने प्रतिबंध हटा ले और ईरान के तेल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने की पूरी छूट दी जाए। इस प्रस्ताव में कहा गया था कि होर्मुज पर ईरान की संप्रभुता को स्वीकार किया जाए। डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के इस प्रस्ताव को तत्काल खारिज कर दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ही साफ कर दिया है कि यह डील उनके लिए अस्वीकार्य है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने रविवार को कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत में शामिल होने का मूल मकसद देश के अधिकारों को सुरक्षित करना और राष्ट्रीय हितों की मजबूती से रक्षा करना है। इसका अर्थ किसी के आगे आत्मसमर्पण करते हुए पीछे हटना नहीं है। गौरतलब है कि ईरानी सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार पेजेश्कियन ने कहा कि ईरानी राष्ट्र 'दुश्मन के सामने कभी नहीं झुकेगा।

अमेरिका ने भी दिया था शांति प्रस्ताव : वाशिंगटन और तेहरान के बीच जारी वार्ता में पाकिस्तान मध्यस्थता कर रहा है। मौजूदा तनाव के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले जहाजरानी तंत्र में व्यवधान उत्पन्न हुआ है और वैश्विक ऊर्जा बाजार हिल गए हैं। भारत के साथ पाकिस्तान के पिछले संघर्ष (ऑपरेशन सिंदूर) की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शरीफ ने रविवार को कहा: 'फिलहाल, फील्ड मार्शल (आसिम मुनीर) ने मुझे सूचित किया है कि हमें ईरान का जवाब मिल गया है। मैं इससे अधिक विवरण नहीं दे सकता।' इससे पहले, ईरानी मीडिया ने बताया था कि तेहरान ने अमेरिकी प्रस्ताव पर अपनी प्रतिक्रिया पाकिस्तान को सौंप दी थी, जिसे बाद में वाशिंगटन को भेज दिया गया था। अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के परिणामस्वरूप युद्ध शुरू हुआ था। फिलहाल आठ अप्रैल से युद्धविराम जारी है। ईरान ने रेसलिंग हाउस पर अमेरिका-इजराइल का हमले का वीडियो शेयर किया भारत में ईरान के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंटने एक सीसीटीवी वीडियो शेयर किया है। पोस्ट में दावा किया गया है कि यह वीडियो जंग के दौरान मार्टर मोस्तफा सदरजादेह रेसलिंग हाउस पर हुए अमेरिका-इजराइल हमले का है। पोस्ट किए गए वीडियो में कथित तौर पर एक इमारत के अंदर धमाके और अफरा-तफरी जैसा नजारा दिख रहा है। अमेरिकी रक्षामंत्री ने हथियार कम पड़ने के दावे को खारिज किया अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान युद्ध के कारण अमेरिका के हथियारों का स्टॉक तेजी से कम होने के दावों को खारिज कर दिया है। दरअसरल अमेरिकी नेवी के रिटायर्ड कैप्टन और डेमोक्रेटिक सीनेटर मार्क केली ने ट्विटर को दिए इंटरव्यू में कहा था कि पेंटागन ने उन्हें बताया है कि अमेरिका ने बहुत बड़ी मात्रा में हथियार खर्च कर दिए हैं। पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मार्क केली के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने डेमोक्रेटिक सीनेटर मार्क केली पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया। हेगसेथ ने कहा कि केली टीवी पर पेंटागन की क्लासिफाइड ब्रीफिंग से जुड़ी गलत जानकारी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि केली गलत और बेवकूफी भरी बातें कर रहे हैं। केली ने चेतावनी दी थी कि अगर भविष्य में चीन या किसी दूसरे मोर्चे पर बड़ा संघर्ष होता है, तो अमेरिका कम सुरक्षित स्थिति में होगा। केली ने दावा किया कि मौजूदा हथियार भंडार को फिर से तैयार करने में कई साल लग सकते हैं।

कॉफी भूख दबाकर वजन घटाने में करती है मदद

कॉफी पीने से नींद भागती, थकान दूर होती है और कभी-कभी तो यह मूड अच्छा करने के भी काम आती है। मगर एक अध्ययन में कहा गया है कि यह बेहद लोकप्रिय पेय वजन घटाने में भी मददगार होता है। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के शोध में कहा गया है कि कॉफी भूख को नियंत्रित करती है, जिससे लोगों को खाने की तलब कम लगती है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि कॉफी का सेवन करने वाले की भूख दब जाती है। इससे उन्हें कम भूख लगती है। शोध के दौरान विशेषज्ञों ने देखा कि रोजाना दो कप कॉफी पीने वालों का वजन नियंत्रित था। इससे पता चलता है कि कॉफी लोगों का चयापचय बढ़ाने के साथ ही उनकी भूख को नियंत्रित कर वजन घटाने में मदद करती है। अध्ययन के दौरान 47 लोगों पर कॉफी पीने के जैविक प्रभावों को देखा गया। शुरुआत में इनसे एक माह के लिए अपनी प्रिय हॉट कॉफी से दूर रहने को कहा गया। दूसरे माह में इन्हें एक दिन में चार कॉफी के पीने को दिए गए। तीसरे माह में इन्हें आठ कप कॉफी पीने को कहा गया।

तीन माह तक चले इस अध्ययन में विशेषज्ञों ने लोगों के रक्त में कॉफी के प्रभावों का अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने कहा कि शरीर के एंडोकैनाबिनॉइड तंत्र ने तत्वों का स्राव किया, जिसके कारण मारिजुआना का नशा करने वाले मदमस्त हो जाते हैं। कॉफी पीने से इन तत्वों में गिरावट आई और उनकी भूख पर नियंत्रण रहा।

मजबूत हड्डियां कल के लिए

कई लोगों को ऐसा लगता है कि आर्थराइटिस बुजुर्गों की बीमारी है। जिसकी वजह से उनके जोड़ों में दर्द और तकलीफ महसूस होती है। लेकिन आर्थराइटिस के अत्यधिक लक्षणों के साथ यह बुजुर्गों की तुलना में युवाओं को अधिक तकलीफ देता है।

एक विज्ञापन कंपनी में डिजिटल मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव श्रुति (32), को दफ्तर में लंबे समय तक खड़े रहने में परेशानी महसूस होने लगी है। कुछ दिनों तक नजरअंदाज करने के बाद, उसके हाथों और उंगलियों पर सूजन उभर आया। उसने सोचा कि यह कोई मामूली-सी चीज है, लेकिन डॉक्टर ने जांच के बाद पाया कि यह रूमेटॉयड आर्थराइटिस (आरए) है। एक बार तो श्रुति को लगा कि उसके डॉक्टर से शायद कोई गलती हुई है, क्योंकि आरए होने के लिए उसकी उम्र अभी बहुत ही कम है। वह अपने परिवार के कुछ लोगों को जानती है, जो आर्थराइटिस से पीड़ित हैं, लेकिन उनमें से किसी की भी उम्र 50 वर्ष से कम नहीं। और शायद युवाओं में यह एक आम सोच है, इसलिए उनमें से अधिकांश अपनी हडिडयों की सेहत को लेकर कोई परवाह नहीं करते। उन्हें लगता है कि वे अभी बहुत युवा हैं, लेकिन अब समय आ गया है, लोगों को अपनी सोच बदलने का कि यह बुजुर्गों की बीमारी होती है। सेंटर फॉर नी एंड हिप केयर के सीनियर सर्जन डॉ अखिलेश यादव का कहना है, की मूल रूप से ऑस्यिोआर्थराइटिस, आर्थराइटिस का ही एक रूप है, जो कि उम्र बड़ने पर अधिक पाई जाती है, लेकिन रूमेटॉयड आर्थराइटिस किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकती है।

क्या होती है रूमेटॉयड आर्थराइटिस की समस्या ?

रूमेटॉयड आर्थराइटिस एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जहां आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली अत्यधिक सक्रिय हो जाती है और आपके शरीर के अंदरूनी जोड़ों पर हमला करने लगती है। यह आपको किसी भी उम्र में प्रभावित कर सकता है। इसके सामान्य लक्षणों में शामिल है जोड़ों में सूजन, सुबह उठने पर उनमें कड़ापन, दर्द जो खत्म नहीं होता, यह कई हफ्तों तक बना रहता है। हालांकि, इससे इस बीमारी से लड़ने के कई तरीके हैं।

- डॉ. अखिलेश यादव

हड्डियों को बनाएं मजबूत

- हड्डियों की सेहत के लिए सुबह की धूप लेना बहुत महत्वपूर्ण है।
- ज्यादतार युवा जिनका अधिकांश समय कार या ऑफिस के अंदर बीतता है, उन्हें सुबह के समय थोड़ी देर धूप में जरूर बिताना चाहिए। साथ ही उन्हें सेहतमंद जीवनशैली जीने पर जोर देना चाहिए, जैसे नियमित रूप से जिम जाना, उछल-कूद वाले खेलों में हिस्सा लेना, जॉगिंग, स्वीमिंग, टेनिस खेलना आदि। इससे जोड़ों के आस-पास की मांसपेशियां मजबूत रहती हैं।
- हॉबी आधारित गतिविधियां जैसे डांसिंग, एरोबिक्स, योगा, पाइलेट्स और टहलना आदि। क्योंकि हडिडयों को दबाव की जरूरत होती है और यदि हम ऐसा नहीं करते हैं तो वे कमजोर हो जाते हैं।
- हफ्ते में कम से दो घंटे अपने अपने पैरों पर जरूर थोड़ा दबाव डालें।
- आर्थराइटिस के कई मरीजों को ऐसा लगता है कि वे अपने पसंद की चीजें नहीं कर सकते, जैसे दौड़ना, तेज गति वाले खेल, लेकिन सही इलाज के साथ लोग इस तरह गतिविधियों का मजा ले सकते हैं।

आर्थराइटिस से बचाव के उपाय-

- आर्थराइटिस के प्रभाव को कम करने के लिए युवाओं को अपने भोजन में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम लेना चाहिए।
- धूम्रपान, उचित रूप में भोजन न करना, शराब पीने जैसे अस्वस्थकर आदतें हडिडयों की कार्यप्रणाली पर विपरीत प्रभाव डालते हैं और इससे उन लोगों में आरए होने का खतरा बढ़ जाता है, जिनकी फैमिली हिस्ट्री में यह बीमारी होती है।
- प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ लें, जिसमें वसा की मात्रा कम हो और पर्याप्त मात्रा में खनिज हों।
- जंक फूड खाने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे केवल वजन बढ़ता है, इसलिए ऐसे खाद्य पदार्थ न लें।
- यदि किसी को बचपन में मिरगी की समस्या रही हो तो उनके शरीर में कैल्शियम का अवशोषण होने में परेशानी होती है, इस बारे में अपने डॉक्टर से जरूर बात करें।
- यदि आपके पैरों में एक हफ्ते से अधिक जोड़ों में दर्द या कड़ापन हो, तो देर न करें तो तुरंत ही रूमेटोलॉजिस्ट से सलाह लें, यदि जरूरत होगी तो वे आपको ब्लड टेस्ट करवाने की सलाह देंगे।

रेसिपी

कैरी की चटनी

- कच्चा आम
- आधा कप कद्दूकस नारियल
- 1 चम्मच चीनी
- गुड़
- आधा कप बारीक कटा हरा धनिया
- नमक स्वादानुसार
- 1 चम्मच तेल
- 1 चम्मच चना दाल
- चुटकी भर मैथी दाना
- पाव चम्मच जीरा
- 2-3 सूखी लाल मिर्च
- मीठा नीम
- चुटकी भर हींग
- 1 चम्मच तेल और राई

विधि

सबसे पहले कच्चे आम को कद्दूकस कर लें। इसके बाद सबसे पहले कड़ाही में तेल गरम कर चना दाल, मैथी और जीरा डालकर भून लें। लाल मिर्च, मीठा नीम, हींग और कद्दूकस किया हुआ, कच्चा आम डालें और 3-4 मिनट तक नरम होने दें। ठंडा होने पर इसमें नारियल, गुड़ या शक्कर, हरा धनिया, हल्दी और नमक डालें और खाने के साथ सर्व करें।

पनीर पालक भुर्जी

- पालक- 1 किलो
- पनीर- 200 ग्राम (कद्दूकस किया हुआ)
- टमाटर- 4
- हरी मिर्च- 1
- अदरक- 1/2 इंच टुकड़ा
- काजू- 10-12 (कटे हुए)
- जीरा- 1/4 छोटी चम्मच
- हींग- चुटकीभर
- हल्दी पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच
- नमक - स्वादानुसार
- हरा धनिया- 1 टेबल स्पून
- तेल आवश्यकतानुसार
- गरम मसाला- 1/4 छोटी चम्मच

विधि

पालक के पत्तों को धोकर बारीक काट लेंगे। टमाटर, अदरक, हरी मिर्च के साथ मिक्सचर में पीस लें। कढ़ाही में तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें हींग, जीरा डालकर तड़का लगाएं। इसमें बाद हल्दी पाउडर, टमाटर-अदरक-हरी मिर्च वाला पेस्ट डालकर अच्छे से भूने लें। अब मसाले में कटा हुआ पालक, नमक डालकर अच्छी तरह 2-3 मिनट तक भुनें। पूरा पानी सूख लें। पके हुए पालक में काजू के टुकड़े, गरम मसाला और पनीर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। बाद में हरी धनिया डालकर डालें। तैयार है स्वादिष्ट पालक भुर्जी। जिसे रोटी या चावल किसी के भी साथ सर्व कर सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

हंसी के फूव्वारें

दारोगा (रमेश से)- जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा था?
रमेश (दारोगा से)- हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे थे.
दारोगा (रमेश से)- अरे मै घड़ी का पूछ रहा हूं उसमे कितना बजा था?
रमेश (दारोगा से)- साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई.

□ □ □

महेश (संजय से) - मुझे खुशी इस बात की है कि मेरा बॉस एक डॉक्टर है.
संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बॉस में?
महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड रेस्ट की सलाह दे देता है.

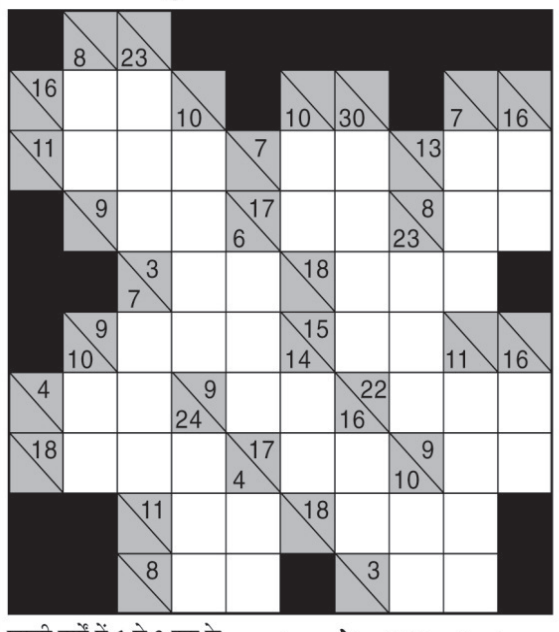

□ □ □

दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे.
पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे तो उसे क्या करना चाहिए?'
दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए.'

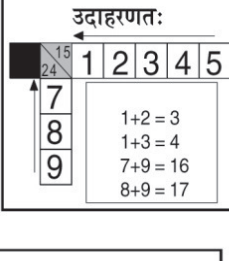

□ □ □

राम (मोहन से)- क्या कर रहे हो?
मोहन- दोस्त को पत्र लिख रहा हूं.
राम- लेकिन तुम्हें लिखना नहीं आता.
मोहन (राम से)- तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है.

काकुरो पहेली - 4052

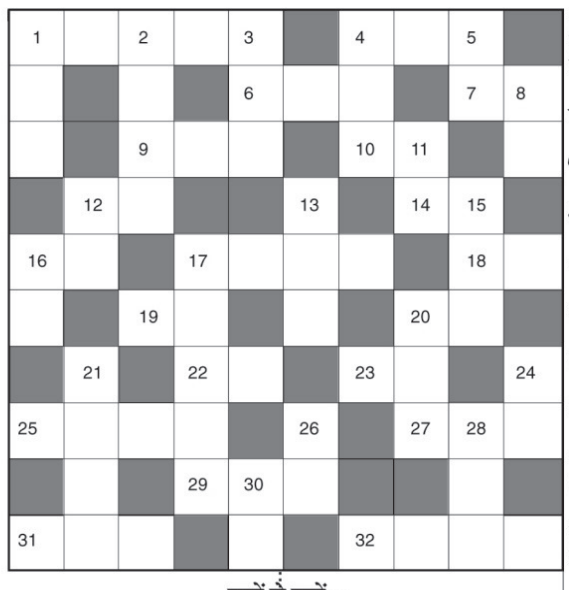

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो -4051 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 4052

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यार वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६.फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०.संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नतान्या सिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4051

सूडोकु -4052

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4051 हल

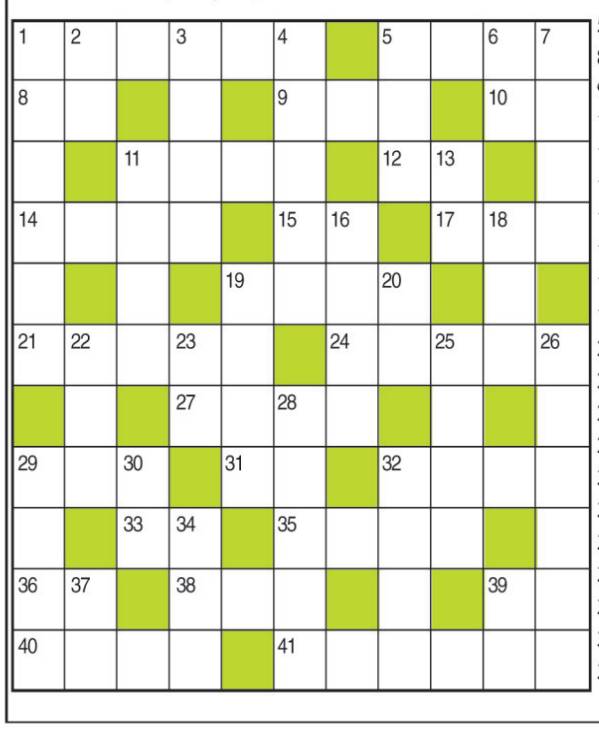

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 4052

बाएँ से दाएँ

1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.रूखा, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पथ प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवणेंद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे

1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.राजी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -4051का हल

पश्चिमी बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या में आरोपित शूटर राज सिंह अयोध्या से गिरफ्तार

एजेंसी

अयोध्या। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए (वैयक्तिक सहायक) चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में उत्तर प्रदेश के जनपद अयोध्या से आरोपित शूटर राज सिंह को गिरफ्तार किया गयाढ्ढ अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर ने सोमवार को बताया कि इस मर्डर केस की जांच कर रही पश्चिम बंगाल पुलिस ने रविवार देर छापेमारी कर आरोपित मुख्य शूटर को गिरफ्तार किया है। आरोपित की गिरफ्तारी उस वक्त हुई जब वह निजी वाहन से भागने की फिराक में था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कोलकाता पुलिस को इनपुट मिला था कि हत्या में शामिल एक संदिग्ध शूटर लखनऊ से गोरखपुर की ओर जा रहा है। इस सटीक सूचना के आधार पर उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ बंगाल पुलिस की टीम ने समन्वय स्थापित किया और कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के बूथ नंबर चार के पास नेशनल हाईवे पर घेराबंदी कर संदिग्ध की प्राइवेट कार को पुलिस ने चारों तरफ से घेर कर युवक को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए युवक राज सिंह की पहचान उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के निवासी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह लखनऊ में एक शादी समारोह से लौट रहा था ।

नगर पालिका भर्ती घोटाले में बंगाल के पूर्व मंत्री सुजीत बोस गिरफ्तार

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नगरपालिका भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में पश्चिम बंगाल के पूर्व दमकल मंत्री और बिधाननगर के पूर्व विधायक सुजीत बोस को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के अनुसार सोमवार सुबह लगभग 11 बजे सुजीत बोस पूछताछ के लिए सॉल्टलेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में ईडी कार्यालय पहुंचे थे। इसके बाद एजेंसी ने उनसे लगभग 10 घंटे तक लगातार पूछताछ की। लंबी पूछताछ के बाद सोमवार शाम उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। यह कार्रवाई नगरपालिका भर्ती घोटाले की जांच के तहत की गई है। इससे पहले भी एक मई को सुजीत बोस ईडी के सामने पेश हुए थे। चुनाव के दौरान वह कई बार एजेंसी के समन से अनुपस्थित रहे थे, जिसके बाद कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश पर उन्होंने एजेंसी के समक्ष हाजिरी दी थी। जांच की शुरुआत एसएससी भर्ती घोटाले के दौरान हुई थी, जब अयन शील नामक व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद उसके कार्यालय से कई ओएमआर शीट बरामद हुई थीं। उसी जांच के दौरान कई नगर पालिकाओं में भर्ती में अनियमितताओं और बड़े पैमाने पर धन लेन-देन की जानकारी सामने आई थी। जांच में तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं और मंत्रियों के नाम भी सामने आए थे। इसी मामले में ईडी ने पहले भी सुजीत बोस के घर और कार्यालय में तलाशी ली थी। एजेंसी ने इस मामले में उनके बेटे से भी पूछताछ की है।

इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस सम्मेलन से पहले पांच प्री समिट होस्ट करेगा पर्यावरण मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत मंडपम में एक जून को आयोजित होने जा रहे इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस-आईबीसीए सम्मेलन से पहले पांच प्री समिट का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से दुनिया के देशों में पाई जाने वाली पांच विशालकाय बिल्लियां-बाघ, शेर, चीता, स्नो लेपर्ड और तेंदुआ के संरक्षण के लिए किए जा रहे भारत के प्रयासों को सदस्य देशों को बताया जाएगा। इन पांच प्री समिट में वन और पर्यावरण मंत्रालय ने पांचों बड़ी बिल्लियों को उनके संरक्षण के लिहाज से किए गए प्रयासों को बताया जाएगा। मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि इन पांच सम्मेलनों में 14 मई कोगिर राष्ट्रीय उद्यान में शेर संरक्षण, 18 मई को भोपाल में चीता संरक्षण, 22 मई को भुवनेश्वर में तेंदुआ सरंक्षण, 25 को नागपुर के चंद्रपुर में चीता और गंगटोक में स्नो लेपर्ड को लेकर आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सात बिग कैट प्रजातियों में बाघ, शेर, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड, चीता, जगुआर और प्यूमा और उनके पारिस्थितिकी तंत्र के बचाव पर लक्षित करते हुए, यह सम्मेलन पर्यावरण अनुकूल और सतत विकास में जैव विविधता बचाव की अहम भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित करने में एक बड़ा मील का पत्थर होगा।

बेहतर पोषण, वैज्ञानिक नीति निर्माण से जुड़ेगा कृषि क्षेत्र, सेहत मिशन की हुई शुरुआत

नई दिल्ली। खेती को बेहतर पोषण, रोग-निवारण, किसान कल्याण और वैज्ञानिक नीति-निर्माण से जोड़ने के उद्देश्य भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने सेहत मिशन की शुरुआत की। आईसीएआर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा और कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल और आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट भी उपस्थित रहे। मंत्री नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि सेहत मिशन भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया में एक बड़े बदलाव का प्रतीक है, जहां सरकार अब केवल इलाज पर नहीं, बल्कि रोकथाम, समय पर पहचान और निरंतर देखभाल पर बल दे रही है।

दुर्लभ जलीय वन्यजीवों की तस्करी से जुड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर मप्र की बड़ी कार्रवाई

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश वन विभाग की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने दुर्लभ जलीय वन्यजीवों की तस्करी से जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा करते हुए महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। एसटीएसएफ की विस्तृत जांच और एकत्रित साक्ष्यों के आधार पर इंटरपोल मुख्यालय फ्रांस ने बांग्लादेश के फरार आरोपित अल हज शफीकुल इस्लाम रहमान तालुकदार उर्फ रेमंड तालुकदार के विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया है। जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने बताया कि यह कार्रवाई वन्यजीव अपराधों के विरुद्ध मध्य प्रदेश की सक्रिय और प्रभावी रणनीति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली बड़ी मान्यता के रूप में देखी जा रही है। उन्होंने बताया कि स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने जुलाई-2025 में मुरैना जिले में कार्रवाई करते हुए घड़ियाल के 30 बच्चे, 17 रेड-क्राउन्ड रूफ्ड टर्टल तथा 19 थ्री-स्ट्राइप्ड रूफ्ड टर्टल बरामद किए थे। इस मामले में वन अपराध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना में सामने आया कि यह संगठित गिरोह दुर्लभ जलीय वन्यजीवों की तस्करी कर पश्चिम बंगाल के रास्ते बांग्लादेश भेजता था, जहां से इन्हें म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया सहित दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में सप्लाई किया जाता था। मध्य प्रदेश की एसटीएसएफ ने अन्य राज्यों में भी समन्वित कार्रवाई करते हुए इस प्रकरण में अब तक छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मार्च 2026 में देश के बड़े जलीय वन्यजीव तस्करों में शामिल तारकनाथ घोष को कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ, डिजिटल इनपुट और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर गिरोह के मुख्य सरगना के रूप में बांग्लादेश निवासी तालुकदार की भूमिका सामने आई। इसके बाद एसटीएसएफ द्वारा एकत्रित ठोस साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट प्राप्त किया गया तथा केंद्र सरकार और इंटरपोल के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई की गई। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, वन विभाग के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप इंटरपोल ने 29 अप्रैल 2026 को आरोपित के विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया। इस पूरी कार्रवाई में वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो, नई दिल्ली का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। उल्लेखनीय है कि इंटरपोल विश्व के 195 से अधिक देशों का अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जो वैश्विक स्तर पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करता है। वन्यजीव अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई और पेशेवर जांच के लिए इंटरपोल द्वारा पूर्व में भी चार बार मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स के कार्यों की सराहना की जा चुकी है। जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि मध्य प्रदेश में वन एवं वन्यजीव संरक्षण को लेकर लगातार प्रभावी और परिणामोन्मुखी प्रयास किए जा रहे हैं।

नीट के कथित प्रश्नपत्र लीक से 22 लाख विद्यार्थियों का भरोसा टूटा : राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट-2026 परीक्षा में कथित प्रश्नपत्र लीक की खबरों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि परीक्षा से पहले प्रश्नों के व्हाट्सएप पर बिकने की खबरें सामने आई हैं, जिससे लाखों विद्यार्थियों का भरोसा टूटा है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि 'परीक्षा नहीं- नीट अब नीलामी है।' उन्होंने कहा कि 22 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं ने पूरे वर्ष कठिन परिश्रम किया, लेकिन एक रात में उनका भविष्य दांव पर लग गया। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है। पिछले 10 वर्षों में 89 प्रश्नपत्र लीक और 48 बार दोबारा परीक्षाएं कराने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार सरकार आश्वासन देती है, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं होता।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार अपनी विफलताओं का बोझ जनता पर डाल रही है और इसका असर गरीब परिवारों के बच्चों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं के सपनों और भविष्य की सुरक्षा सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि वह देश के युवाओं के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में बदलाव की आवश्यकता है और इसे मिलकर बदला जाएगा।

आंध्र प्रदेश में पांच लाख की इनामी नक्सली 'लक्ष्मी' ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में पांच लाख रुपये की इनामी महिला नक्सली पोडियम लक्ष्मी ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। लक्ष्मी ने औपचारिक रूप से अपने हथियार डाल दिए और मुख्यधारा में पुनर्वास का विकल्प चुना। यह आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र में हुआ, जहां लक्ष्मी लंबे समय से माओवादी आंदोलन की दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी की सदस्य के रूप में सक्रिय थी। पोडियम लक्ष्मी, छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र की निवासी है। वह छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश सीमा पर सक्रिय प्रमुख नक्सली कैडरों में से एक थी।

पुलिस के अनुसार, वह इस त्रि-जंक्शन क्षेत्र में माओवादी समूह के लिए गुरिल्ला गतिविधियों और रसद सहायता में गहराई से शामिल थी। इस क्षेत्र को संवेदनशील वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र माना जाता है। लक्ष्मी ने अल्लूरी सीताराम राजू जिले में पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया, जहां उसने औपचारिक प्रक्रिया के तहत अपने हथियार और गोला-

बारूद सौंप दिए। इस कदम को नक्सली नेटवर्क के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि उनके सक्रिय मध्यम स्तर के कैडरों में से एक ने स्वेच्छा से सशस्त्र संघर्ष छोड़ दिया है।

सरकार की पुनर्वास और एकीकरण नीति के तहत, आंध्र प्रदेश पुलिस ने उसे मुख्यधारा में वापसी योजना के अंतर्गत शामिल किया है। अधिकारियों ने बताया कि उसे निर्धारित पुनर्वास अनुदान सौंप दिया गया है और नागरिक जीवन में फिर से घुलने-मिलने में उसकी मदद की जा रही है। उल्लेखनीय है कि अल्लूरी सीताराम राजू सीमा क्षेत्र की एक 5 लाख की इनामी महिला कैडर का आत्मसमर्पण सुरक्षाबलों के लिए मनोबल बढ़ाने वाला माना जा रहा है। यह केंद्र सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के बढ़ते प्रभाव का संकेत है। पिछले कुछ वर्षों में, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों में नक्सलियों द्वारा हथियार छोड़ने का सिलसिला जारी है क्योंकि सरकार आगे आने वालों को वित्तीय प्रोत्साहन और सहायता प्रदान कर रही है।

मध्य प्रदेश पुलिस ने अटूट साहस और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर बनाई विशेष पहचान : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश पुलिस के अधिकारी और कर्मचारियों ने अपने अटूट साहस और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर अपनी विशेष पहचान बनाई है। पुलिस के भरोसे पर ही सरकार सुशासन के मार्ग पर चलती है। प्रदेश पुलिस ने जिस प्रकार से धाक और साख बनाई है वह निश्चित ही प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल रविन्द्र भवन में आयोजित केएफ रुस्तमजी पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश की शांति और सुरक्षा के लिए असधारण कार्य करने वाले 101 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को वर्ष 2019-2020 और 2020-2021 के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सम्मानित होने वाले पुलिस अधिकारी-कर्मचारी और उनके परिजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य की शांति और सुरक्षा व्यवस्था देशभक्ति और जनसेवा में समर्पित वर्ष के पुरस्कार एक साथ दिये जा रहे हैं। कर्तव्यनिष्ठा और असाधारण कार्य के लिए प्रोत्साहन स्वरूप दिये जाने वाले यह पुरस्कार आगामी वर्षों में प्रति

पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को सम्मानित कर मैं स्वयं गर्व का अनुभव कर रहा हूँ। यह पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की दक्षता, योग्यता और क्षमता का ही परिणाम है कि उन्हें केएफ रुस्तमजी पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। पुलिस विभाग में जो भी नवाचार किया जाना है, राज्य सरकार का पूर्ण सहयोग उसके साथ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दो वर्ष प्रदान किये जाएं। यह सुनिश्चित किया जाये कि पुरस्कार वितरण में भविष्य में विलंब न हो। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले पुरस्कारों की राशि बढ़ाने को मंजूरी दी गई है। पहले पुलिस महानिदेशक (डीजी) स्तर पर 25 हजार रुपये तक के पुरस्कार दिए जाते थे, जिसे अब बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दिया गया है।

स्वदेशी कौशल और आधुनिक तकनीक ही आत्मनिर्भर भारत की वास्तविक आधारशिला: गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित 'प्रकृति संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, केंद्रीय सड़क, परिवहन एवम राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि स्वदेशी कौशल और आधुनिक तकनीक का संगम ही आत्मनिर्भर भारत की वास्तविक आधारशिला है। गडकरी ने इस विचार गोष्ठी में 'स्वदेशी, स्वावलंबन और प्रकृति संरक्षण' के महत्व पर जोर दिया। डॉ. गोविंद जी के विचारों और व्यक्तित्व से प्रेरणा लेते हुए, गडकरी ने भारत को 'ऊर्जा आयात' करने वाले देश के बजाय 'ऊर्जा निर्यात' करने वाला देश बनाने का विजन साझा किया। मंत्री ने बताया कि भारत वर्तमान में 22 लाख करोड़ रुपए का जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल-डीजल) आयात करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पानी से बनने वाली ग्रीन हाइड्रोजन ऊर्जा, डामर (बिटुमेन) और हवाई ईंधन का भी प्रदाता बन रहा है। 100 प्रतिशत इथेनॉल पर चलने वाली 'फ्लेक्स इंजन' गाड़ियां अब हकीकत हैं। उन्होंने बताया कि इथेनॉल 65 रुपए लीटर है, जबकि पेट्रोल 120 रूपए लीटर, जिससे जनता का पैसा भारत की ऊर्जा निर्भरता को समाप्त कर देगी।गडकरी ने कहा कि आज का किसान केवल अन्न ही नहीं, बल्कि

विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है और नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार, डिजिटल सार्वजनिक ढांचा, स्टार्टअप विकास और विनिर्माण द्वारा वैश्विक परिवर्तन बचेगा।मंत्री ने बताया कि पराली जलाने के बजाय अब उससे बायो-सीएनजी और 'सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल' (हवाई ईंधन) बनाया जा रहा है। पानीपत में इस दिशा में बड़ा प्रोजेक्ट शुरू हो चुका है। 'वेस्ट टू वेल्थ' के सिद्धांत पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि गाजीपुर जैसे कूड़े के ढेरों से 80 लाख टन कचरा निकालकर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और द्वारका एक्सप्रेसवे जैसे निर्माण कार्यों में इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने घोषणा की कि 2027 तक देश के सॉलिड वेस्ट (ठोस कचरे) की समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। गडकरी ने पारिस्थितिकी और पर्यावरण के संरक्षण को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि बाघों और अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए पेंच टाइगर रिजर्व (मध्य प्रदेश/महाराष्ट्र) और अन्य जंगलों में पुलों (अंडरपास) और सुरंगों का निर्माण किया गया है। अब पेड़ों को काटने के बजाय 'ट्रांसप्लांट' करने पर जोर दिया जा रहा है। औरंगाबाद में 100 साल पुराने पेड़ों को सफलतापूर्वक दूसरी जगह रोपित किया गया है। मंत्री ने बताया कि उनकी रुचि राजनीति से अधिक कृषि और ग्रामीण विकास में है। उन्होंने 'एम्ब्रियो ट्रांसफर' जैसी आधुनिक पशुपालन तकनीक और जैविक खेती के लाभ गिनाए।

मनोज कुमार अग्रवाल बने बंगाल के नए मुख्य सचिव

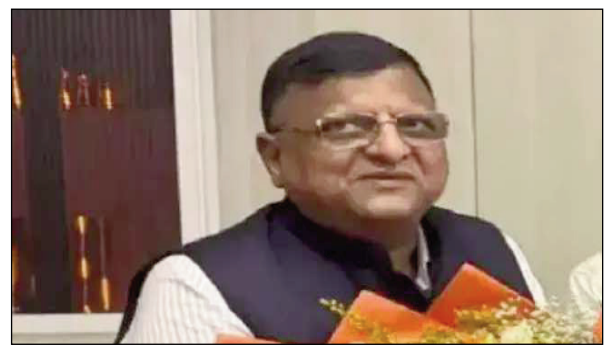

एजेंसी

कोलकाता। मनोज कुमार अग्रवाल को पश्चिम बंगाल का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया। इससे पहले हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान वे पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव आयुक्त पद पर आसीन थे। उत्तर प्रदेश के निवासी और आईआईटी कानपुर से स्नातक मनोज कुमार अग्रवाल 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। अनुभव के मामले में वे प्रमुख अधिकारियों में से एक हैं। प्रशासनिक बैठक के दौरान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें नए पद पर नियुक्ति की घोषणा की। मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में हिंसा मुक्त चुनाव हुए हैं। चुनाव के बाद मनोज अग्रवाल को शुभेंदु अधिकारी सरकार में नई जिम्मेदारी मिली है।

विशाल बिल्लियों के प्राकृतिक वास पुनर्स्थापन के लिए कॉर्पोरेट वित्तपोषण आवश्यक : भूपेंद्र यादव

एजेंसी

नई दिल्ली।केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि विशाल बिल्लियों के प्राकृतिक वास पुनर्स्थापन, प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी और सर्वेक्षण, सामुदायिक संरक्षण, क्षमता निर्माण और संरक्षण जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मदद के लिए कॉर्पोरेट वित्त पोषण आवश्यक है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वैश्विक अर्थव्यवस्था, उद्योग और समाज का भविष्य और विजन फॉर इंडिया एट 100 विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए भूपेन्द्र यादव ने कहा कि भारत 1 और 2 जून को नई दिल्ली में पहले अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट शिखर सम्मेलन की मेजबानी में करेगा। इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विश्व की सात विशाल बिल्लियों (बिग कैट)- बाघ, शेर, चीता, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, जगुआर और प्यूमा- के संरक्षण की पहल है। अंतर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस का मुख्यालय भारत में है। भूपेन्द्र यादव ने सभी से बिग कैट को बचाने के

लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उनके भविष्य की रक्षा कर हम अपना भविष्य भी बचा रहे हैं, क्योंकि बडे शिकारी और संरक्षित वन्य जीव प्रजाति होने के नाते, बिग कैट पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखते हैं तथा विशाल भूभागों, जैव विविधता और जल संसाधनों की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को आकार देने में योगदान दे रहा है।उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापन क्षमता में भारत अब वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है और देश की कुल सौर ऊर्जा क्षमता मार्च 2026 तक 150 गीगावाट तक पहुंच गई है, जो 2014 में 2.82 गीगावाट थी। उन्होंने कहा कि भारत की स्थापित विद्युत क्षमता का लगभग 50 प्रतिशत अब गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त होता है, जिसे वर्ष 2030 की समयसीमा से पहले ही हासिल कर लिया गया है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि भारत ने 2005 से 2020 के बीच अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता में 36 प्रतिशत की कमी की है और हाल ही में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों के स्तर को स्थिर करने संबंधी अंतरराष्ट्रीय समझौता) और पेरिस समझौते के ढांचे के तहत अपनी पहली द्विवार्षिक पारदर्शिता रिपोर्ट जारी की है। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने प्रति व्यक्ति उत्सर्जन में कमी लाते हुए और गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता लक्ष्यों को समय से पहले पूरा कर उत्सर्जन तीव्रता में 37.38 प्रतिशत की कमी हासिल की है। उन्होंने कहा कि हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट है: कि हमें एक विकसित, समावेशी, नवोन्मेषी, संवहनीय और आत्मविश्वासी भारत का निर्माण करना है जो वैश्विक शांति और समृद्धि में सार्थक योगदान दे।

पूर्वांचल को नई रेल सौगात, जल्द शुरू होगी दिल्ली के लिए नई एक्सप्रेस ट्रेन : वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दोहरीघाट-औंड़िहार पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि पूर्वांचल क्षेत्र को जल्द ही दिल्ली से जोड़ने वाली एक नई एक्सप्रेस ट्रेन सेवा भी शुरू की जाएगी। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में वैष्णव ने दोहरीघाट-औंड़िहार पैसेंजर ट्रेन सेवा का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह नई दैनिक रेल सेवा मऊ और गाजीपुर जिलों के यात्रियों को सस्ती, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा सुविधा प्रदान करेगी।

मंत्री ने घोषणा की कि औंड़िहार-दोहरीघाट-औंड़िहार पैसेंजर सेवा को जल्द ही वाराणसी तक विस्तारित किया जाएगा, जिससे यात्रियों, छात्रों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि नई ट्रेन सादात, जखनियां, दुल्लहपुर, मऊ, इंदारा, कोपागंज, घोसी, अमिला और मुरादपुर स्टेशनों पर रुकेगी। यह सेवा आठ डिब्बों वाली रेक के साथ संचालित होगी। पूर्वांचल से दिल्ली के लिए बेहतर रेल संपर्क की मांग

का उल्लेख करते हुए वैष्णव ने कहा कि जल्द ही एक नई एक्सप्रेस ट्रेन शुरू की जाएगी, जो छपरा, बलिया, मऊ, आजमगढ़, शाहगंज, जौनपुर, सुल्तानपुर, लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, गाजियाबाद होते हुए आनंद विहार तक जाएगी।

रेल मंत्री ने कहा कि इंदारा-दोहरीघाट मीटर गेज लाइन का निर्माण वर्ष 1904 में हुआ था, लेकिन इसका ब्रॉड गेज में परिवर्तन वर्ष 2014 के बाद संभव हो सका। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिसंबर 2023 में इस परिवर्तित लाइन पर रेल सेवाओं का उद्घाटन किया था।

वैष्णव ने कहा कि वर्ष 2014 में उत्तर प्रदेश के लिए रेलवे बजट आवंटन केवल 1,109 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर करीब 20,012 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में इस समय लगभग 1.2 लाख करोड़ रुपये की रेल परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कई नई रेल लाइन, दोहरीकरण और मल्टी-लाइन कॉरिडोर परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है। वाराणसी में पुराने मालवीय पुल के समानांतर एक नया पुल भी बनाया जा रहा है, जिसमें नीचे चार रेलवे लाइनें और ऊपर छह लेन का राजमार्ग होगा। अमृत भारत स्टेशन योजना का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 157 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें से 28 स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है। पूर्वांचल क्षेत्र में मऊ, गाजीपुर सिटी और दिलदारनगर स्टेशनों पर कार्य जारी है।

भारत के लिए प्रकृति संसाधन नहीं, एक जीवंत सत्ता है : कृष्ण गोपाल

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि भारत के लिए प्रकृति केवल एक संसाधन नहीं बल्कि एक जीवंत सत्ता है।डॉ. कृष्ण गोपाल कॉन्स्टीट्यूशन क्लब के मावलंकर सभागार में 'प्रकृति विकास मंच' के तत्वावधान में आयोजित 'प्रकृति संवाद' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की विकास नीतियों पर गहन चर्चा की गई। कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुरलीमनोहर पाठक, पूर्व सांसद महेश चंद्र शर्मा, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. नंद किशोर गर्ग सहित सामाजिक कार्यकर्ता, विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्धजन, पर्यावरण प्रेमी और गणमान्य जन मौजूद रहे। डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा, धरती हमारी संपत्ति नहीं, हमारी मां है। इसका संरक्षण ही मानवता का भविष्य सुरक्षित कर सकता है। पश्चिमी देशों के लिए धरती एक 'संपत्ति' हो सकती है लेकिन भारतीयों के लिए यह 'माता' है। हम धरती पर फावड़ा चलाने से पहले भी उससे अनुमति मांगते हैं। डॉ कृष्ण गोपाल ने देश के बदलते राजनीतिक परिदृश्य से लेकर केदारनाथ की दुर्गम पहाड़ियों और पूर्वोत्तर के चाय बागानों तक का उदाहरण देते हुए यह स्पष्ट किया कि भारत की आत्मा उसकी 'प्रकृति-पूजा' में बसती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि हमने धरती को गर्म करना जारी रखा तो इसके दुष्परिणाम भीषण होंगे। बेमौसम बरसात और प्राकृतिक आपदाएं इसी शोषण का नतीजा हैं। डॉ. कृष्ण गोपाल ने प्रकृति विकास मंच के संयोजक केएन गोविंदाचार्य के प्रयासों की सराहना करते हुए समाज से 'मितव्ययी' और 'संयमी' बनने का आह्वान किया। उन्होंने संदेश दिया कि यदि हम सच में प्रकृति का संरक्षण करना चाहते हैं तो हमें अपनी जीवनशैली को ऋषियों की उस परंपरा के अनुरूप ढालना होगा, जहां जितनी आवश्यकता है उतना ही लेने का अनुशासन हो।इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बाद यदि कोई सच्चा राजनीतिक दार्शनिक है, तो वे केवल केएन गोविंदाचार्य हैं। मैं नहीं जानता कि उनके राजनीतिक दर्शन से सत्ता चलेगी या नहीं लेकिन यह निश्चित है कि इससे समाज में सुधार आएगा और वह स्वावलंबी बनेगा।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और केकेआर का मुकाबला

रायपुर (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवारा को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा।

आरसीबी का लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। अंक तालिका में आरसीबी 14 अंक लेकर शीर्ष स्थान पर है। वहीं केकेआर 9 अंक लेकर काफी पीछे हैं और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। इस मैच में अगर केकेआर हारी तो प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। दोनो ही टीमों की तुलना करें तो आरसीबी का इस सत्र में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। वहीं केकेआर के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। आरसीबी के पास बल्लेबाजी में कप्तान रजत पाटीदार के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और फिल साल्ट जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी में भुवनेश्वन कुमार, जैस हेजलवुड और रोमारियो शेफर्ड हैं। टीम के पास क्रुणाल पांड्या जैसा ऑलराउंडर है। क्रुणाल ने इस सत्र में गेंद और बल्ले से काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं आजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली केकेआर के पास अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, सुनील नरेन के अलावा , कैमरन ग्रीन जैसा ऑलराउंडर है। उसकी गेंदबाजी की कमान स्पिनर वरुण चक्रवर्ती, कार्तिक त्यागी के पास रहेगी। टीम के पास ऑलराउंडर के तौर पर सुनील नरेन और रोवमैन पॉवेल जैसे खिलाड़ी हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 36 मुकाबले हुए हैं। इसमें से केकेआर ने 20 जबकि आरसीबी ने 15 जीते हैं। वहीं एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू: विराट कोहली, जैकब बैथल/फिल साल्ट, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा, रसिख सलाम डार।, इम्पैक्ट प्लेयर- देवदत्त पडिक्कल

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती, इम्पैक्ट प्लेयर- फिन एलन

विश्वकप 2027 के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना चाहते हैं क्रुणाल

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में रॉयल चैलेंसर्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे क्रुणाल पांड्या का कहना है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में जगह बनाना है। पांड्या का प्रदर्शन आईपीएल में गेंद और बल्ले दोनो ही अच्छा रहा है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि चयनकर्ता विश्वकप के लिए उनके नाम पर भी विचार करेंगे। इस क्रिकेटर के अनुसार उनका लक्ष्य केवल आईपीएल में ही अच्छा प्रदर्शन करना नहीं है। उनकी नजरें 2027 एकदिवसीय विश्व कप में अवसर मिलने पर बेहतर खेल दिखाना है। विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित किया जाएगा। क्रुणाल ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 73 रन बनाकर आरसीबी की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। पांड्या ने साल 2027 विश्व कप में खेलने और राष्ट्रीय टीम में वापसी की अपनी इच्छा जतायी। उन्होंने कहा, जब मैं 6-7 साल का था, तो मैं देश के लिए खेलना चाहता था। अभी भी, यही लक्ष्य है। अगले साल विश्वकप होने वाला है। जिसके लिए मैं जगह बनाना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है किमैं अच्छा करता रहूंगा। साथ ही कहा कि अगर मुझे अवसर मिलता है तो ये मेरे परिवार के लिए विशेष अवसर होगा। क्रुणाल करीब पांच साल से टीम से बाहर हैं। जुलाई 2021 में उन्हें अंतिम बार अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अवसर मिला था। अब तक उन्होंने 5 एकदिवसीय और 19 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। 5 एकदिवसीय मैचों में उन्होंने 65 के प्रभावशाली औसत और 101.56 के स्ट्राइक रेट से 130 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 58 रन हैथा। वहीं घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा है। लिस्ट ए क्रिकेट में, उन्होंने 98 मैचों में 3001 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 38.47 और स्ट्राइक रेट 88.03 रहा है। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 17 अर्धशतक भी लगाये हैं। एक ऑलराउंडर के रूप में, उन्होंने 118 विकेट भी लिए हैं। इन आंकड़ों और आईपीएल में प्रदर्शन को देखते हुए, क्रुणाल चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचने का प्रयास कर रहे हैं।

गावस्कर को पंजाब और बेंगलुरु के बीच फाइनल होने की उम्मीद

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि इस बार पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीएल फाइनल में पहुंचेगी। गावस्कर के अनुसार खेल में मिली हार भी कभी-कभी किसी टीम के लिए लाभदायक साबित होती है, इसलिए पिछले एक दो मैचों में हार से भी पंजाब की दावेदारी कमजोर नहीं हुई है । उन्होंने कहा, मैं अब भी पंजाब किंग्स का समर्थन करूंगा। कई बार कुछ हार टीम को बेहतर तरीके से अपने को तैयार करने का अवसर देती हैं। इससे खिलाड़ी भी अति आत्मविश्वास से बचते हैं। उन्होंने कहए कि दिल्ली कैपिटल्स के पास भी इस सत्र में जीत के कई अवसर थे पर उसने उन्हें गंवा दिया। पंजाब किंग्स इससे सबक लेते हुए अब कोई गलती नहीं करना चाहेगी।

पंजाब किंग्स ने सत्र की शुरुआत से ही प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए शुरुआती सात मैचों में जीत हासिल की थी। हालांकि, इसके बाद टीम को लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी 13 अंकों के साथ टीम अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। वहीं आरसीबी ने हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में आखिरी गेंद पर दो विकेट से जीत दर्ज कर समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। इस महत्वपूर्ण जीत के साथ, आरसीबी अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है, उसने 11 मैचों में अपनी सातवीं जीत हासिल की और प्लेऑफ की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए हैं। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस बाहर हो गयी है। गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के बाकी बचे मुकाबलों को लेकर कहा, टी200 क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आम बात है। सत्र समाप्त खत्म होने के बाद टीम को अपनी गलतियों का आंकलन चाहिए। लेकिन फिलहाल मुझे लगता है कि सीनियर खिलाड़ियों ने अपना पूरा योगदान दिया है। उन्होंने सुझाव दिया, अब बाकी मैचों में युवा खिलाड़ियों को मौका देना सही रहेगा। इससे फ्रेंचाइजी को यह जानने का मौका मिलेगा कि ये युवा खिलाड़ी दबाव में कैसा प्रदर्शन करते हैं और भविष्य में टीम के लिए कितने उपयोगी साबित हो सकते हैं।

धोनी लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ खेलेंगे? चेन्नई सुपर किंग्स के अगले मैच से पहले मिला बड़ा संकेत

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के विकेटकीपर महेंद्र सिंह धोनी के बाकी टीम के साथ लखनऊ जाने की उम्मीद है। हालांकि वह इस मैच का हिस्सा होंगे या नहीं यह बात सामने नहीं आई है। लेकिन इससे CSK फैंस में धोनी को एक बार फिर मैदान में खेलते देखने की उम्मीद जरूर जगी है। CSK इंडियन प्रीमियर लीग (CSK) 2026 के अपने अगले मैच में ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जाइंट्स (LSG) टीम का सामना करेगी जो शुक्रवार 15 मई को एकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली CSK इस मैच को जीतकर प्लेऑफ की दौड़ में बने रहना चाहेगी।

धोनी अपनी पिंडली की चोट के कारण इस सीजन में अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। शुरुआती मैचों में तो वे पूरी तरह से टीम से बाहर थे, लेकिन सीजन

के बीच में उन्होंने मुंबई इंडियंस (MI) और सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) जैसी टीमों के खिलाफ खेले गए 'अवे' (बाहरी) मैचों के लिए टीम के साथ सफर करना शुरू कर दिया था। हालांकि, कुछ रिपोर्टों में कहा गया था कि वापसी की कोशिश करते समय उनकी चोट और बढ़ गई थी, जबकि कुछ का मानना था कि वे टीम के मौजूदा तालमेल को बिगाड़ना नहीं चाहते, क्योंकि इस तालमेल ने टीम को अच्छे नतीजे दिए हैं। इसी वजह से वे ष्ट्स्च् के हालिया अरुण जेटली स्टेडियम दौरे का हिस्सा नहीं थे, जहाँ टीम ने आठ विकेट से जीत हासिल की थी।

रेवस्पोर्ट्ज की एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी लखनऊ जाने वाली टीम का हिस्सा होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, धोनी के कल लखनऊ जाने की संभावना है।' अगर CSK लखनऊ को हराने में कामयाब हो जाती है, तो उसके पास टॉप चार टीमों में जगह बनाने का मौका होगा। स्त्त पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। ष्ट्स्च् का इस सीजन में अब सिर्फ एक घरेलू मैच बचा है, जो सोमवार 18 मई को शानदार प्रदर्शन कर रही सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के खिलाफ खेला जाएगा।

बीसीसीआई ने धीमी ओवर गति के लिए अक्षर पर जुर्माना लगाया

धर्मशाला । दिल्ली कैपिटल्स की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत का जश्न मना भी नहीं पायी कि टीम के कप्तान अक्षर पटेल पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लग गया है। आईपीएल ने मंगलवार सुबह एक बयान जारी कर अक्षर पर जुर्माना लगाये जाने की पुष्टि की है। इस बयान में कहा गया, 'यह इस सत्र में उनकी टीम का पहला अपराध था, जो आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत आता है और न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है। इसलिए अक्षर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।'

इस मैच में दिल्ली ने 211 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज थी। दिल्ली ने 19वें ओवर में तीन विकेट से जीत हासिल की। यह इस सत्र में उनकी पांचवीं जीत है। इसके साथ ही टीम के 12 मैचों में 10 अंक हो गए हैं। इस जीत से कैपिटल्स अंक तालिका में एक स्थान के लाभ के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गई है। अक्षर ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार अर्धशतक लगाया। कैपिटल्स से पहले भी इस सत्र में धीमी ओवर गति के लिए कई टीमों के कप्तानों पर जुर्माना लगा है।

न्यूजीलैंड की टी20 क्रिकेट लीग अब 2027-28 में शुरु होगी

ऑकलैंड । भारत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सफलता से उत्साहित होकर न्यूजीलैड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने भी साल 2027 से एक टी20 लीग शुरु करने की योजना बनायी थी जो अब टालने पड़ी है। न्यूजीलैड बोर्ड के अनुसार अब ये लीग साल 2027-28 की गर्मियों में शुरू होगा। बोर्ड ने देरी का कारण बताते हुए कहा है कि संभावित निवेशकों और हितधारकों के साथ चल रही बातचीत को अंतिम रूप देने और लीग को सफलतापूर्वक स्थापित करने के लिए अधिक समय की जरुरत महसूस हुई। बोर्ड ने हालांकि कहा कि निवेशकों के साथ उसकी चर्चाएं रचनात्मक रही हैं। जनवरी 2027 में प्रस्तावित लॉन्च को देखते हुए कई तरह के कामों में काफी विकास भी हुआ पर बोर्ड को लगा कि लीग शुरु करने के लिए अभी और काम होने हैं जिसके लिए अतिरिक्त समय की जरुरत है। । लॉन्च में देरी का एक मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर भी है। जनवरी और फरवरी में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ अहम टेस्ट सीरीज तय होने के कारण, लीग के लिए पर्याप्त विंडो मिलना कठिन हो रहा था। यह मामला हितधारकों के साथ चर्चा के दौरान सामने आया, जिसके चलते लॉन्च को आगे बढ़ाया गया है। बोर्ड की चेयरपर्सन, डायना पुकेटापु-लिंडन ने इस बदलाव का समर्थन करते हुए कहा, हमारा प्राथमिक ध्यान यह तय करना है कि न्यूजीलैंड में घरेलू टी20 क्रिकेट का भविष्य बेहतर, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक खेल के साथ जुड़ा हो। हम न्यूजीलैंड 20 के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और अब तक हुई प्रगति से उत्साहित हैं। अभी और समय लेने से यह तय करने में सहायता मिलेगी कि यह प्रतिस्पर्धा लंबे समय तक सफल रहे। वहीं मैकिनॉन ने कहा कि इस संशोधित लॉन्च विंडो से अंततः प्रशंसकों को ही लाभ होगा। उन्होंने कहा, दिसंबर 2027 में लॉन्च करके, हम यह पक्का कर सकते हैं कि यह प्रतिस्पर्धा पहली ही गेंद से उम्मीदों पर सही साबित उतरे और प्रशंसकों, खिलाड़ियों और साझेदारों को वह अनुभव प्रदान करे जिसके वे अधिकारी हैं। हमारा लक्ष्य एक ऐसा टूर्नामेंट बनाना है जो शुरुआत से ही यादगार हो। बोर्ड इसके सफल आयोजन के लिए पूरा प्रयास कर रहा है।

पंड्या की जगह पर बुमराह को कप्तान बनाये मुम्बई : मांजरेकर

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस के आईपीएल के 19 सत्र से बाहर होने के बाद से ही टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या प्रशंसकों के निशाने पर हैं। प्रशंसकों ने टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए हार्दिक को कप्तानी से हटाने की मांगे की है। इस सत्र में मुम्बई इंडियंस केवल तीन ही मैच जीती है। पूर्व क्रिकेटर ओर कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने किा है कि हार्दिक की जगह पर जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाया जाना चाहिये। मांजरेकर ने कहा कि फ्रेंचाइजी को अपने नेतृत्व पर पुनर्विचार करते हुए अनुभवी तेज गेंदबाज बुमराह को टीम की कप्तानी संभालने का अवसर देना चाहिये। मांजरेकर ने कहा कि मैं बुमराह को भारत की कप्तानी करते देखना चाहता हूं, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि कोई भी खेल को उनके जितना बेहतर समझता है, उनकी गेंदबाजी में केवल एक्शन ही नहीं, बल्कि पूर्वानुमान, बल्लेबाज को पढ़ना, स्थिति को समझना और पिच को जानना भी शामिल है। उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी तो नहीं मिली पर आईपीएल में जरुर मिलनी चाहिये। मांजरेकर ने कहा कि जब मुम्बई ने हार्दिक को शामिल किया था, तभी उन्हें कोच आशीष नेहरा को भी ले लेना चाहिये था। हार्दिक और नेहरा ने गुजरात टाइटंस में एक सफल साझेदारी बनाई थी। मांजरेकर के अनुसार उन्हें हार्दिक पांड्या के अलावा किसी और विकल्प पर भी विचार करना होगा क्योंकि उनकी कप्तानी सफल नहीं रही है। मांजरेकर के अनुसार टेस्ट कप्तान की तुलना में आईपीएल में कप्तानी करना बुमराह के लिए अपेक्षाकृत आसान होगा। इसका कारण है कि इसमें अधिक दबाव नहीं रहता है।

बंगलादेश ने पाकिस्तान को 104 रन से हराया, नाहिद राणा ने झटके 5 विकेट

ढाका (एजेंसी)। तेज गेंदबाज नाहिद राणा के पांच विकेट की बदौलत बांग्लादेश ने मंगलवार को यहां पाकिस्तान के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन 104 रन से जीत हासिल की। बांग्लादेश के 268 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान 163 रन पर सिमट गया जिसमें नाहिद ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 40 रन देकर पांच विकेट चटकाए। चाय के बाद उन्होंने अपने तीन ओवर में पांच रन देकर सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान और नोमान अली को आउट किया। तेज गेंदबाज तास्किन अहमद ने भी उनका अच्छा साथ निभाते हुए 40 रन पर दो विकेट चटकाए।

बांग्लादेश को पहली सफलता तास्किन ने दिलाई जब उन्होंने इमाम उल हक (02) को विकेटकीपर लिटन दास के हाथों कैच कराया। पदार्पण करने वाले दो खिलाड़ी सलामी बल्लेबाज अजान अवैस (15) और अब्दुल्ला फजल (66) ने दूसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। ऑफ स्पिनर मेहदी हसन (47 रन पर एक विकेट) ने पहली पारी में शतक जड़ने वाले अवैस को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा।

नाहिद ने कप्तान शान मसूद (02) को विकेट के पीछे कैच कराके पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 68 रन किया। फजल ने सलमान आगा (26) के साथ पारी को संभाला लेकिन चाय के ब्रेक के बाद बांग्लादेश ने जल्दी-जल्दी दो विकेट लेकर वापसी की। बाएं हाथ के स्पिनर ताइजुल इस्लाम (22 रन पर दो विकेट) ने फजल को पगबाधा करके सलमान के साथ उनकी 51 रन की साझेदारी तोड़ी। तास्किन ने सलमान आउट करके पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 121 रन किया। शकील (15) और रिजवान (15) ने पाकिस्तान की उम्मीद जगाई लेकिन नाहिद ने तीन ओवर में तीन विकेट लेकर बांग्लादेश को जीत की दहलीज पर पहुंचाया।

नाहिद ने शाहीन शाह अफरीदी (00) को महमुदुल हसन जॉय के हाथों कैच कराके बांग्लादेश को जीत दिलाई और अपने करियर में दूसरी बार पारी में पांच विकेट भी पूरे किए। इससे पहले कप्तान नजमुल हुसैन शंटो के 87 रन की मदद से बांग्लादेश ने पाकिस्तान को जीत के लिए 268 रन का लक्ष्य दिया। बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 152 रन से करने के बाद दूसरी पारी नौ विकेट पर 240 रन घोषित की। मेजबान टीम ने मुश्किल लक्ष्य देने के लिए आक्रामक रवैया दिखाया जिसमें शंटो ने शानदार प्रदर्शन किया।

हसन अली ने मुशफिकुर रहीम को आउट करके पाकिस्तान को शुरुआती सफलता दिलाई। शंटो ने इसके बाद मोर्चो संभाला और अपनी पारी में सात चौके लगाए। उन्हें बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली (76 रन पर तीन विकेट) ने पगबाधा किया। मेहदी हसन ने 24 रन बनाकर बढ़त को 250 रन के पार पहुंचाया। हसन अली (52 रन पर तीन विकेट) ने तास्किन को इमाम के हाथों कैच कराया जिसके बाद बांग्लादेश ने 76 ओवर बाकी रहते पारी घोषित कर दी। बांग्लादेश ने पहली पारी में 413 रन बनाए थे और फिर पाकिस्तान को 386 रन पर आउट करके 27 रन की बढ़त हासिल की थी। दूसरा टेस्ट शनिवार से सिल्हेट में शुरू होगा।

विनेश को ट्रायल की अनुमति दिलाने साक्षी मलिक ने प्रधानमंत्री और खेल मंत्री से सहायता मांगी

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता महिला पहलवान साक्षी मलिक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से अपील करते हुए कहा है कि विनेश फोगाट को ट्रायल की अनुमति दिलाने के लिए वे हस्तक्षेप करें। साक्षी ने कहा कि विनेश को देश के लिए पदक जीतने और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनने का अवसर मिलना चाहिए। साक्षी ने कहा कि विनेश को कुश्ती महासंघ वापसी के अवसर नहीं दे रहा है। महासंघ ने विनेश को ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है। साक्षी ने स्वीकार किया कि वह कुछ दिनों से इस पर विचार कर रही थीं, क्योंकि विनेश एक राजनीतिक पार्टी से जुड़ी विधायक हैं जबकि उनका स्वयं किसी भी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है। अपने वीडियो में साक्षी ने अंतरराष्ट्रीय खेल संघों के उदाहरण दिए, जो महिला एथलीटों, विशेषकर मां बनने के बाद वापसी करने वाली खिलाड़ियों के लिए नियमों को लचीला बनाते हैं, जिससे वे खेल में बने रहें और अपने देश के लिए पदक जीत सकें। इसके विपरीत, साक्षी ने भारतीय कुश्ती महासंघ की आलोचना करते हुए कहा कि फेडरेशन ने दो दिन पहले ऐसे नियम लागू कर दिए हैं जो विनेश की वापसी को कठिन बनाते दिख रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री, खेल मंत्री और कुश्ती महासंघ से विनम्र निवेदन किया कि विनेश का ट्रायल लिया जाए। साक्षी का मानना है कि इससे विनेश न केवल देश का नाम रोशन करेंगी, बल्कि एक ऐसा प्रेरणादायक उदाहरण भी पेश करेंगी कि भारतीय महिलाएं मां बनने के बाद भी खेल के मैदान में लौटकर देश के लिए पदक जीत सकती हैं। गौरतलब है कि शनिवार को भारतीय कुश्ती महासंघ ने विनेश फोगाट को एक कारण बताओ नोटिस जारी किया था। डब्ल्यूएफआई ने विनेश पर अनुशासनहीनता और कथित तौर पर डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया है, जिसके लिए उनसे चार आरोपों पर जवाब मांगे गए हैं। महासंघ ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि विनेश 26 जून 2026 तक किसी भी घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगी।

नीरज चोपड़ा की वापसी में देरी, सचिन यादव रोम में डायमंड लीग में करेंगे डेब्यू

रोम(एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव 4 जून को प्रतिष्ठित एथलेटिक्स सीरीज़ के रोम चरण में डायमंड लीग में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। खास बात यह है कि इस मीट की एंट्री लिस्ट में ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा का नाम शामिल नहीं है। नीरज चोपड़ा, जो इस समय तुर्की में ट्रेनिंग और रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने का इलाज) कर रहे हैं, उन्होंने अभी तक अपना 2026 एथलेटिक्स सीजन शुरू नहीं किया है। उन्हें आखिरी बार सितंबर में टोक्यो में हुई विश्व चैंपियनशिप में एक्शन में देखा गया था, जहां उन्होंने पीठ की चोट के बावजूद मुकाबला किया था और निराशाजनक रूप से आठवें स्थान पर रहे थे।

नीरज की गैरमौजूदगी में, रोम में सभी की नज़रें सचिन यादव पर होंगी, जिन्हें पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के लिए आठ प्रतिस्पर्धियों में शामिल किया गया है। 26 वर्षीय सचिन पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय इवेंट में हिस्सा लेंगे। वह फाइनल में 86.27मी के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे और पदक जीतने से बाल-बाल चूक गए थे। उन्होंने पिछले साल एशियाई चैंपियनशिप में भी रजत पदक जीता था।

रोम 2026 डायमंड लीग में सचिन का मुकाबला कई दिग्गज खिलाड़ियों से होगा, जिनमें ग्रेनाडा के पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के जूलियन वेबर, रियो 2016 के चैंपियन जर्मनी के थॉमस रोहलर और टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता चेकिया के याकूब वाडलेज शामिल हैं। अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन, पोलैंड के डेविड वेगनर और श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरगे - जो इस समय दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी हैं - भी इस मुकाबले में शामिल होंगे।

सचिन यादव ने अप्रैल में नई दिल्ली में हुई इंडियन एथलेटिक्स सीरीज मीट के साथ घरेलू सर्किट पर अपना 2026 सीज़न पहले ही शुरू कर दिया है, जहां वह 81.95मी के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। हालांकि पुरुषों का भाला फेंक इवेंट भी 31 मई को मोरक्को में होने वाली रबात डायमंड लीग का हिस्सा होगा, लेकिन मोरक्को में होने वाली इस मीट के लिए एंट्री लिस्ट की घोषणा अभी तक नहीं की गई है।

दूसरी ओर, भारत की पारुल चौधरी, जिनके नाम महिलाओं की 3000मी, 5000मी और 3000मी स्टीपलचेज़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं, 16 मई को शंघाई डायमंड लीग 2026 में स्टीपलचेज दौड़ में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। यह भारतीय एथलीट अपनी तीसरी डायमंड लीग मीट में हिस्सा लेंगी। पारुल, जो मौजूदा एशियाई खेलों की 5000मी चैंपियन हैं, 2024 में यूजीन में 16वें स्थान पर रही थीं और पिछले साल दोहा में छठे स्थान पर आई थीं। शंघाई में उनका मुकाबला केन्या की मौजूदा विश्व चैंपियन फेथ चेरोटिच, कज़ाकिस्तान की पूर्व विश्व चैंपियन नोराह जेरुतो

और युगांडा की पूर्व ओलंपिक चैंपियन पेरुथ चेमुताई से होगा।

शंघाई मीट के साथ ही 2026 डायमंड लीग सीजन की शुरुआत भी हो जाएगी, क्योंकि दोहा लेग-जिसे मूल रूप से ओपनर के तौर पर रखा गया था-को 8 मई से बदलकर 19 जून कर दिया गया है। सचिन और पारुल दोनों ही आने वाली डायमंड लीग मीट और दुनिया भर के शीर्ष एथलीटों के साथ होने वाली प्रतिस्पर्धा का लाभ उठाकर, आगे आने वाले व्यस्त सीजन के लिए अपनी लय बनाने की कोशिश करेंगे; इस सीजन में 2026 के एशियाई खेल भी शामिल हैं।

शाहीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 400 विकेट लेने वाले पाकिस्तान के नौवें गेंदबाज बने

मीरपुर । पाकिस्तान के मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में एक विकेट लेने के साथ ही अपने 400 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे कर लिये हैं। शाहीन ये उपलब्धि अपने नाम करने वाले पाक के नौवें गेंदबाज बन गये हैं। एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस मुकाबले के चौथे दिन शाहीन ने बांग्लादेशी बल्लेबाज मोमिनुल हक को आउट करते ही अपने 400 विकेट पूरे किये। वह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में 100 विकेट पूरे करने वाले पहले पाकिस्तानी गेंदबाज बन गए हैं। अब उनके नाम डब्ल्यूटीसी में कुल 103 विकेट दर्ज हैं, जो उन्हें इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में पाक की तरफ से सबसे सफल गेंदबाज बनाता है। इस सूची में नोमान अली 89 विकेट के साथ दूसरे और साजिद खान 63 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। गौरतलब है कि शाहीन से पहले पाक के लिए आठ दिग्गज गेंदबाजों ने 400 या उससे अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं। इस विशिष्ट क्लब में शामिल होकर शाहीन ने अपनी जगह महानतम खिलाड़ियों की पंक्ति में बना ली है। पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में वसीम अकरम 916 विकेट के साथ नंबर एक पर हैं, उनके बाद वकार यूनिस 789, इमरान खान 544, शाहिद अफरीदी 538, सकलैन मुश्ताक 496, सईद अजमल 447, शोएब अख्तर 438 और उमर गुल 427 विकेट के साथ मौजूद हैं। शाहीन में 400 विकेट के साथ नौवें स्थान पर हैं। शाहीन ने अब तक 74 एकदिवसीय मैचों में 139 विकेट लिए हैं, जबकि 103 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भी उन्होंने 136 विकेट हासिल किए हैं। इस गेंदबाज ने केवल 211 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 400 विकेट पूरे किए हैं।

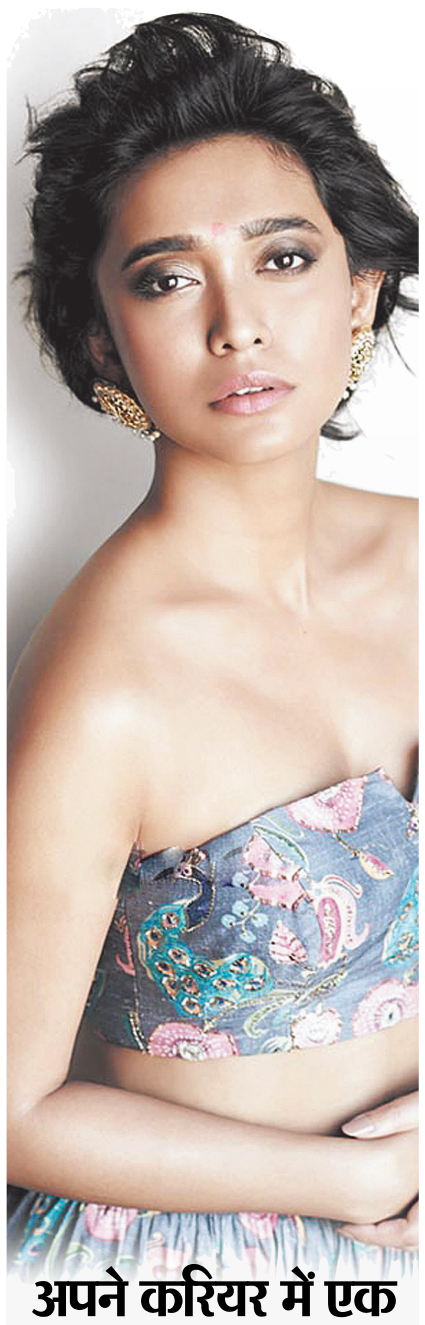

अपने करियर में एक नए क्रिएटिव दौर की शुरुआत कर रही हैं सयानी गुप्ता

एक्ट्रेस सयानी गुप्ता को बड़ी उपलब्धि मिली है। उन्हें कहानी कहने के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए हार्वर्ड साउथ एशियन एसोसिएशन ने 'पर्सन ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से नवाजा है। अभिनेत्री का ग्लोबल लेवल पर सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ा है। यह सम्मान अलग-अलग क्षेत्रों में साउथ एशियन लोगों की बड़ी उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। यह सम्मान उन लोगों को पहचान देता है जिनके काम ने वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई हो। एसोसिएशन ने एक ऑफिशियल बयान जारी किया, जिसमें कहा गया, 'हम हर साल ऐसे किसी व्यक्ति को सम्मानित करते हैं, जिसके काम ने सार्वजनिक जीवन में साउथ एशियन पहचान को व्यक्त करने के तरीके को आकार दिया हो।'उनके काम की तारीफ करते हुए एसोसिएशन ने कहा, 'सयानी की एक्टिंग ने लगातार पुरानी सोच को चुनौती दी है। वह आज के दौर की कहानियों में गहराई, बेबाकी और सच्चाई लाई हैं। वह सबको साथ लेकर चलने वाली कहानियों को आकार देने में एक दमदार आवाज बन गई हैं।'

निर्देशक बनेंगी सयानी

एक्टिंग के अलावा, सयानी अब अपने करियर में एक नए क्रिएटिव दौर की शुरुआत कर रही हैं। अब वह लेखक और निर्देशक की भूमिका निभाएंगी।

इन फिल्मों में नजर आई सयानी

बता दें कि सयानी ने अपनी एक्टिंग के दम पर अपने लिए एक मजबूत जगह बनाई है। वह गहराई और लीक से हटकर चुने गए किरदारों के लिए जानी जाती हैं। सयानी 'फोर मोर शॉट्स प्लीज!', 'एक्सोन', 'आर्टिकल 15', 'इनसाइड एज' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे प्रोजेक्ट्स में अपने काम के लिए काफी मशहूर हैं।

पूजा हेगड़े ने शेयर किए फिल्म 'रेट्रो' के सेट से जुड़े किस्से

अभिनेत्री पूजा हेगड़े की तमिल रोमांटिक-एक्शन फिल्म 'रेट्रो' ने रिलीज के एक साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर अभिनेत्री फिल्म की यादों में खोती नजर आईं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी फिल्म से जुड़ी कुछ अनसुनी और रोमांचक यादें प्रशंसकों के साथ शेयर कीं। पूजा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से कुछ बीटीएस तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि फिल्म बनाना किसी साहसिक सफर से कम नहीं था। अभिनेत्री ने लिखा, 'फिल्म रेट्रो के रिलीज को एक साल पूरा। शूटिंग के दौरान हमने कई बड़ी चुनौतियों का सामना किया। शूटिंग के समय कई बार तूफान आए, काम करते वक्त मेरा लिगामेंट भी फट गया था, जिससे मुझे काफी चोटें आईं। हर तरफ कीचड़ और फिसलन थी, लेकिन इस दौरान हमारी टीम का जज्बा कम नहीं हुआ। अभिनेत्री ने आगे एक हौरान कर देने वाली घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि एक बार शूटिंग के दौरान उनकी नाव में आग लग गई थी। पूजा ने लिखा, 'हमारी नाव में आग लग गई (सुहास, आप हमेशा हीरो रहेंगे) और शूटिंग के वक्त एक ऐसा द्वीप था जहां चारों तरफ सांपों का डेरा था।' अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि तकनीकी रूप से ये सारी चीजें बहुत तनावपूर्ण और मुश्किल होनी चाहिए थीं, लेकिन असलियत में ऐसा नहीं था। उन्होंने लिखा, 'वहां बहुत शांति और अच्छा माहौल था। हम सबस खूब हंसी-मजाक करते थे। सबसे बड़ी बात यह थी कि हम कुछ ऐसा बना रहे थे, जो पूरी तरह से दिल से और सिनेमा के प्रति प्यार के लिए था, जब आप सही लोगों के साथ काम करते हैं, तो सबसे कठिन दिन भी आसान लगने लगते हैं।'

कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित तमिल रोमांटिक एक्शन फिल्म 'रेट्रो' में पूजा के साथ सूर्या मुख्य भूमिकाओं में थे। 'लव-लाफ्टर-वॉर' उपशीर्षक वाली इस फिल्म का निर्माण स्टोन बेंच क्रिएशंस और 2डी एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया। इसमें सूर्या (परी) एक अपराधी पिता द्वारा पाले गए व्यक्ति की भूमिका में हैं, जो अपनी प्रेमिका, रुक्मिणी (पूजा हेगड़े) के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए हिंसक अतीत को छोड़ना चाहता है, लेकिन उसका हिंसक अतीत उसे नहीं छोड़ता।

कानून, न्याय और सत्ता के बीच चलने वाली खींचतान को दिखाएगी 'सिस्टम'

आज के समय में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ऐसी फिल्मों की मांग बढ़ गई है, जो समाज के असली मुद्दों को दिखाती हों। इसी कड़ी में अब एक नई फिल्म 'सिस्टम' सामने आने वाली है, जो कानून, न्याय और सत्ता के बीच चलने वाली खींचतान को दिखाएगी। यह फिल्म एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है, जिसमें दो अलग-अलग दुनिया की महिलाएं एक साथ आकर सच को सामने लाने की कोशिश करती हैं।

फिल्म 'सिस्टम' 22 मई 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। यह एक लीगल ड्रामा फिल्म है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे एक ताकतवर सरकारी वकील और एक साधारण स्टेनोग्राफर मिलकर उन सच्चाइयों को सामने लाने की कोशिश करते हैं, जिन्हें लंबे समय से दबाया गया है। कहानी में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जहां उन्हें यह तय करना पड़ता है कि वे सत्ता का साथ दें या सही का। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा ने नेहा राजवंश नाम की पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का किरदार निभाया है, जो अपने काम में बहुत मजबूत और आत्मविश्वासी है। वहीं ज्योतिका सरिका रावत के रोल में नजर आएंगी, जो एक साधारण परिवार से आने वाली कोर्ट स्टेनोग्राफर है। दोनों की सोच, परवरिश और जिंदगी बिल्कुल अलग है, लेकिन जब बात न्याय की आती है तो वे एक साथ खड़ी होती हैं। फिल्म में इन दोनों का रिश्ता धीरे-धीरे मजबूत होता हुआ दिखाया जाएगा।

फिल्म के प्रोड्यूसर हरमन बावेजा ने कहा, ''सिस्टम' दो ऐसी महिलाओं की कहानी है, जो अपने-अपने तरीके से न्याय को समझती हैं और उसे पाने के लिए संघर्ष करती हैं। सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर जैसे कलाकारों ने अपने अभिनय से इस कहानी को और भी प्रभावशाली बना दिया है।''

फिल्म का निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया है। फिल्म में प्रीति अग्रवाल, आदिनाथ कोठारे, आश्रिया मिश्रा, गौरव पांडे और सयानदीप गुप्ता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं प्राइम वीडियो और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया में ओरिजिनल कंटेंट के प्रमुख निखिल मधोक ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, 'सिस्टम' एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को शुरुआत से अंत तक बांधे रखेगी।

अनीस बज्मी की फिल्म की शूटिंग के बीच अक्षय कुमार ने लिया ब्रेक!

अभिनेता अक्षय कुमार अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। प्रियदर्शन के साथ उनकी यह फिल्म हिट हो गई है। अब उन्होंने फिल्ममेकर अनीस बज्मी के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बीच खबर आ रही है कि बहुत मसरूफ होने के बावजूद उन्होंने एक जरूरी काम के लिए वक्त निकाल लिया है। अक्षय कुमार ने अपनी आंखों की सर्जरी करवाई है। यह नजर ठीक करने के लिए थी। अक्षय अब थोड़ा ब्रेक लेंगे और आराम करेंगे। उन्होंने अनीस बज्मी के साथ अपनी अगली फिल्म का केरल शेड्यूल भी पूरा कर लिया है, जिसमें विद्या बालन और राशि खन्ना भी नजर आएंगी।' हाल ही में अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर विद्या बालन और राशि खन्ना के साथ अपनी एक अपकमिंग फिल्म को लेकर पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में अक्षय ने अपकमिंग फिल्म के बारे में अहम जानकारी दी है। अक्षय कुमार ने पोस्ट में लिखा कि अच्छी जगह पर खूबसूरत लोगों के साथ काम करना बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने निर्देशक अनीस बज्मी की तारीफ की और पूरी टीम को 'अद्भुत' बताया।

इस तस्वीर के साथ अक्षय ने बताया कि उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग का केरल का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है।

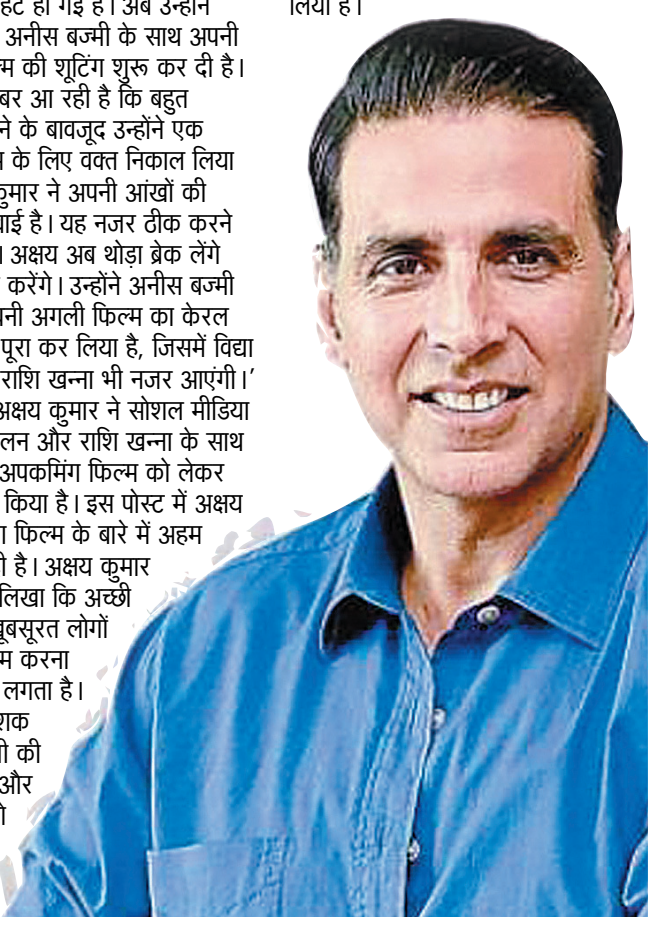

रसिका दुग्गल संग पहली बार जमेगी सैफ अली खान की जोड़ी

अभिनेता सैफ अली खान की क्राइम थ्रिलर 'कर्तव्य' ओटीटी पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। फिल्म में सैफ एक ऐसा किरदार निभाते नजर आएंगे, जो अपने पेशेवर 'कर्तव्य' और 'परिवार' के बीच बुरी तरह फंसा हुआ है। फिल्म में अभिनेता पहली बार रसिका दुग्गल के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। अभिनेत्री रसिका अपनी बेहतरीन अदाकारी और संजीदा किरदारों के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने फिल्म में सैफ अली खान के साथ काम करने के अपने अनुभव को 'शानदार' बताया। उन्होंने सैफ की तारीफ करते हुए कहा कि उनके साथ काम करना बेहद सहज और मजेदार रहा। उन्होंने सैफ के व्यक्तित्व पर रोशनी डालते हुए कहा, 'सेट पर एक ऐसा सह-कलाकार मिलना वाकई सुखद होता है, जिसका सेंस ऑफ ह्यूमर कमाल का हो। सैफ के साथ काम करना मनोरंजन से भरपूर था। वह न केवल एक बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि एक बहुत अच्छे इंसान भी हैं।' रसिका ने फिल्म जगत में सैफ अली खान के लंबे और सफल करियर की भी सराहना की। सैफ ने समय के साथ खुद को लगातार बदला है और हर बार एक नए अंदाज में दर्शकों के सामने आए हैं। यही कारण है कि वह आज भी इंडस्ट्री के सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं में गिने जाते हैं।

गौरव खन्ना ने रोहित शेट्टी के साथ काम करने के अनुभव पर खुलकर बात की

अभिनेता गौरव खन्ना इन दिनों स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' को लेकर सुर्खियों में हैं। खास बातचीत में गौरव ने अपनी जिंदगी के संघर्षों, मुंबई आने के सफर और बिना गॉडफादर के मुकाम हासिल करने पर खुलकर बात की। उन्होंने नए शो को लेकर परिवार के रिएक्शन, रोहित शेट्टी के साथ काम करने के अनुभव और जिंदगी में जोखिम लेने की अपनी आदत पर भी चर्चा की।

'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने जा रहे हैं, फैंस को आपसे काफी उम्मीदें हैं?

बड़ा अच्छा लगता है जब दर्शक इतना भरोसा दिखाते हैं। पिछले रियलिटी शो (बिग बॉस) में लोगों ने मुझे मेरे असली रूप में देखा। अभी तक वे मुझे सिर्फ किरदारों से जानते थे, लेकिन अब वे असली गौरव (जीके) को जानते हैं। मेरी यही कोशिश रहेगी कि मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरूं और उन्हें एंटरटेन करता रहूं।

इस शो में जीके (गौरव खन्ना) क्या खास करने वाले हैं?

जीके इस शो में स्टंट करेगा। जीके जिस भी शो में जाता है, वहां जो भी रिक्वायरमेंट होती है, वो जरूर पूरी करता है।

शो के लिए आपकी क्या तैयारी है?

मैं कभी कुछ सोचकर नहीं जाता। मैं खुद को उस परिस्थिति में डालता हूं और रिक्वायरमेंट के हिसाब से परफॉर्म करने की कोशिश करता हूं। मुझे स्टंट्स का कोई एक्सपीरियंस नहीं है, मैं पहली बार यह सब कर रहा हूं।

शो का ऑफर आने पर घर वालों का कैसा रिएक्शन था?

मेरे माता-पिता कानपुर में रहते हैं और बहुत साधारण लोग हैं। जब मेरी मां को पता चला तो वे चिंतित हो गईं। उन्होंने कहा- 'तुम क्यों जा रहे हो? तुम्हें क्या जरूरत है, करियर तो अच्छा खासा चल रहा है।' उन्होंने ऐसा ही मास्टरशेफ और बिग बॉस के टाइम भी कहा था। मैंने उन्हें इस बार भी नहीं बताया था। सच कहूं तो शो का कॉन्ट्रैक्ट साइन करने वाला मैं सबसे आखिरी इंसान था।

आपने शो करने का फैसला कैसे लिया?

मेरे पिता ने मेरा हौसला बढ़ाया और कहा कि तुम्हें यह करना चाहिए। मुझे लगा कि एक-दो शो जीतने के बाद हम अक्सर अपने कंफर्ट जोन में चले जाते हैं। लेकिन मजा तो इसी में है कि खुद को परखा जाए। मैं कॉर्पोरेट लाइन से एक्टर बना और फिर रियलिटी शोज में आया। जब तक कुछ नया करने का जज्बा है, लाइफ में ग्रोथ होती रहेगी। पत्नी आकांक्षा का रिएक्शन भी बिंदास था, उसने तुरंत कहा- 'करो!'

लाइफ में आपने अब तक का सबसे बड़ा जोखिम क्या लिया है?

अपने कंफर्ट जोन को छोड़ना। सबसे पहले अपने घर को छोड़कर इतने बड़े शहर (मुंबई) में आना, वह भी बिना किसी प्लान के। मुझे कोई इल्म नहीं था कि मैं एक्टिंग करूंगा। ना किसी को जानता था, ना कोई परिवार था, ना ही कोई गाइडेंस या गॉडफादर था। आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो लगता है कि लाइफ में काफी रिस्क लिए हैं।

उस गौरव को क्या कहेंगे जो सालों पहले बिना किसी जुगाड़ के मुंबई आया था?

मैं उसे बस यही कहूंगा कि 'खुद पर विश्वास रख।' आज भी मुझे वही चीज काम आती है जो 20 साल पहले आई थी। अगर मैं उस समय अपने विश्वास से डगमगा जाता, तो शायद मैं इस लाइन में कभी नहीं आता और कॉर्पोरेट में ही रह जाता। मुझे लाइफ में रिग्रेट नहीं करना है, बस कुछ आउट ऑफ द बॉक्स करना है।

रोहित शेट्टी के साथ काम करने को लेकर क्या सोच रहे हैं?

मैं उनसे बिग बॉस के एक वीकेंड का वार में मिला था। उनकी वाइब एक बड़े भाई जैसी है, जो मजाक-मजाक में बड़ी बातें समझा देते हैं। उनकी गाइडेंस में स्टंट सीखना इस शो को करने की एक बड़ी वजह है। वाट तो लगेगी, ऐसा नहीं है कि मैं पत्थर का बना हूं और मुझे डर नहीं लगता। डर सबको लगता है, बस उसे ही ओवरकम करना है।

हमारे अच्छे कर्मों से खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते है। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है- योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।

मनुष्य पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्त्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्त्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्त्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्त्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्त्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्त्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्त्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फ़ेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्त्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

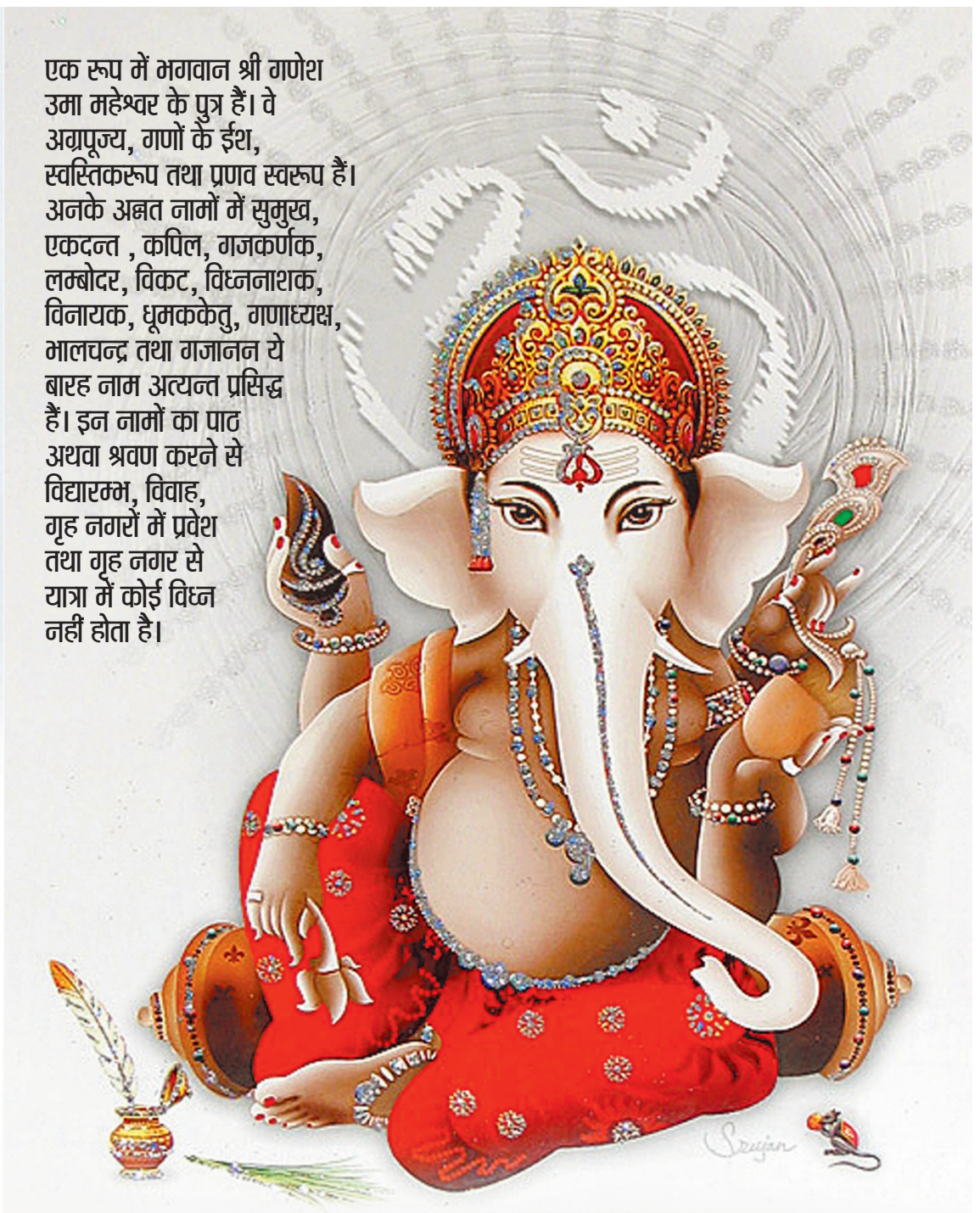

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विध्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विध्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरूषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विघ्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विघ्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रिड़ा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूड़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नमः है।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः, ऊँ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी-देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र

अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं-

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के ध्रूमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।